हरियाणा विधान सभा

का

कार्यवाही,

27 नवम्बर, 1986

खण्ड 3, अंक 3

अधिकृत विवरण

विषय सूची

वीरवार, 27 नवम्बर, 1986

पृष्ठ संख्यां

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(3) 1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्न का लिखित उत्तर	(3) 23
तारांकित प्रश्न सं ० 116 पर सिंचाई तथा बिजली मंत्री	(3) 24

द्वारा स्पष्टीकरण	
विभिन्न विषयों का उठाया जाना	
(1) काश्त के लिए भूमि जोत की सीमा कम करने संबंधी	(3) 24
(2) किसानों को दिए गए लाभ के साथ–साथ समाज के अन्य वर्गों को रियायते /सहायता देने संबंधी	(3) 25
(3) किसानों को उद्योगों, की भांति प्रोत्साहन तथा ऋण देने संबंधी	(3) 26
(4) किसानों के लिए ऋण सीमा उनकी भूमि जोत के आधार पर निर्धारित करने संबंधी	(3)27
ध्यानाकर्षण सूचना	
नारनौल तहसील में पेय जल की भारी कमी संबंधी	(3) 29
गैर–सरकारी संकल्प	
जात–पात आदि की भावना फैला कर राज्य के वातावरण को दूषित करने की निन्दा करने संबंधी (बहस अपूर्ण)	(3)30

हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 27 नवंबर, 1986

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान' भवन, सैक्टर– 1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.3० बजे हुई । अध्यक्ष (सरदार तारा सिंह) ने अध्यक्षता की ।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर्ज, अब क्वैश्चन्ज होंगे ।

Oil Refinery at Karnal

***1166. Shri Bhalle Ram :** Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to set up an Oil Refinery at Karnal ; and

(b) if so, the time by which the said proposal is likely to materialise?

उद्योग मन्त्री (श्री श्रीकिशन दास) :

(क) जी, हां ।

(ख) भारत सरकार की ओर से करनाल रिफाईनरी परियोजना को संयुक्त क्षेत्र परियोजना के रूप में क्रियान्वित करने

का निर्णय लिया गया है । करनाल रिफाईनरी परियोजना को शीघ्र क्रियान्वित करने के बारे में हरियाणा सरकार की ओर से भारत सरकार के साथ मामला पहले ही उठाया हुआ है । क्योंकि मामले में अन्तिम निर्णय भारत सरकार द्वारा ही लिया जाना है इसलिये इस परियोजना को क्रियान्वित करने के संबंध में सही समय के बारे कुछ नहीं कहा जा सकता ।

श्री भले राम : स्पीकर साहब, इस प्रोजैक्ट को गवर्नमैंट आफ इंडिया बनायेगी, लेकिन इस मरे में खतो–खितावत तो हरियाणा सरकार के साथ चलती रहती है । मे यह जानना चाहूंगा कि क्या इस प्रोजैक्ट के लिये जमीन एक्वायर कर ली गयी है या नहींय अगर कर ली गयी तो इसके लिये कितनी जर्मीन ? दूसरी बात यह है कि क्या हरियाणा के लोगों को इस प्रोजैक्ट के लिये एम्पलायमैंट में प्रैफरैस दी जायेगी या नहीं? इसके अलावा, यहां पर कितने लोगों को एम्पलायमैंट दी जायेगी ?

श्री अध्यक्ष : कितने लोग लगेंगे, इस स्टेज पर यह क्या बता सकेंगे?

श्री श्री कशन दास : इसके लिये जे जमीन ती जा रही है वह लगभग 214 व एकड है । इसमें से लग भग 833 एकड़ जमीन प्राइवेट लोगों की है, 1250 एकड़ पुनर्वास विभाग की है और रु० एकड़ सिंचाई वि भाग की है । यह जमीन एक्वायर कर ली गयी है । पुनर्वास विभाग की जमीन का पैसा सैट्रल गवर्नमैंट

ने हमें दे दिया है । इसके अलावा, 833 एकड़ जमीन का करनाल के डिप्टी कमिश्नर को 2 करोड़ रुपया मुआवजा आदि देने के लए आ गया है । इससे 1500 लोगों को सीधे एम्प– लायमैंट मिलेगी ।

श्री कंवल सिंह : अध्यक्ष महोदय, पब्लिक सैक्टर में जहां भी अंडरटेकिंग्ज लगाते हैं, उसके लिए यह फैसला होता है कि जे जमीन एक्वायर होगी और उससे जो लोग अफैक्टिड होंगे, उनके उस अन्डरटेकिंग में एम्पलायमैंट में प्रैफरैस दिया जा वेगा जो वहां पर जनरेट होगी । क्या गवर्नमैंट इस वात पर विचार करेगी कि जिन लोगों की जमीन एक्वायर होगी, उनको एम्पलायमैंट में प्राथमिकता दी जायेगी?

श्री श्रीकिशन दास : इस बात का ध्यान रखा जायेगा 1

श्री जगदीश नेहरा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके जरिये माननीय मंत्री जी से एक बात पूछना चाहता हूं कि यह कितने करोड़ रुपये का प्रोजैक्ट है और क्या इससे जो पौल्यूशन होगी र उसको ध्यान में रखा गया है या नहीं ? आपको पता ही है, मथुरा आयल रीफाइनरी की वजह से वहा पर बहुत ही ज्यादा पौल्यूशन है, क्या हरियाणा सरकार इम बात को ध्यान में रखेगी कि पौल्यूशन न हो?

श्री श्रीकिशन दासः अन्दाजा यह है कि इस पर 1350 करोड़ रुपया खर्च होगा । हरियाणा सरकार इस बात का पूरा ध्यान रखेगी कि वहां पर पौल्यूशन हो।

श्री सागर राम गुप्ता : मैं मंत्री महोदय सें एक बात जानना चाहूगा कि इस रिफाइनरी प्रोजैक्ट के सिलसिले में आखरी बार बातचीत या पत्र– व्यवहार हरियाणा सरकार का केन्द्रीय सरकार से कब हुआ ? दूसरी बात मैं यह भी जानना चाहता हूं? कि क्या हरियाणा सरकार की नौलेज में यह व है कि इस आयल रीफाइनरी को प्वायंट सैक्टर प्रोजैक्ट के रुप में लगाने के लिये केन्द्रीय सरकार किस पार्टी के साथ बात कर रही है ? मिनिस्टर कन्सर्न्ड को लिखा? है, लेकिन वह कौन सी पार्टी से बात कर रहे है, यह हमें मालूम, नहीं और न ही इससे हमारा कोई कन्सर्न है ।

श्री लछमन सिंह : स्पीकर साहव, यह एक बहुत ही प्रैस्टीजियस प्रोजैक्ट है । मैं मिनिस्टर साहब से आपकी मार्फत एक बात और जानना चाहता हूं कि इस प्रोजैक्ट की कम्पलीशन के दौरान, घरों में जो गैस इस्तेमाल होगी उसके लिये अन्डरग्राउन्ड पाईप बिछाने की कोई प्रोपोजल इन्होंने भेजी है? अगर नहीं भेजी है तो क्या भेजने पर सरकार विचार करने के लिये तैयार है ?

श्री अध्यक्ष : वैसे तो यह सैपरेट क्वैश्चन है । फिर भी अगर मंत्री जी जवाब देना चाहें तो दे सकते है ।

श्री बंसी लाल : स्पीकर साहब, इन बात का फैसला तो गवर्नमैंट आफ इंडिया करेगी । हमारी इस बारे में कोई प्रोपोजल नहीं है और न ही हमने भेजी है । जैसे भी करनाल में गवर्नमैंट आफ इंडिया इम काम को वायेबल समझेगी, करेगी । यह देखना गवर्नमैंट आफ इंडिया का काम है कि वह किसी काम को कैसे चलाये?

श्री जगदीश नेहरा : जो एनसीलियरी इंडस्ट्रीज लगेगी, क्या उनके लिये कोई प्रोपोजल बनायी गयी है कि वे कब तक लगा दी जायेंगी त

श्री बसी लाल : पहले यह प्रोजैक्ट बनेगा तब ही एनमीलियरी इंडस्ट्रीज लगेंगी । इस समय तो यह सवाल ही पैदा नहीं होता ।

Issuanee of Identity Cards to Voters

***1178. Shri Jagdish Nehra : Will** the Minister for irrigation and Power be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to issue identity cards to the voters in the State ; if so, the time by which such identity cards are likely to be issued ?

Irrigation and Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) No, Sir.

श्री जगदीश नेहरा : अध्यक्ष महोदय, मैं जानना चाहूंगा कि आइडैटंटी कार्डज क्यों नहीं जारी किये जा रहे?

श्री अध्यक्ष : लोगों पर एतबार है । (हंसी)

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : यह एक्सपैरीमैंट पहले सिक्किम मे और एक दूसरी स्टेट में वोटर्ज पर किया गया था जोकि लिमिटिड बेसिज पर था और 1981 से पहले यह फैसला भी हुआ था कि यहां पर भी कुछ कांस्टीच्यूएंसीज मैं इस एक्मपैरीनैंट को करके देखेगे । लेकिन उनके वाद मिनिस्ट्री औफ ला गवर्नमेंट ओफ इंडिया से एक चिट्ठी आ गयी। They intimated vide their letter No. G. 27031(15)/80-B&A, dated 2nd April, 1981 that after careful consideration, the Government of India, felt that having regard to the present tight economic position of the country and also in the light of the emerging pictures of resources for the Sixth Five Year Plan, it would not be possible to take any additional burden. The Government of India, therefore, decided to postpone the scheme for better times.

श्री जगदीश नेहरा : अध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में अर्ज करना चाहूंगा कि यदि वोटरों के लिये आइडैटंटी कार्ड बन जायेगे तो उससे एक तो जो बोगस वोटिंग होती है, वह नहीं होगी, दूसरे सारी स्टेट में इस बात की आइडैटिफिकेशन हो जायेगी कि कौन–कौन से आदमी वोटर्ज हैं और तीसरे जितने भी आईडैंटिटी कार्डज इशू होंगे, उसी हिसाब से वोटिंग होगी और उससे वोटे भी ठीक डल सकती हैं । इसलिये मेरा अनुरोध है कि हरियाणा सरकार इस बात के लिये अगर चाहे तो कुछ कर सकती है । इसमें कोई ज्यादा खर्च की बात नहीं है । इसलिये क्यों नहीं हरियाणा सरकार इस बात के बारे में ध्यान देती?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, पार्लियामैंट के और असैम्बली के चुनाव की सुप्रिन्टैडैन्स और कन्ट्रोल, सारा इलैक्शन कमिशन करता है । यह कांस्टी– व्यूशन के हिसाब से है । हरियाणा सरकार डायरैक्ट इसके लिये कुछ नहीं कर सकती । जब भी इस बारे में चुनाव आयोग कोई फैसला करता है तो हमें उसमें कांट्रीव्यूशन देना पड़ता है । अगर इस बारे में कोई प्रोपोजल आयेगी तो हम सोच लेंगे । हरियाणा सरकार अपने लैवल पर इस बारे में कोई निर्णय लेने में सक्षम नहीं है ।

श्री भले राम : स्पीकर साहब, आईडैटिटी कार्डज ईशू करने की बात बिल्कुल ठीक है । इसमें ज्यादा खर्चा भी नहीं आता है । इसलिए सरकार को इस बारे में कुछ न कुछ विचार करना चाहिये । हमारी स्टेट में कुछ जिले ऐसे हैं जहां पर लोक दल के भाई बूथ कैपचरिंग करते हैं । अगर ऐसा इन्तजाम हो जाये तो किसी हद तक इस समस्या का हल हो सकता है ।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, बूथ कैपचरिंग को रोकने के लिये आइडैंटिटी कार्डज काम नहीं आयेंगे । जहां पर लोग बूथ कैपचरिंग करते हैं, वहां लोगों में जागृति चाहिये, आइडेंटिटी कार्डज उसको नहीं बचा सकते । इसका इससे कोई सरोकार नहीं है ।

चौधरी कुन्दन लाल : स्पीकर साहब, अकसर लोकदल के भाई उनको धमकी देते हैं कि अगर आप वोट डालने के लिये आए तो हम आपको गांव में नहीं बसने दैंगे । इस दर के मारे गरीब, वीकर सैक्शन्ज के भाई भाग जाते हें । अगर इन गरीब वोटर्ज का कार्ड वन जाए तो इससे बोगस वोट की रोकथाम हो सकती है । इसलिए आइडैंटिटी कार्ड बनाना बहुत जरूरी है । परिणामस्वरूप बोगस वोट नहीं भुगतेंगे ।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों हरियाणा सरकार ने इलैक्शन कमिशन को लिखा था कि जो बीमार सैक्शन्ज हैं और खास तौर पर जो हरिजन्ज हैं, उनके तिये सैपरेट बूथ्स बनाने का जो प्रोवीजन है, उसके तहत वहां पर जो स्टाफ लगाया जाये, चाहे वह चुनाव अधिकारी हों या चुनाव कर्मचारी हों, वे वीकर सैक्शन्ज के हों ताकि जो लोग वोट डालने जायें, वे किसी तरह से उनको देखकर घबरायें नही । कई दफा तो स्टाफ के लोग भी अगर साईड लेने वाले हों तो उन लोगों के लिये बड़ी मुश्किल हो जाती है । उनके दिल और दिमाग में बड़ा आतंक पैदा हो जाता है । इस बात के लिये चुनाव आयोग ने सारी पार्टीज के साथ एक आल इंडिया लैवल पर डिस्कशन करने के लिये मीटिंग बुलायी । बाकी सारी पार्टियां तो इस बात से सहमत थीं कि सारा स्टाफ ऐसी जगहो पर शिड्यूल्ड कास्ट्स का यानी वीकर सैक्शन्ज का लगाया जाये लेकिन लोक दल ने टन बात पर बड़ी भारी मुखालफित की । यह तो चोर की दाढ़ी में

तिनके वाली वात थी । चुनाव आयोग ने यह निर्णय किया कि वहां पर जो सवसे वड़ा अधिकारी हागा, वह शिड्यूल्ड कास्ट्स से ताल्लुक रखता होगा और बाकी के दूसरे कर्मचारी या अधिकारी शिड्यूल्ड कास्ट्स के भी हो सकते हैं या दूसरे भी हो सकते हए ।

श्री जगदीश नेहरा : स्पीकर साहब, ऐसे बहुत से वोटर है जिन्होंने चार–चार जगह पर अपनी वोट बनवाई हुई हैं । दूसरी बात यह है कि हरियाणा में पर्दा सिस्टम है । अगर आइडैन्टिटी कार्ड बन जाएगे तो उन लेडीज के फोटो खिचेगे और उनको खुशी होगी कि उनके फोटो खीचे गए हैं और इस तरह से पर्दा सिस्टम खत्म हो जाएगा । क्या मन्त्री महोदय इन दोनों बातों पर विचार करके आइडैन्टिटी कार्ड इशू करवाने पर विचार करेंगे?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, जहां तक एक–एक आदमी का चार–चार जगह पर वोट बनवाने का सवाल है इसके लिए इलैक्शन ला है, रूल्ज बने हुए हैं और कोई भी आदमी ला के अन्डर एक जगह से दूसरी जगह पर अपनी वोट नहीं बनवा सकता । जहां तक पर्दा सिस्टम खत्म होने का सवाल है मुझे तो समझ नहीं आता कि आइडैन्टिटी कार्ड इशू होने से पर्दा सिस्टम कैसे खत्म हो जाएगा । पर्दा सिस्टम एक बुराई है और यह खत्म होनी ही चाहिए ।

Construction of Uttawar Polytecnic

***1189. Chaudhri Azmat Khan :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to start a polytechnic at Uttawar in district Faridabad; if so, the time by when its construction is likely to be started/completed?

Chief Minister (Shri Bansi Lal) : Yes. The construction work will be started/completed on availability of sufficient funds.

चौधरी अजमल खां : स्पीकर साहब, पहले मुख्य मन्त्री ने इस कालिज की फाउन्डेशन स्टोन रखने की तारीख 10 जून, 1986 रखी थी लेकिन बाद में पता चला कि फण्डज अवेलेबल नहीं हैं । अब तक इसके लिए फण्डज मित्र जाने चाहिए थे । अगर फण्डज नहीं मिले हैं तो मेरा कम से कम यह निवेदन जरूर है कि इस कालिज की चारदीवारी खीचने का काम शुरू कर दिया जाए जिससे लोगों को यह उम्मीद हो जाए कि कालिज जरूर बनेगा । क्या मुख्य मन्त्री जी चारदीवारी बनाने के बारे में विचार करेंगे?

श्री बंसी लाल : स्पीकर साहब, इस इन्स्टीच्यूशन के लिए गवर्नमैंट ने सातवे प्लान में पचास हजार रुपया प्रोपोज किया था और करैन्ट ईयर मे इसके लिए दस हजार रुपए का प्रावधान किया था इससे फाउन्डेशन स्टोन रखकर क्या फायदा होगा ? जय पैसा अवेलेबल होगा तब इसका फाउंडेशन स्टोन रखेंगे । इससे पहले रखने का कोई' फायदा नही होगा ।

चौधरी अजमल खां : स्पीकर साहब, ऐसे जरूरी काम के लिए कहीं न कहीं से पैसा निकाला जा सकता है । सप्लीमैन्टरी एस्टीमेट्स के जरिए पैसा मांगा जा सकता है । यह रूरल एरिया में कालिज शै इसका बनाया जाना बहुत जरूरी है । क्या मुख्य मन्त्री महोदय इसके लिए दो–तीन लाख रुपए का कहीं से प्रावधान करने की कृपा करेंगे?

श्री बंसी लाल : स्पीकर साहब, पैसा तो प्लान से आता है और हाउस पैसा मन्जूर करता है हाउस ने मन्जूर ही इतना पैसा किया तो मैं क्या कर सकता हूं?

श्री निहाल सिंह : स्पीकर साहब, डिपार्टमैंट की तरफ से गांवों में चिट्ठियां जाती है कि अगर आप जमीन दे दो तो हम इंडस्ट्रियल टेरनिग इंस्टीच्यूशन खोल देंगे । अगर पैसा सरकार के पास नहीं है, तो गांवों में चिट्ठी कैसे जाती है?

श्री बंसी लाल : राव साहब, किसी विशेष गांव की मिसाल दे दें और मुझे चिट्ठी दिखा दें । मैं देखूंगा कि चिट्ठी कैसे गई है ।

चौधरी लीला कृष्ण : स्पीकर साहब, पिछले मुख्य मन्त्री जी ने फतेहाबाद मे पिछले सात आई ० टी ० आई० खोलने के लिए कहा था और इसका थोड़ा बहुत प्रोसैस भी शुरू हो गया । क्या मुख्य मन्त्री महोदय इसको परस्यू करके फतेहाबाद में आई० टी ० आई ० खुलवाएंगे ?

श्री बसी लाल : इस पर विचार किया जाएगा ।

Writing off of the Lining Charges

***1195. Seth Ram Dass Dhamija :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether any decision has been taken by the Government to write off the dues pertaining to the lining charges of water courses in the state; if so, the number of beneficiaries togetherwith the amount of benefit accrued to them?

Irrigation and Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) : Yes, Sir. The 'Government took a decision to waive the dues of lining of water courses in the State. The amount is Rs. 113 crores and the number of beneficiaries is approximately 2,40,000.

सेठ राम दास धमीजा : स्पीकर साहव, सरकार ने वाटर कोर्सिज पक्का करने की मद में 113 करोड़ रुपया माफ किया है जिससे 2,30,000 लोगों को फायदा होगा । इसके लिए हरियाणा सरकार का वहुत धन्यवाद । सरकार ने जो मालिया माफ किया है उसका फायदा 5 लाख 74 हजार 9 सौ आदमियों को हीगा इसके लिए भी सरकार का बहुत–बहुत धन्यवाद । क्या मन्त्री महोदय वताने की कृपा करेंगे कि डस सारे बोझ को हरियाणा सरकार बर्दाश्त करेगी या वर्ल्ड बैक बर्दाश्त करेगा?

चौधरी शमशेर सिंह सूरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैम्बर्ज को भी और दूसरे. लोगों को भी यह गल्तफहमी है कि वर्ल्ड बैंक कोई ऐसा अदायरा है जहां से मुफ्त में पैसा मिलता है

। लोग समझते हैं कि जहां वर्ल्ड बैक का नाम आ गया वहां हमारी सरकार का कोई पैसा खर्च नहीं होता । स्पीकर साहव, वर्ल्ड – बैक दूसरे बैक्स की तरह ही एक बैंक है । जैसे पंजाब नेशनल बैंक है या दूसरे बैंक हैं उसी तरह का यह बैंक है । यह एक इंटरनेशनल बैक है । कोई प्रोजैक्ट अगर वर्ल्ड बैक के साथ टाई–अप होता है तो वह लोन देता' है और वह लोन ब्याज समेत उसको वापिस करना पड़ता के हरियाणा सरकार हम बोझ को अपने खजाने से बर्दाश्त करेगी । मुख्य मन्त्री जी ने गुड़गांव में इस माफी का म्लान किया था और यह इस वात को ध्यान मैं रखकर किया था कि इस साल कहत पड गया है और किसान बहुत ज्यादा सूखे के नीचे दब गया है. और इस मद में काफी पैसा ऐक्युम्यूलेट हो गया है । स्पीकर साहब, हरियाणा सरकार अपने खजाने से इसको बर्दाश्त करेगी ।

श्री निहाल सिंह : क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि सरकार ने जो 113 करोड़ रुपया माफ किया है उसकी डिस्ट्रिक्टवाइज ब्रेक–आर क्या है और बिना डिस्ट्रिक्ट में सब से कम माफ हुआ है, क्या उसको किसी और तरह से कम्पनसेट करने का सरकार का इरादा है?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, कम्पनसेट तो वहां किया जाता है जहां कुछ नुक्सान हो गया हो । नुक्सान तो उनका हुआ नही । अगर यह कहे कि हर डिस्ट्रिक्ट के लिए ऐट–पार माफी हो या कम्पेन्सेशन दिया जाये तो यह मुमकिन

नहीं हो सकता । इनके जिले में लिफ्ट कैनाल बनी ' हुई' है, उस पर करोड़ों रुपया खर्च हुआ है जबकि अम्बाला जिले में कोई नहर नही बनी । जहां–जहां लोगो की जरूरत होती है, सरकार उसको देखकर पूरा करती है । डिस्ट्रिक्टवाईज लाइनिंग चार्जिज को राइट आफ करने का ब्रेक–अप इस प्रकार है हिसार में 24 करोड रुपए की माफी, सिरसा में 24.3 करोड की माफी, भिवानी में 20.5 करोड़ की माफी, जींद में 10 करोड़ की माफी, रोहतक में 8.2 करोड़ की माफी, सोनीपत में 7 करोड़ की माफी, करनाल में 3. 5 करोड़ की माफी, कुरुक्षेत्र में 3 5 करोड़ की माफी औंर फरीदाबाद तथा गुड़गांव में 1– 1 करोड़ की माफी है ।

चौधरी इन्द्र सिंह नैन : क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि अब तक कितने किलोमीटर वाटर कोर्सिज लाइन्ड हो चुके कुंए और उनकी परसैन्टेज क्या है?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, अब तक 3,683 किलोमीटर वाटर कोर्सिज लाइन्ड हो चुके हैं और जो वाटर कोर्सिज लाइन्ड हो चुके हैं यह 40 से 50 परसैन्टेज बनती है ।

श्री अध्यक्ष : जो वाटर कोर्सिज बने हैं उनमें से कई डैमेज हो गए हैं और उनमें से पानी बाहर निकलता है । क्या उनको भी ठीक किया जाएगा और उसका खर्चा माफ किया जाएगा?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, जो माफ किया है उसमें रिपेयर का खर्चा भी माफ हो गया है ।

श्री अध्यक्ष : फ्यूचर में क्या इरादा है?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, जो वाटर कोर्सिज खराब हो गए हैं वे किसी टैक्नीकल गल्ती की वजह से डेमेज हो गए हैं । एम ० आई ० टी ० सी ० के किसी इंजीनियर से अगर कहीं कोई गल्ती हो जाती थी तो वह उस गल्ती पर स्टिक करता था । इस बात को ध्यान में रखते हुए एक डेढ साल पहले हमने एम ० आई ० टी० सी ० में अलग डिविजन बनाया है जिसका नाम रिपेयर डिविजन रखा गया है । आगे के लिए सरकार का जो लाइनिंग का प्रोग्राम होगा उसके साथ रिपेयर का भी प्रोग्राम होगा ।

चौधरी लीला कृष्ण : स्पीकर साहब, फतेहाबाद डिस्ट्रिव्यूटरी एक बहुत बड़ी डस्ट्रीब्यूटरी है । उसकी लाईनिग का काम शुरू हुआ था और अव वह काम बन्द हो चुका है । क्या सरकार यह काम दोबारा आरम्भ करवाएगी? दूसरा क्वैश्चन मेरा यह है कि हमारा मेन्टीनैन्स डिवीजन भी तोड़ दिया गया है । क्या उसको दोबारा रिवाईव करने की सरकार कृपा करेगी? और ये लाइनिंग की बात कर रहे हैं । मोटी बात तो पालिसी की होती है जो याद भी रग्बी जा सकती है । जहां तक इनके दूसरे सवाल का सम्बन्ध है, अगर आनरेबल मैम्बर इस बारे में कोई बात हमारे

नोटिस में लाएंगे और वह उचित होगी' तो सरकार अवश्य ही उसको करवाने का प्रयत्न करेगी । ।

श्री अमर सिंह : स्पीकर साहब, सवाल के जवाब में मिनिस्टर साहब ने बताया है कि सरकार ने 113 करोड़ रुपये पक्के खालों की राशि की अदायगी की माफी कर दी है और इससे 2 लाख 40 हजार आदमियों को फायदा हुआ है । क्या मन्दी महोदय बताएंगे कि यह राशि लोगों की तरफ कब से बकाया थी? दूसरा मेरा सवाल है कि जब जनता पार्टी की सरकार आयी थी तो क्या उसने इस राशि को माफ करने की बात की थी, अगर नहीं की थी तो उसके क्या कारण थे? तीसरा मेरा सवाल यह हे कि भिवानी जिले में केवल 20 करोड़ रुपये के खर्च से खाल पक्के किये गये थे जबकि हिसार और सिरसा जिलों में इससे 3–4 गुणा ज्यादा पैसा खर्च करके खाल बनाए गये थे और भिवानी में खाल बनने अब भी बकाया हैं, क्या उनको पक्का करवाने का सरकार का कोई इरादा है?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, यह रुपया कब से बकाया था, यह तो अलग–अलग जगहों और स्टेजिज की बात है । कहीं से रुपया आ गया था और कहीं बकाया था । इसकी कोई निश्चित तारीख नहीं है । जहां तक कुछ जिलों में ज्यादा खाल पक्के बनाने और कुछ जिलों में कम खाल पक्के बनाने का सवाल है, वह तो उन फिग्गर्ज से जाहिर है जो मैंने अभी दी हैं । पीछे जो सरकार 1977 से 1979 तक रही,

उन्होंने एक पैसा भी किसी का माफ नहीं किया था । कांग्रेस की सरकार आने के बाद ही 2.5 एकड़ तक का 50 परसैन्ट पैसा ही माफ किया था और टोटल एकड़ का अब इस चौधरी बंसी लाल जी की सरकार ने माफ किया है । जहां तक वाटर–कोर्सिज पक्के बनाने का सवाल हैय यह स्कीम व्यापक पालिसी निर्धारण करने की है और यह सरकार के विचाराधीन है । लेकिन मैं यह बताना चाहता हूं कि जो सरकार के तरक्की के काम हैं, चाहे वे वाटर कोर्सिज से सम्बन्धित हैं, चाहे दूसरे हैं, वे छोड़े नहीं जाएंगे और सरकार उनको बन्द करने वाली नहीं है । सरकार तरक्की के कार्य करती ही जाएगी ।

श्री जगदीश नेहरा : ये जो वाटर कोर्सिज के डयूज माफ किये गये हैं इसके लिये मुख्य मन्त्री महोदय तो बधाई के पात है ही और इससे काग्रेंस पार्टी की इमेज भी बढ़ी है । मैं मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि जो खाल 197 4–1975 में बने थे, उनकी पेमैन्ट तो किसानों द्वारा कर दी गई लेकिन उस समय जो रकबा पीछे रह गया था उस रकबे के आखिर तक पक्के खाल नहीं बनाये गये थे । अब जो बने हैं, वे आखिर तक. बने हैं और उनका ही खर्चा माफ किया है । जो लाल पहले बने थे उनको तेल तक बनाने की सरकार की कोई स्कीम है या नहीं?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : जो वाटर कोर्सिज आज से 1 ०– 15 साल पहले बनकर तैयार हो चुके हैं और चालू

है, उनको फरदर एक्सटैन्ड करने का जो प्रोग्राम है, उसका ब्यौरा इस वक्त मेरे पास नहीं है । दूसरी बात यह है कि कैनाल ऐक्ट के तहत एम ० आई ० टी ० सी ० के जो कायदे हैं उनके अन्तर्गत कार कोई किसान वाटर कोर्सिज को एक्सटैन्ड करवाना चाहता है तो उसमें ऐसा प्रावधान है कि वह एक्सीअन, एस ० ई ० और चीफ इंजीनियर के फैसले के खिलाफ अपील में जा सकता है । ऐसे केसिज में सरकार किमी प्रकार का कोई दखल नही देगी ।

श्रीमती करतार देवी : स्पीकर सर, मिनिस्टर साहव ने जो ब्रेक अप हाउस मे बतायी है, उससे साफ जाहिर है कि रोहतक और सोनीपत जिलों में काम को देखते हुए बहुत कम पैसा खर्च किया गया शै । मिनिस्टर साहब बताएंगे कि क्या भविष्य में इन जिलों में खालो को पक्का करवाने के लिये प्रयारिटी दी जाएगी ?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, रोहतक में 8 करोड से ऊपर और सोनीपत में 7 करोड से ऊपर रुपया खर्च किया गया है और यह पैसा कम भी नहीं है । हिसार सिरसा और दू सरे कई जिलों का साईज बड़ा है और सब कुछ सिस्टम पर डिपैन्ड करता है । जहां पर भाखड़ा सिस्टम है, वहां च्कि पानी ज्यादा है, इसलिये वाटर कोर्सिज भी ज्यादा होंगे । रोहतक मे डब्ल्यू० जे ० सी ० का सिस्टम है 1 जैसे एस ० वाई ० एल ० का पानी आएगा तो उसका सिस्टम एक्सपैड हो जायेगा और वाटर कोर्सिज ज्यादा होंगे । अगर वाटर कोर्सिज की गिनती कम होगी तो नेचुरली पक्के होने वारने खालों की गिनती भी कम होगी ।

श्री सागर राम गुप्ता : स्पीकर साहब, मैं मन्त्री महोदय से एक इंफर्मेशन चाहता है । जहां तक मुझे मालूम हैं ये लाईनिग के प्रोजैक्ट्स स्टेट में वर्ल्ड–बैक के लोन से इम्पलीमैंट किये गये थे और उस लोन पर वर्ल्ड बैक ने यह कंडीशन लगायी थी कि बैनीफिशरीज से भी इस खर्चें का हिस्सा लिया जाएगा, सारा खर्चा सरकार नहीं करेगी । क्या हरियाणा सरकार ने यह खर्चा माफ करने से पहले वर्ल्ड–बैंक को अपने कान्फीडैन्स में ले लिया था ' दूसरी बात यह है कि क्या इस से हरियाणा सरकार के जो दूसरे डिवैल्पमैंट के प्रोजैक्ट्स है. जो वर्ल्ड बैंक की मदद से चल रहे है, या आगे आने वाले हैं, उन पर तो इस का अमर नहीं पड़ेगा!

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : 1983 में जब यी फेज शुरू हुआ, उससे पहले 80 परसैन्ट पैसा वर्ल्ड बैंक देता था और 20 परसैन्ट पैसा हरियाणा सरकार देती थी । यह एक पैटर्न था । 1983 में जब दूसरा फेज शुरू हुआ तो यह पैटर्न चेन्ज हो गया जिसके तहत वर्ल्ड बैक 80 परसैन्ट की बजाये 53 परसैन्ट पैसा देता था और हरियाणा सरकार बाकी का पैसा देती थी । जहा तक वर्ल्ड वैक से पूछने का सवाल है, इसमे वर्ल्ड बैक से हरियाणा सरकार को किसी तरह की पर– मिशन लेनें की आवश्यकता नहीं थी और न ह्वीं वर्ल्ड बैक के कारण किसी और प्रोजैक्ट को सैट बैक आयेगा । पंजाब के केस में भी वर्ल्ड बैक एग्री हो गया है । हम को भी एक पत्र आया था कि वे इस बात के लिये एग्री हो गये थे । हमें पूरी उम्मीद है कि आगे के लिये

कोई दिक्कत नही होगी और न ही किसी काम में कोई रुकावट ही आयेगी ।

श्री लछमन दास अरोड़ा : स्पीकर सर, मैं आपकी मारफत मिनिस्टर साहब से यी पूछना चाहता हूं कि जमीदारों ने जो पैसा भर दिया है, क्या सरकार उन जमीदारी को वह रकम वापिस देगी ?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : नहीं ।

श्री लछमन सिंह : अध्यक्ष महोदय, मिनिस्टर साहब अम्बाला के बारे में काफी मेहरबान हैं । अभी इन्हेंने कहा कि अम्बाला जिले में कोई नहर नहीं बनी । इसलिये वहां पर वाटर कोर्सिज की लाइनिंग चार्जिज को माफ करने का सवाल ही पैदा नही होता । तो मैं मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि अम्बाला जिले को किस और तरीके से कस्पन्सेट करेंगे? मिनिस्टर साहब को यी पता है कि अम्बाला जिले में ट्यूबवैल्ज से इरीगेशन होती है । ट्यूबवैल्ज से जो इरीगेशन होती है उसका आबियाना नहर के आबियाने से ज्यादा है । क्या सरकार वहां कम्पैन्सेशन के तौर पर ट्यूबवैल्ज का आबियाना–रेट गहरी पानी के आबियाने जितना चार्ज करेगी?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, अम्बाला में डायरैक्ट इरीगेशन ट्यूबवैल्ज थें, क्योंकि वहां कैनाल्ज नहीं हैं । वहां पर एम० आई० टी० मी० हारा जो ट्यूबवैल्ज लगाए हुए हैं,

उनका 10 पैसे, 12 पैसे पर यूनिट बिजली का खर्चा रिड्यूस किया था । जैसे जैसे गुंजाइश होगी, सरकार मदद करेगी । स्पीकर सर, आग भी फार्मर हैं, आप अच्छी प्रकार जानते है, और हाउस भी जानता है कि नहरी पानी के साथ जो प्राईवेट लोग अगने ट्यूबवैलज लगा कर इरीगेशन करते है वे –इसके ऐट–पार नहीं हो सकता । नहरी पानी का रेट सस्ता है उसके बराबर नही हो सकता ।

Taking over of Construction of S.Y.L. Canal by Central Government

***1203. Chaudhri Roshan Lal Arya :** Will the Minister for Irrigation and. Power be pleased to state whether the State Government have approached the Central Government to take over the construction of S.Y.L.' Canal in the Punjab territory in their own hands for its speedy completion; if so, with what results?

Irrigation and Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) : Yes Sir, the reply from Government of India is awaited.

चौधरी रोशन लाल आर्य : क्या मन्त्री जी बताएगे कि वे केन्द्रीय सरकार की रिपोर्ट का इन्तजार ही कर रहे हैं या कुछ प्रयास भी कर हैं, अगर प्रयत्न कर रहे. हैं तो वे क्या है ?

10.00 बजे ।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, वैस तो मैं और मुख्य मन्त्री जी पिछले दो दिनों में सवालों के जवाब के टाइम पर इस बारे में बार–बार वहुत कुछ कह चुके हें । मैं फिर बताता हूं कि नवम्वर के महीने में मुख्य मन्त्री जी ने– एक पत्र आदरणीय प्रधान मन्त्री जी को और पंजाब के मुख्य मन्त्री को लिखा है । जहां तक प्रयास करने की बात है, मुख्य मन्त्री जी व्यक्तिगत तौर पर भी उनसे कई बार मिले हैं । एडमिनिस्ट्रेटिव लैवल पर मौनिट्रिग कमेटी ने भी प्रयास किए हैं । गवर्नमैंट को पूरी उम्मीद है कि भारत सरकार हमारी रिकवैस्ट को जरूर मानेगी ।

चौधरी इन्द्र सिंह नैन : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मेरे ख्याल से एस० वाई० एल० कैनाल हरियाणा टैरेटरी में 1980 में कम्पलीट हो गई थी । इसको चौधरी बंसी लाल जी ने वार फुटिंग पर काम करवा कर तैयार करवाया था । उस समय इसका बहुत अच्छा काम हुआ था और बहुत थोड़े पैसे में तैयार हुई थी । मैं जानना चाहता हूं कि उस समय इस पर कितना पैसा लगा था और इसकी लैंथ कितनी है? दूसरे जो पोरशन पंजाब में बनना है उसको अब तक न बनाने की वजह से उस पर कुल कितना पैसा लगेगा और हमें उस समय के हिसाब से कितना नुकसान हुआ?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : एस ० वाई० एल० का हरियाणा में 90 किलोमीटर का पोरशन है और उस पर 28 करोड़ रुपए के करीब खर्चा आया था । पंजाब में 121 किलोमीटर की

लैथ है जिस पर पुराने एस्टीमेट के हिसाब से 272 करोड रुपये खर्च आने थे । अब रिवाइज्ड एस्टीमेटस के हिसाब से पंजाब सरकार 300 करोड़ रुपये कहना चाहती है जिसको हम डिस्पयूट करते हैं । यदि यह कैनाल 1977 से 1979 तक, जब जनता पार्टी की सरकार थी और चौधरी देवी लारव उसके मुख्य मन्त्री थे, बन जाती तो इस पर केवल 45 करोड़ रुपए खर्च होने थे ।

श्री सागर राम गुप्ता : स्पीकर साहब, पंजाब एकोर्ड के अनुसार यह नहर पंजाब की टैरेटरी में 15 अगस्त, 1986 तक तैयार होनी थी जोकि नहीं हइ । जैसे कि आप जानते हैं कि यह नहर नखुदने से हरियाणा को बहुत नुकसान हो रहा है, खास तौर से एग्रीकल्चर साइड में । क्या सरकार ने कोई एस्टीमेटस बनाए है कि 15–8–86 को यह नहर न बनने की वजह से कितने करोड़ रुपए का नुकसान हर महीने हमें हो रहा है? क्या सरकार यह इरादा रखती है कि जो नुकसान हो रहा है उसकी केन्द्रीय सरकार या पंजाब सरकार से मांग की जाए?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, एक महीने में कितना नुकसान हो रहा है इसका अनुमान लगाने के लिए हमारे पास कोई कम्पयूटर वगैरह नहीं है लेकिन जब से यह नहर नहीं बनी है तब से हरियाणा सरकार को, लोगों को और प्रान्त को सैकड़ों करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है ।

श्री जगदीश नेहरा : स्पीकर साहब, मैं जानना चाहता हूं कि जब केन्द्रीय सरकार चम्बल वैली योजना को– टेक–अप कर सकती त् जिसका मध्य प्रदेश और राजस्थान के बीच डिस्प्यूट था, इनी तरह से महाराष्ट्र और गुजरात स्टेटें अलग अलग हुई, उनका मामला भी केन्द्रीय सरकार ने टेक–अप किया तो हरियाणा के साथ यह अन्याय क्यों हो रहा है?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, सैंटर हमारे साथ कोई अन्याय नही कर रहा है बल्कि प्रधान मन्त्री जी इस बात के लिये कीन हैं कि हरियाणा भी दूसरे प्रान्तों की तरह आगे बढ़े । वे हमारी पूरी मदद कर रहे है । भूतपूर्व प्रधान मन्त्री जी ने भी और वर्तमान प्रधान मन्त्री जी ने भी बार बार इन्टरवीन करके फैसले करवाए है । जहा तक दूसरी स्टेटस के प्रोजैक्टस को अंडरटेक करने की बात है, उनका मुझे पता नहीं कि गवर्नमैंट आफ इंडिया ने कितने रुपए दिए है । लेकिन हमारी इस बात के लिये माग है कि इस नहर पर जितना खर्च होगा वह दिल्ली की सरकार खर्च कर दे और बाद में जब पानी आ जाएगा, फसलें ज्यादा पैदा होगी और प्रान्त को फायदा पहुंचेगा तो किश्तों में वह पैसा हमारे से ले लें । इसके लिये हम प्रयास कर रहे हैं ।

श्री कंवल सिंह : क्या मन्त्री जी बताएंगे कि इस नहर के लिये पंजाब में कितना एरिया अन–एक्वायर्ड पड़ा है और उसकी एक्वीबीशन प्रोसीडिंग्ज की क्या पोजीशन है ?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, 32 एकड़ के करीब जमीन ऐसी है जो अभी फाइनली एक्वायर नहीं हुई है । उसके लिये सैकशन 4 और 6 के नोटिस हो चुके हैं । पंजाब वालों ने प्रोमिस किया था कि इसमें से 4 एकड़ जमीन को छोड़ कर बाकी की जमीन 15 नवम्बर तक एक्वायर कर लेंगे और जो चार एकड़ जमीन है वह 15 दिसम्बर तक कर लेंगे ।

चौधरी लीला कृष्ण : स्पीकर साहब, सभी जानते है कि एस० वाई० एल ० कैनाल हमारी फयूचर लाइफ लाइन है और इसका न बनना बड़ा घातक सिद्ध हो रहा है । क्या इस बात पर विचार किया जाएगा कि हम सारे एम० एल० एज० आदरणीय प्रधान मन्त्री जी से मिलें और उनको रिकवैस्ट करें कि इम को जल्दी बनाया जाए?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : इस बात की कोई जरूरत नही है । हमारे मुख्य मन्त्री जी पहले ही बहुत जोर और लगन से इस मामले को टेक–अप कर रहे हैं । हमें उम्मीद है कि हरियाणा को न्याय मिलेगा ।

श्रीमती करतार देवी : स्पीकर साहब, माननीय मन्त्री जी ने कल भी इस बारे में काफी रोशनी डाली थो । यह नहर हमारी लाईफ लाईन है लेकिन इस पर काम तेजी से नही हो रहा है । हमारे कुछ अपोजीशन के भाइयो ने नहर पर मौके पर जाने का दावा किया और ऐसी स्टेटमैंट दी कि वहां पर बड़ी तेजी से काम

हो रहा है । यद्धपि मन्त्री महोदय की ओर से इसकी कन्ट्राडिक्टरी स्टेटमैंट आ गई थी कि हरियाणा सरकार काम की इस धीमी प्रगति से सन्तुष्ट नहीं हुँ फिर भी मैं जानना चाहती हूं कि अपोजीशन के भाइयों की इस स्टेटमैंट से केन्द्र सरकार और बरनाला सरकार पर तो कोई प्रभाव नही पड़ेगा । इस प्रभाव को हटाने के लिये सरकार क्या कर रही है?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, उनकी स्टेटमैंट का दूसरों पर क्या प्रभाव पड़ा, उनके अन्दर की बात का तो हम पता नही लगा सकते । इससे यह कन्फयूजन जरूर हुआ है कि आया हरियाणा सरकार का जो स्टैड है वह अधिक है या कम है । इससे हमें सैट बैक तो पहुंचा है । इसको दूर करने के लिए हम क्या कर रहे है, इस बारे मे पहले भी बताया जा चुका है कि हमने तुरन्त इस वात का खंडन किया है कि यह गल्त बात है । हमने केन्द्रीय सरकार को बताया कि काम तेजी से नही हो रहा है, यह नहर जन 1987 तक कम्पलीट होनी चाहिए । यह बात चीफ मिनिस्टर साहब ने प्रधान मन्त्री जी को लिखी है ।

Setting up of a Sugar Mills at Gohana

***1167. Shri Bhalle Ram :** Will the Minister of State for Cooperation be pleased to refer to reply to Starred Question No. 842 answered on the 11th March, 1985, and state—

(a) whether any decision has so far been taken by the Central Government for the setting up of a Sugar Mills at

Gohana; and

(b) if so, the time by which the said Sugar Mills is likely to be set up?

सहकारिता राज्य मन्त्री (श्री प्यारा सिंह) :

(क) भारत सरकार द्वारा इस मामले में अभी तक कोई निर्णय नही लिया गया है ।

(ख) राज्य सरकार के लिये कोई समय बताना सम्भव नही हैं ।

श्री भले राम : स्पीकर साहब, जब मैं लोकदल से कांग्रेस पार्टी मे शामित हुआ तो उस समय गोहाना के अन्दर एक पब्लिक मीटिंग की गई थी । उन पब्लिक मीटिंग में लोगों ने यह मांग की थी कि गोहाना तहसील गन्ने का एरिया है इसलिये यहां यह कहा था कि मैं यहां पर एक शूगर मिल मंजूर करता हूं । मैं मन्त्री जी से यह जानना चाहता हू कि आया एग्रीकल्चरल डिपार्टमैंट या कोआप्रेटिव डिपार्टमैंट ने यह केस रिकमैड करके भारत सरकार को भेजा है, अगर भेजा है तो उसकी क्या पोजीशन है?

श्री प्यारा सिंह : स्पीकर साहव, 27– 12– 1982 को सोसाइटी ने आर० सी ० एस० को एप्लीकेशन भेजी और हरियाणा सरकार ने 7– 3– 1983 को भारत सरकार को केस भेजा था । उसके बाद हरियाणा सरकार ने 13– 11– 1984, 3– 1– 1985,

21 – 2– 1985, 29– 3– 1986, 21– 2– 1986, 5– 5– 1986, 3– 7– 1986 और 23– 10– 1986 को रिमाइंडर भेजे लेकिन भारत सरकार की तरफ से कोई जवाब नही आया ।

श्री भले राम : स्पीकर साहब, ऐसा है कि पिछली वार पंजाब सरकार को भारत सरकार ने शूगर फिर लगाने के लिए तीन या चार लाइसैस दिए है लेकिन हरियाणा सरकार की तरफ से इतनी खतोखिताब होने के बावजूद भी कोई जवाब नहीं आया है । यह हो सकता है कि हरियाणा सरकार की तरफ से केस स्टरोगली रिकमैड करके नहीं होजा गया हो या वैसे ही चिट्ठी लिख दी गई हो । मैं आपके द्वारा मन्त्री जी से जानना चाहना हू कि क्या सरकार ने गोहाना में शूगर मिल लगाने के बारे में केंन्द्रीय सरकार के मन्त्री के माथ बैठ कर बातचीत की है अगर की है तो वह क्या है ?

श्री प्यारा सिंह : स्पीकर साहब, मैं इस बारे में कई वार कोशिश कर चुका हूं । पहले मुख्य मन्त्री भी काफी कोशिश करते रहे हैं । इस बारे में मैं आपको जानकारी देतो हूं । सोनीपत शूगर मिल में 49 लाख रुपए का नुकसान हुआ है । डसके साथ ही करनाल शूगर मिल मे थोड़ा नफा हुआ है । पानीपत शूगर मिल में जहां पर डिस्टलरी भी है, यहां पर भी पिछले साल 56 लाख रुपए का नुक्सान हुआ है और इम मात्र 30 लाख रुपए का नुक्सान हुआ है । जहां पर मिलों का यह हाल चल रहा हो नो मैं दिल्ली जा कर इस बारे में क्या बात करुं । भारत सरकार इसमे

काफी रियायत देती है काफी मदद करती है लेकिन मिल नुक्सान में चल रहे हो तो मैं उनसे किम मुहं से बात करूं ।

चौधरी इन्द्र सिंह नैन : स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मन्त्री जी मे जानना चाहता हूं कि हरियाणा को अन्दर जितने टोटल शुगर मिल हैं, उनमें से कितने प्रोफिट में चम रहे है और कितने नुक्सान में चल रहे हैं? दूसरा मेरा सवाल है कि अमाउन्ट आफ प्रोफिट एंड अमाउन्ट आफ लौस आफ ईच शूगर मिल कितना कितना है ?

श्री अध्यक्ष : वैसे यह सैपरेट क्वैश्चन है यदि मंत्री जी जवाब दे सकते है तो दे दें ।

श्री प्यारा सिंह : स्पीकर साहब, रोहतक शूगर मिल में 198 4– 85 में 58 लाख रुपए का नफा हुआ है और 198 5– 86 में 5 लाख रुपए का नफा हुआ है । सोनीपत शूगर मिल मे 198 न– 85 में 49 लाख रुपए का नुकसान हुआ है लेकिन 1985– 86 में पांच लाख रुपए का नफा हुआ है । शाहबाद शूगर मिल अभी नया चालू हुआ है । पलवल शूगर मिल में 388 लाख रुपए का नुक्सान हुआ है और इस साल 60 लाख रुपए का नुक्सान हुआ है । करनाल शूगर मिल मे 1984– 85 में 27 लाख रुपए का नफा है और 1985– 86 में 80 लाख रुपए का नफा है । पानीपत शूगर मिल में 1984– 85 में 56 लाख रुपए का नुक्सान है और 1985– 86 में 37 लाख रुपए का नुक्सान है ।

Supply of Water for Irrigation

***1179. Shri Jagdish Nehra :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether water for irrigation purposes is being supplied in Hissar and Sirsa districts on a preference rotation basis; and

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative whether the said rotation system is likely to be abolished on the availability of S.Y.L. Canal Water?

Irrigation and Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala)

(a) Yes, Sir.

(b) No.

श्री जगदीश नेहरा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि नहरों का जो रोटेशन सिस्टम किया गया है उससे परसैटेज आफ इरीगेशन का जो 62 परसैंट होना चाहिये क्या वह सिरसा जिले में घट कर 20 या 30 परसैट तो नहीं हो गया है?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, सिरसा जिले में भाखडा सिस्टम से जो एरिया सैराब होता है वह रोटेशन के हिसाब से सैराब होता हे रोटेशन के हिसाब से वहां पर 8 दिन कैनाल बंद रहती है और 16 दिन चलती रहती है । यह पूरे प्रान्त के रोटेशन सिस्टम से ज्यादा है, इन्कल्यूडिंग हिसार में जो

भाखड़ा कैनाल का सिस्टम है उससे भी ज्यादा है और सबसे ज्यादा देर तक सिरसा जिले को पानी मिलता है । बाकी दूसरी जगहों के लिये हमारा मापदण्ड परसैटेज आफ इरीगेशन 62 परसैंट है लेकिन सिरसा जिले में 100 परसैंट से ज्यादा इरीगेशन हुई है । हिसार जिले में जो एरिया भाखड़ा सिस्टम से इरीगेट होता है, उसमें 15 दिन कैनाल चलती है और 15 दिन बन्द रहती है । लेकिन सिरसा जिले में 8 दिन कैनाल बन्द रहती है और 16 दिन चलती है । बाकी जो जमना का एरिया है उसमें चार ग्रुपों में कैनाल चलती है । कई दफा 24 दिन के बाद कैनाल में पानी आता है । यदि ज्यादा पानी हो तो दूसरा ग्रुप या तीसरा ग्रुप चला देते हैं ।

श्री जगदीश नेहरा : स्पीकर साहब, मन्त्री जी ने जो कहा गै वह बिल्कुल ठीक नहीं है कि वहां पर 8 दिन नहर बन्द रहती है और 16 दिन चलती रहती है । स्थिति यह हे कि 16 दिन नहर बन्द रहती है और 8 दिन चलती है । अध्यक्ष महोदय, भाखडा कैनाल 1954 में बनी थी उस समय वहां पर कोई रोटेशन नहीं थी लेकिन अब रोटेशन हुई है । इसका क्या कारण है कि आज वहां पर किसान सफर कर रहे हैं पहले नहीं कर रहे थे?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, जब से सिरसा जिले को पानी मिला है तब से कभी भी रोटेशन कम नही हुई ।

श्री जगदीश नेहरा : स्पीकर साहब, 1954 से लेकर 1960 तक कोई रोटेशन नही थी । 1960 के बाद कौन सी नहर इससे आगमैंट की गई और क्या वजह है कि वहां पर रोटेशन हुई है?

चीधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, जिस वक्त कोई भी कैनाल सिस्टम नया डिवैल्प होता हे तो उस वक्त न चकबन्दी होती है, न वाराबन्दी होती है धीर न ही मोगाबन्दी होती है । किसान जितना चाहे नहर में उतना बड़ा मोगा लगा कर डायरैक्ट पानी ले सकता है क्योंकि जब तक पूरी डिस्ट्रीव्युटरी और माइनर्ज न हों और जब तक खेत चकबन्दी के ऊपर न आ जाएं, उस समय तक कुछ लोग फायदा उठाते हैं । जिनके खेत कैनाल के साथ साथ लगते हैं वे 24 घंटे पानी चलाते रहते हैं । जिस जिस एरिया में सारा सिस्टम डिवैल्प हो गया, एक एक चप्पा जमीन किसी न किसी चक पर है, किसी न किसी आउटलैट पर है तो नेचुरली पानी डिस्ट्रीब्यूट हो कर लोगो को मिलेगा और वह रोटेशन से ही मिल सकता है ।

चौधरी लीला कृष्ण : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से सिंचाई मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि जो रोटेशन प्रोपोज किया गया था, क्या वह सैट–परसैट इम्पलीमैंट हो रहा है ।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, यह ज्यादातर कैनाल वाटर सप्लाई पर डिपेंड करता है । लेकिन उसमें

और भी फैकटर हो सकते है । कोई नहर को कट कर लेता है और कोई रजवाहे को कट कर लेता है या कोई रुकावट पैदा कर देता है, अदरवाइज रोटेशन परमानैन्ट है और रोटेशन चेंज नहीं हो सकता ।

Repair of Gangwani Distributary

***1190. Chaudhri Azmat Khan :** Will the Minister for Irrigation **and** Power be pleased to state—

(a) the expenditure incurred on the construction of Gangwani Distributary of Gurgaon Canal and the year in which it was constructed ;

(b) the total expenditure incurred on the repairs of the said distributary during the period from 1980 to-date; and the total area irrigated by the said distributary?

Irrigation and Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) :

(a) An expenditure of Rs. 2.81 lacs has been incurred on the construction of Gangwani distributary. The exacavation work was started during 1976-77 and completed in 1977-78. However, the Masonry work took longer time and the work was completed by 1981-82.

(b) An expenditure of Rs. 1.48 lacs has been incurred on repairs of the channel from 1980 upto 10/86.

(c) Nil .

चौधरी अजमत खां : स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मन्नी जी से जानना चाहना हूं कि गगवानी डिस्ट्रीव्यूटरी बनाने पर कितना पैसा खर्च हुआ और उसके बाद इसकी रिपेयर पर कितना पैसा खर्च हुआ? इस नहर के पानीं से क्या किसी एक खेत की भी सिंचाई हो सकी है । अगर सिंचाई हुई है तो उससे सरकार को कितना रेवेन्यू मिला है ?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : इस नहर की सिंचाई से सरकार को कोई रेवेन्यू नहीं मिला ।

चौधरी अजमत खां : स्पीकर साहब, यह माइनर बनारसी डिस्ट्रीव्यूटरी से निकलती है । जब तक एस० कई ० एल० कैनाल नहीं बनती है या यू ० पी० बैराज काम करना शुरू नही करता है, तब तक पानी की बहुत ज्यादा दिक्कत रहेगी । हालांकि सिस्टम डिवैल्प हो चुका है । यह 19 क्यूसिकस कैपेसिटी की कैनाल है और 4० हजार फीट इसकी लम्बाई है । इस कैनाल के पूरे होने के वाद इस बात के प्रयत्न किए गए कि इसमें पानी चलाया जाए लेकिन यह ऐसे एरिया से गुजरती है जहां पर इसके दोनों किनारो पर मिट्टी के बड़े बडे टिब्बे हैं । जब हवा चलती है तो सैडवलो हो कर सारी मिट्टी इस कैनाल में भर जाती लैग । जन इसमें पानी चलाने की कोशिश की गई तो इसमें से मिट्टी बाहर निकाल कर इसकी रिपेयर की गई जिसके ऊपर लगभग 1 लाख 48 हजार रुपए खर्च हुए । लेकिन श्री कोशिश के बावजूद भी इसमें पानी नहीं चल सका । अल्टीमेटली महकमा इस नतीजे पर पहुंचा कि

उसको रीमौडल किया जाए और उसके किनारो से रेत के टिब्बे दूर दूर हटा कर किनारे चौड़े किए जाएं ताकि सैडबलो हो कर दोबारा रेत न भर जाए । पूरा पानी तब चलेगा जब एस० वाई० एल० का पानी आ जाएगा । अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री जी के नोटिस में यह बात लाना चाहता हूं कि यह बिल्कुल गलत बात है कि वहां पर टिब्बे हैं । यह भी गलत बात है कि वह नहर बैड्ज से नीची है वहां पर जमीन प्लेन शै । साल में यह पैसा खर्च नहीं हुआ बल्कि हर मात्र जितनी वह नहर बनाई उस गर खर्चा होता रहा है, यह आपके रिकार्ड से साबित हो सकता है । उसको रिमौडल करने की जरूरत नहीं है बल्कि –इस नहर की आगे से खुदाई की जरूरत है । पिछले साल उसकी कुछ खुदाई शुरू की थी उस पर जितना खर्चा आया उसी का नाम रिपेयर दे दिया और उसी को पहले कम्पलीट करके दिखा दिया । दूसरी तरफ उस नहर में अभी तक एक बूंद पानी भी डालने की कोशिश नहीं की गई । मैं मन्त्री जी से यह जानना चाहूंगा कि आग बेशक उस नहर को खुद मौके पर जा कर देखें अगर वहां पर डिपार्टमेंट के किसी आदमी ने नाजायज तौर पर रुपये खुर्द–बुर्द किए है तो उन के खिलाफ एक्शन लिया जाये ।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : जहा तक इस बात का सवाल है कि टोपोग्राफी क्या है और जो मैंने बताया है, वह ठीक नही है तो मैं मौका मिलते ही जाकर जरुर देखूंगा जिस किसी ने मुझे गलत बताया होगा उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही

की जायेगी । जहां तक इस बात का सवाल है कि यदि किसी आफिसर ने रुपया खुर्द–बुर्द किया है, उसकी जांच होनी चाहिए । मै माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि अब से पहले इस बारे में डिपार्टमैंट दो बार जांच करवा चुका है । उन दोनो जांच के कागज मैंने इस सवाल के लगने से पहरने आज देखे है । एक बार उन नहर की जांच जे० सी० वर्मा, जो ड्रेनैज के चीफ इन्जीनियर थे, ने की थी, वे महकमे के सबसे ईमानदार आफिसर माने जाते थे । अब वे रिटायर हो चुके हैं । महकमे मे जब भी कोई गड़बड़ होती थी तो उसके लिये या तो जे० सी० वर्मा को या फिर बी० एस० नट को जांच के लिए लगाया जाता था । उनसे इस नहर की जांच करवाई गई थी उससे पहले एस० पी० विजीलैन्स से भी जांच करवाई गई थी । दोनों ने जांच करके यह बताया था कि इतना रुपया खुर्द–बुर्द करने का सवाल ही नहीं है बल्कि वहां पर खर्च करके नहर को रिपेयर किया गया है ताकि पानी जा सके लेकिन अभी तक उस नहर. में पानी नही चला । पानी न चलने का कारण उन्होंने अपनी रिपोर्ट में बताया था । अगर वे कारण ठीक नही है तो मैं पता करके उनके खिलाफ अवश्य कार्यवाही करुंगा ।

चौधरी तैयब हुसैन : स्पीकर साहब, इस मे बहुत बड़ा घोटाला है । वहां पर टिब्बे वगैरा कुछ नहीं हैं बल्कि जमीन प्लेन है । इसके बावजूद भी यह बताया जा रहा है कि वहां की जमीन ठीक नहीं हैं । क्या यह सही नहो है कि कुछ ठेकेदार, सियासी

लोगों के और आफिसर्ज के रिश्तेदार टैं जिमकी वजह से आगे जाय नहीं की जा रही है?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, जो बात इन्होंने कही है इसके बारे में न तो मुझे इन्होंने कभी बताया है औंर न ही किसी ' दूसरे आदमी ने यह बात बताई कि कुछ ठेकेदार किसी सियासी या किसी गैर सियासी आदमी के रिश्तेदार हैं । इसमें बहुत बड़े घोटाले का सवाल इसलिये नहीं है क्योंकि वहां पर सवा लाख रुपये के करीब टोटल कोस्ट आई है । फिर भी चाहे टोटल कोस्ट 10 रुपये की आयी हो, वह सरकार का पैसा है । इस बारे मैं कोई बात चाहे हुसैन साहब बताएं या और कोई बताये, हम सख्त कार्यवाही करेंगे । इसमें किसी का लिहाज करने का कोई सवाल ही नहीं है ।

श्री अध्यक्ष : मैने भी वहां पर पर्सनली जाकर वह सिस्टम देखा था । इसके बारे में मुझे पूरी डिटेल में पता है ।

Enhancement/Withdrawal of Octroi

***1196. Seth Ram Dass Dhamija :** Will the Minister of State for Local Government be pleased to state whether octroi on various commodities was enhanced in the State during the current financial year; if so, whether any decision has been taken to withdraw the same?

Minister of State for Local Government (Shri A.C. Chaudhry) : No. There was a proposal to rationalize octroi; and a Notification was published in Haryana Government

Gazette (extra-ordinary) on 19th July, 1986, which on reconsideration, has since been rescinded.

सेठ राम दास धमीजा : स्पीकर साहब, जब सरकार की तरफ से 19–7– 1986 को गजट नोटिफिकेशन हुआ तब उससे व्यापारियों में बहुत भारी परेशानी पैदा हुई कि सरकार ने एकदम कई गुणा चूंगी कैसे बढ़ा दी फिर जब मुख्य मन्त्री जी ने यह एलान किया कि यह रोक दी गई है तो लोगों ने राहत महसूस की । एक और बात मैं अपने इस सवाल के साथ साथ यह भी पूछना चाहूंगा कि क्या अम्बाला छावनी और हरियाणा में महसूल अलग अलग हैं? अम्बाला शहर में देसी दवाई पर महसूल 2 रुपये 80 पैसे क्विटल है जबकि अम्बाला छावनी में यह महसूल 10. 50 रुपये है । पहले वहां पर कन्टोनमैंट बोर्ड था । कन्टोनमैंट बोर्ड वाला ही शिड्यूल अभी तक वहां पर चला आ रहा है । स्पीकर साहब, अम्बाला छावनी में हिन्दुस्तान की सबसे बड़ी साईंस इंडस्ट्री है । वहां पर जो माल बनता है उसका 90 प्रतिशत बाहर चला जाता है । इसी प्रकार से जो दूसरी अंग्रेजी दवाईयां बनती हैं, वे भी 90 प्रतिशत बाहर चली जाती हैं । इस बारे में मेरा सरकार से अनुरोध है कि लोगों को महसूल में राहत मिलनी चाहिए और हरियाणा के दूसरे लोगों से जो महसूल वसूल किया जा रहा है वही वहां के लोगों से वसूल किया जाये ।

श्री ए ० सी ० चौधरी : स्पीकर साहब, सरकार ने कभी भी कोई औकट्राय बढ़ाया नहीं है । दरअसल किसी किस्म की जो

डिस्पैरिटी किसी कमेटीज के रेट्स में आई थी या शिड्यूल में अन्तर आया था वह इसलिये था क्योंकि पुराना जो शिड्यूल था उसको रैशनेलाईज करने की परोपोजल सरकार ने दी थी । यह बिल्कुल गलत है कि कोई टैक्स बढाया गया है. । जब अपोजीशन के कुछ लोगों ने यह गलत– फहमी डाल दी तो सरकार ने बार–बार इस रात कौ वाजिब तौर पर कहा कि कोई टैक्स नहीं बढ़ाया गया और न ही बढ़ाया जा रहा है बल्कि इस बारे में तो लोगों से एक सुजेशन मांगी है कि ऐसा कर दिया जाये या नहीं । जहां तक अम्बाला की बात है, उसके बारे में बताना चाहूंगा कि अम्बाला चूंकि कन्टोनमैंट बोर्ड है, कन्टोनमैंट बोर्ड ने अपना अलग से शिड्यूल रखा था क्योंकि उसमें कुछ हिस्सा कन्टोनमैट बोर्ड को प्रि–रिक्वीजिट होता है । यह उस समय का वना हुआ है । अम्बाला के बारे में हम वहा के कन्टोनमैट बोर्ड से बात करके, जो भी लोगों के हित में निर्णय लिया जा सकेगा, वह लेंगे ।

श्री लछमन सिंह : स्पीकर साहब, अभी मन्त्री महोदय ने फरमाया है कि हमने एक परोपोजल रखी थी । मैं आपकी ' मार्फत मन्त्री जी से पूछनों चाहूंगा कि ऐसी परोपोजल जो लोगों को झिंझोड़ दे और जिससे लोगों मे एजिटेशन पैदा हो देते ही क्यों हें? मैंने इनकी पेस परोपोजल को देखा है । उसमें इन्होंने वाई वैल्यूएशन जो औक्ट्राय इन्क्रीज किया था उस हिसाब से जहा पहले एक रुपया लगता था, वहां पर इनकी परोपोजल के मुताबिक एक रुपयें की बजाये 100 रुपये बैठता था । इस बात से मिनिस्टर

साहव भी डिनार्ड नही करेगे । एक रुपये की जगह 100 रुपये लगे तो क्या यह एक जैनइन परोपोजल थी? ग्रेसी परोपोजल को डिपार्टमैंट ने गौर से क्यों नहीं देखा? मैं आपकी मार्फत इनसे कहना चाहूंगा कि आइन्दा जब वे अपने महकमे में इस किस्म की रैशनेलाईजेशन करने की सोचेंगे तो पब्लिक में उसको सर्कुलेट करने से पहले क्या डिपार्टमैंट से यह चौक–अप करवाएंगे कि इसमे इन्कम में बढ़ोतरी कितनी होती है? पोलिस्टर कपड़े को या और जो दूसरी कास्टली चीजें हैं, उनकी कीमत का पता लगा कर ओंकट्राय वसूल किया जाये जब मैंने इनकी इस परोपोजल को देखा तो मैंने खुद कैलकुलेट करके देखा था कि यह बहुत ज्यादा वढ़ाया जा रहा है । इस बात की इन्हें भी जानकारी थी । मेरे कहने का मतलब यह है कि क्या ये आयन्दा अपने आफिसर्ज को ऐसी परोपोजल बनाये जाने से गुरेज करेंगे जिससे लोगों के अन्दर घबराहट पैदा न हो?

श्री ए० सी ० चौधरी : स्पीकर साहब, यह नुमायन्दा सरकार है । जो परोपोजल हमने लोगों के सामने रखी थी उसमें पूरी डिटेल्ज थीं । यह औकट्राय सिस्टम आज से 70–72 साल पुराना है, उस समय मुलाजिमों की तनख्वाह भी 25–30 रुपये होती थी । इसके अलावा, पहली सरकार ने दो बार कमेटी मुकर्रर की थी । एक नागपाल कमेटी थी और दूसरी बता कमेटी थी । इन दोनों ही कमेटियों ने रैशनेलाईजेशन करने के लिये यह बात परोपोजल के तौर पर रखी थी । मैं आज भी पूरे विश्वास के

साथ कह सकता हूं कि हरियाणा में औकट्राय सारे हिन्दुस्तान से कम है और रैशनेलाईजेशन के बाद भी नार्दन स्टेटस में इनके बराबर न होता बल्कि कम ही रहता । लेकिन सरकार ने लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए उम परोपोजल को खत्म कर दिया । यह आम बात है कि जब भी कोई टैक्स लोगों की भलाई के लिए लगाया जाता है तो उससे लोगों में रिजैनमैंट आता है । मैंने पहले कहा कि यह नुमायन्दा सरकार है । मरकार को लोगों के हित की बात देखनी होती है, इसलिये लोगों के जजबात को छगन में रखते हुए उस परोपोजल को विदड्रा किया है । मैं हाउस के आवाम को अश्योर करता हूं कि हम पूरे तौर पर जागरुक हैं और ऐसी कोई परोपोजल नहीं आयेगी जिससे लोगों को कोई तकलीफ हो और वह स्कीम ना–वाजिब लगे ।

श्री जगदीश नेहरा : यह तो सरकार के लिए बधाई की बात है कि सरकार ने वह परोपोजल खत्म कर दी है । मैं मन्त्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि इसके बारे में पेपरों में बहुत ज्यादा बाते आई हैं । क्या ये तफसील में बताऐगे कि वे कौन–कौन सी आईटम्ज थीं, जिन पर यह टैक्स बढाना था ' दूसरा सवाल मैं यह पूछना चाहूंगा कि क्या सरकार की ऐसी कोई परोपोजल है कि यह औकट्राय खत्म किया जाये ।

श्री ए० सी० चौधरी : स्पीकर साहब, जहां तक औकट्राय बढ़ाने की बात है उसके बारे में मैंने पहले भी कहा है कि न तो कोई औकट्राय बढ़ाने की परोपोजल थी और न है ।

जो परोपोजल लोगों के सामने रखी थी उसके कई कारण थे । एक तो आज के दिन शिड्यूल. के बहुत ज्यादा मद बन गए थे जिससे औकट्राय मोहरर से भूल भी हो सकती थी । वह जानबूझकर गलती करके लोगों को नुकसान पहुंचा सकता था या ओकट्राय की वसूली में सरकार की मदद कर सकता था । मौजूदा परोपोजल में 150–175 मदों की बजाये केवल 57 मदें ही बनाई गई और साथ ही साथ इसमें जो कौमन कन्जम्पशन की चीजें गरीबों के लिए थीं, उसमें भी 84 ऐसी मदें थीं जिन पर औकट्राय माफ किया जाना था । एक बात बार बार कही जा चुकी है कि औकट्राय न तो बढ़ाने की बात है और न थी । जहां तक औकट्राय को खत्म करने की बात है उसके बारे में सरकार बाकायदा तेजी से सोच रही है । इसके लिए एक कमेटी मेरी अध्यक्षता में बनी है । इसके कमिश्नर एण्ड सैक्रेटरी फाइनैसं, कमीशनर एण्ड सैक्रेटरी एक्साईज एण्ड टैक्सेशन, कमिश्नर लोकल गवर्नमेंट और डायरैक्टर, लोकल वौडीज इस कमेटी के सदस्य है यह कमेटी इम बात को देखेगी कि जहां जहां गर ओकट्राय माफ किया गया है, वहां पर उसका क्या क्या री–प्रकशान हुआ है । साथ साथ यह भी नई प्रोपोजल पैसे को रीक्यूप करने की थी या कम्पनसेट करने की बात थी । बह किस हद तक वायबल है । यह रिपोर्ट आने पर हाउस में सबमिट कर दी जायेगी।

सेठ राम दास धमीजा : स्पीकर साहब, आपके माध्यम से मैं एक बात और मिनिस्टर साहब से पूछना चाहूंगा । पहले

औबट्राय वजन के हिसाब से लगा करता था लेकिन बात कीमत पर लगा दिया । यह बात वाजिब नहीं है । मान लो कोई चीज 6 माशे है और उसकी कीमत दो सौ रुपये है । वजन के हिसाब से उस पर कोई औकट्राय नही लगता लेकिन कीमत के हिसाव से उस पर 8 रुपये लग जाएगा । इससे चोरी ज्यादा होगी । हम चाहते हैं चोरी न हो, लोगों का इख्लाक न गिरे और सरकार की आमदनी भी बढ़े । स्पीकर साहब, 75 साल मे तो औकट्राय नही बढ़ाया गया लेकिन अब एकदम इतना बढ़ा दिया गया । मैं चाहता हू कि सरकार जब भी औकट्राय बढाए वजन पर बढ़ाए, कीमत पर न बढ़ाए ।

श्री ए० सी ० चौधरी : स्पीकर साहब, लोगों को तो इस बात के लिए आभार प्रकट करना चाहिये था लेकिन हमारे साथी कहते हैं कि इसे कुछ बढ़ा तो दें लेकिन थोड़ा थोड़ा बढ़ाए । सरकार फिलहाल इसको किसी तरह भी बढ़ा नही रही और जो प्रपोजल थी वह विदड्रा कर ली थी । लेकिन अगर आनरेबल मैम्बर चाहते है तो हम बात पर हम गौर कर लेंगे ।

Mr. Speaker : Question Hour is over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्रश्न का लिखित उत्तर

Construction of Yamuna Hydel Project, Bhoond Kalan

***1204. Chaudhri Roshan Lal Arya :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) then time by which the construction of the Yamuna Hydel Project, Bhoond Kalan is likely to be completed ;

(b) whether any complaint regarding irregularities in the construction of the said project has been received ; and

(c) if so, whether any persons have been found guilty in this respect and the action, if any, taken against them ?

Irrigation and Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) :

(a) Construction of Western Yamuna Canal Hydel Project Stage-I (3 Power Plants of 16 MW each) is scheduled for completion during 1988-89. However, Stage-II of the Project is yet to be cleared by the Government of India.

(b) Yes, Sir.

(c) The report Of the departmental enquiry conducted against officers has been received recently by the Board and is presently under examination. Action against the officers will be taken by the Board, if found guilty.

तारांकित प्रश्न सं ख्यां 1176 पर सिंचाई तथा बिजली मंत्री द्वारा स्पष्टीकरण

सिंचाई तथा बिजली मन्त्री (चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला) : स्पीकर साहब, कल आपने एक (ये' सवाल के बारे

में एक आबजर्वेशन की थी और मैंने बाद मे पोजिशन स्पष्ट करने के लिये कहा था । अगर आप इजाजत दें तो मैं अर्ज कर दू ।

श्री अध्यक्ष : कौन सा सवाल था?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : संगरौली गिरि बाता लाईन के बारे में था ।

श्री अध्यक्ष : ठीक है ।

Chaudhri Shamsher Singh Surjewala : Sir, Our present share is about 10 lakhs units a day but U.P. and Delhi (DESU) overutilize their share and, therefore, we get only 5 to 6 lakhs units a day and that is being fully utilised, It is not that we cannot take more power, only U.P. and DESU don't allow it to come.. यह बिजली हमें यू ० पी० के सिस्टम के थ्रू आ रही है । यमुनानगर के नजदीक खेड़ा में बी ० बी० एम० बी० का स्टेशन है । यह 45/60 एम० वी ० ए०, 13/ 66 के०वी० कैपेसिटी का है । इसके थ्रू हम न सिर्फ जगाधरी और यमुनानगर के दोनो टाऊन्ज को फीड कर रहे हैं बल्कि छछरौली, नारायणगढ़, मुस्तफाबाद और रादौर आदि के एरियाज को भी अवेलेबिलिटी के अनुसार बिजली दे रहे हैं । जितनी बिजली हमें मिल रही है उसे पूरा इस्तेमाल कर रहे हैं । हम और बिजली भी इस्तेमाल कर सकते हैं लेकिन हमें 10 लाख यूनिटस के अगैन्सट 6 लाख यूनिटस मिलती है । अल्टीमेटली इस विजली को हमने लेना है । अभी यू ० पी० में मुरादनगर पावर स्टेशन कुछ

टैक्निकल प्रौब्लम्ज की वजह से ऐनरजाइज नहीं हुआ है । जब ऐनराजाइज हो जाएगा तब हम अपना पूरा शेयर लेगे । स्पीकर साहब, जहां तक बाकी एरियाज को बिजली ऐक्सटैडं करने की बात है, जैसे–जैसे हमें और बिजली मिलेगी, अम्बाला या कुरुक्षेत्र के किसी एरिया को हम दे सकते हैं या नहीं, इस बात को देखा जाएगा । उसके लिए अभी हमारा सिस्टम इन्टर–कनैक्टिड नहीं है । अगर सिस्टम इन्टर–कनैक्ट करके बिजली दे सकते होंगे तो उसके लिये उपाय करेंगे ।

विभिन्न विषयों का उठाया जाना

(1) काश्त के लिए भूमिजोत की सीमा कम करने सम्बन्धी

चौधरी रोशन लाल आर्य : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से राजस्व मन्त्री महोदय से एक बात जानना चाहूंगा । आज सारे प्रदेश में कुछ लोग बड़ी अफवाह फैला रहे हैं कि कृषि की जोत की अधिकतम सीमा 18 स्टैंडर्ड एकड़ से घटाकर 12 स्टैडर्ड एकड की जा रही है । मैं मन्त्री महोदय से यह बात जानना चाहता हूं कि क्या यह बात सत्य है या नहीं?

राजस्व राज्य मन्त्री (श्री निर्मल सिंह) : यह सरासर गलत बाते है । यह कुछ लोगों ने अफवाह उड़ाई लगती है । यह बात न तो सत्य है और न ही ऐसी कोई प्रपोजल है ।

(2) किसानों को दिये गये लाभ के साथ –साथ समाज के अन्य वर्गों को रियायते/सहायता देने सम्बन्धी.

श्री सागर राम गुप्ता : स्पीकर साहब, मैं पब्लिक इम्पोर्टेन्स का एक मैटर गवर्नमैंट के नोटिस में लाना चाहता हूं । हरियाणा सरकार ने हमारे प्रदेश में फार्मिग कम्युनिटी को लैन्ड रेवेन्यू और लाइनिंग चार्जिज वेव करके वड़ा अच्छा रिलीफ दिया है और हरियाणा की जनता ने इसके लिए हरियाणा सरकार की काफी तारीफ की है लेकिन आग जानते हैं कि हरियाणा की जनता का फार्मिग कम्युनिटी केवल एक हिस्सा है । यहां दूसरे लोग भी हैं । व्यापारी हैं, लैन्डलैस लोग है, बैकवर्ड क्लासिज के लोग हैं, लैन्डलैस हरिजन्ज हैं और सरकारी मुलाजिम हैं । मैं समझता हूं कि ये लोग भी इस बात का बडा इन्तजार कर रहे हैं कि हरियाणा सरकार हमें क्या राहत देती है । तो अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्य मन्त्री जी और सरकार से यह जानना चाहता हूं कि क्या दूसरे सैक्शन्ज औफ सोसाइटी को भी मुनासिब रिलीफ या रियायतें देने का कोई प्रावधान करेंगे?

मुख्य मन्त्री (श्री बंसी लाल) : स्पीकर साहब, पिछले 40 साल से हम बैकवर्ड क्लासिज को और शिड्यूल्ड कास्टम को ज्यादा प्रैफरैन्स देते आए हैं । यह पहला मौका है जब किसान को कुछ मिला है ।

श्री अध्यक्ष : इसके अलावा, एक पुरानी मिसाल मशहूर है ''किसान सुखी तो जहान सुखी '' । अगर किसान सुखी नही होगा तो दूसरे सारे लोग भी सुखी नहीं होंगे । चौधरी चरण सिंह

भी कहा करते हैं कि अगर गांव में किसान की खेती अच्छी है तो समझो कि इस इलाके का सुधार हो चुका है ।

सिंचाई तथा बिजली मन्त्री (चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला) : सर, गुप्ता जी की बात का वैसे तो मुख्य मन्त्री जी ने जवाब दे दिया है लेकिन मैं यह बात और ऐड करना चाहता हूं कि किसान को सरकार ने जो दोनों कंसैशन्ज दिए हैं ये किसी बिरादरी के बेसिज पर नहीं दिए हैं । किसान किसी एक बिरादरी के नहीं हैं । बैकवर्ड क्लासिज और शिड्यूल्ड कास्टस के भी बहुत से लोग ऐसे हें जो खेती का काम करते हैं । (विघ्न) यह बात दूसरी है कि उनके पास जमीन दूसरे लोगों के मुकाबले में कम

(3) किसानों को उद्योगों की भांति प्रोत्साहन तथा ऋण सुविधायें देने सम्बन्धी

चौधरी सुबे सिंह पुनिया : स्पीकर सर, किसानों को जो रियायते सरकार ने दी है उसकी सारी स्टेट में भूरी भूरी प्रशंसा की गई है । मैं तो पिछले सैशन मे भी कहता रहा हूं कि किसानो के जिन नौजवान लड़कों की रुचि खेती बाड़ी करने मे है उन्हें प्रोत्साहन दिया जाए । जो लड़के व्यापार करते है, इन्डस्ट्री लगाते हैं या कोई अन्य औद्योगिक काम करते णै, उनको सरकार काफी इंसैटिव्ज देती है । उनको जमीन खरीदने के लिए, बिल्डिग बनाने के लिए और मशीनरी आदि खरीदने के लिए कम डंट्रैस्ट पर लोन मिलता है लेकिन जब किसान का लड़का खेती बाडी का काम

करने के लिये, जिसमे उसकी रुचि है, जमीन खरीदना चाहता है और उसके लिए 30– 50 हजार रुपये का लोन लेना चाहता है तो उसे वह नही मिलता । उसे कोई अन्य रियायते भी नही मिलती । रजिस्ट्रेशन चार्जिज भी उसे 13 परसैन्ट देने पडते है । इसलिये मेरा सरकार से अनुरोध है कि जो नौजवान लड़के खेती बाड़ी के काम में रुचि रखते है, उस काम को अच्छी तरह से करके अपनी आमदनी बढ़ाना चाहते है अपना जीवन स्तर ऊंचा करना चाहते हैं उन नौजवानों को वही सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं जो उद्योग स्थापित करने वाले नौजवानों को दी जाती हैं ।

लोक निर्माण मन्त्री (श्री फूल चन्द) : स्पीकर साहब, वैसे तो मुख्य मन्त्री जी ने और आई० पी ० एम० साहब ने बडी तफसील से गुप्ता जी के प्वायंट का जवाब दे दिया कूँ लेकिन मैं भी गुप्ता जी को बताना चाहता हूं कि आज हरियाणा प्रान्त में देश के दूसरे सभी राज्यो की अपेक्षा वीकर सैक्शन्ज औफ सोसाइटी को, जिसमें हरिजन, पिछड़े श्रेणी के लोग आदि सभी शामिल है अधिकतम मात्रा में सुविधाएं दी जा रही हैं । हमारे जो हरिजनों के बच्चे है उनकी फीस माफ है, पुस्तकें उन्हें की दी जाती हैं, वर्दियां भी उन्हें दी जाती है, नौकरी मे सुविधा मिलती है और बिना ब्याज का ऋण मिलता है । इसके इलावा स्पीकर साहब, कोआप्रेटिव डिपार्टमैंट एक ऐसा प्रावधान करने जा रहा है जिसके तहत लैन्डलैस लोग, उसमें सभी आ जाएगे, 7 हजार रुपये तक बिना किसी सिक्योरिटी के कर्जा ले सकेंगे । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : लेटैस्ट स्कीम शायद 18 हजार रुपये तक के कर्जे की है ।

श्री फूल चन्द : वह अर्बन एरियाज के लिए है । इसके अलावा और भी कई सुविधाएं हैं जो हम इन लोगों को रहे है । एक वर्ष में लगभग 56 करोड़ रुपये हम इन सैक्शन्ज के ऊपर खर्च कर रहे हैं । विभिन्न निगम डन सैक्शन्ज के लिए स्थापित कितु गए हैं और सभी प्रकार की सुविधाए इन्हे दी जा रही है । अव भी कोई डिस्क्रिमि– नेशन नहीं की गई है कि किसी बिरादरी के किसान का मालिया तो माफ होगा और हरिजन किसान का मालिया माफ नही होगा । हम सूत्र को इस भ्रान्ति से हमेशा दूर रहना चाहिए ।

श्री लछमन सिंह : स्पीकर साहब, अब वह जमाना नही है जब कैवल दो चार कम्युनिटी के लोगों की ही जमीन हुआ करती थी । इंडिपैन्डैन्स के बाद तो हर आदमी जमीन खरीद सकता है और हर आदमी के पास जमीन है भी । बड़े बड़े फार्म तो बड़े बड़े लोगों के ही हैं । जहां तक फायदे की बात है जमींदार को तो कम फायदा पहुंचता है, बड़े आदमियो को ज्यादा फायदा पहुंचता है । (विघ्न) स्पीकर साहब, जमीदारों की जमीन तो अब बिक गई है । वड़े बड़े कारखानेदारों ने उसे खरीद लिया है । पहने के युग मैं जो असल किसान हुआ करते थे उनके पास तो आज खास जमीन नहीं रही है । अव यह बात नहीं रही जो तीस चालीस साल पहले थी । अब खेती एक प्रोफेशन हो गया है

। वही लोग खेती से पैसा कमाते हैं जिनके पास साधन हैं । जमींदार की कोई कमायी नही है । मैं तो चाहूंगा कि छोटे जमीदारी के लिये और भी ज्यादा फैसेलिटजि होनी चाहिए ।

श्री जगदोश नेहरा : स्पीकर साहब, मैने कल दो–तीन काल अटैन्शन नोटिस दिये थे, क्या उनकी स्थिति बताने की कृपा करेंगे ?

श्री अध्यक्ष : उन्हे कन्सीडर कर रहे है ।

(4) किसानों के लिए ऋण सीमा उनकी भूमिजोत के आधार पर निर्धारित करने सबंधी

श्री अमर सिंह : स्पीकर साहब, एक बात मैं हाउस के नोटिस में लाना चाहता हूं कि सरकार ने जो किसानों को 3. 22 करोड़ माल और 113 करोड़ एम० आई० टी० सी० की छूट दी है उससे सारे प्रान्त में खुशी मनायी जा रही है लेकिन कुछ अपोजीशन के भाई, जिनका कोई कार्यक्रम नहीं और न ही कोई सिद्धांत है वे हमेशा गलत बातो का प्रचार करते है । जब भी सरकार कोई फायदे की बात करती है तो ये अपोजीशन के भाई अपने ढंग से उसे कन्डैम करते हैं । मैं आपके द्वारा मुख्य मन्त्री महोदय को एक बात कहना चाहता हू और उम्मीद करता हूं कि वे इस पर गौर फरमायेंगे । जैसे किसी किसान के खेत में सौ मन कपास पैदा होती है तो वह उसे अपने घर पर या कोठे में जमा कर लेता है लेकिन सरकार की ओर से घर पर जमा कपास के

अगैन्सट वह कर्जा मांगता है तो नहीं दिया जाता है लेकिन वही कपास अगर किसी काटन जीनिंग फैक्टरी में शहर. में चली जाती है तो उसके अगैन्सट पैसे की लीमिट बन जाती है । अगर सरकार किसान कों राहत देना चाहती है तो उसकी लैन्ड होल्डिग के मुताबिक लीमिट बना दी जाये ताकि किसान को जो रोज की तकलीफ है उससे नजात मिल जाये । किसी किसान के पास 16 एकड़ जमीन है तो उसके कर्जे की लीमिट फिक्स कर दी जाये । दस एकड है तो उसके हिसाब से फिक्स कर दी जाये । ऐसा करने से करप्शन भी दूर हो जायेगी और किसानों को भी फैसेलिटी मिल जायेगी । जो किसानों को वकीलों, पटवारियो से फर्द लेने और दिखाने के चक्कर हैं उनसे भी छुटकारा मिल जायेगा ।

मुख्य मन्त्री (श्री बंसी लाल) : अगर इस बात के ऊपर हम कीमत फिक्स करते हैं तो कुरुक्षेत्र की जमीन की कीमत कुछ और है और महेन्द्रगढ़ और भिवानी की जमीन की कीमत कुछ और है । इस बात पर बड़ी गम्भीरता से विचार करना पड़ेगा कि यह हो सकता है या नहीं ।

चौधरी लाल सिंह : स्पीकर साहब, इसमें कोई दो राय नही कि सरकार से जमींदारों को काफी राहत मिली है । फूल चन्द जी ने हरिजनों के बारे में भी कहा कि उन्हें सरकार काफी फायदा पहुंचा रही है लेकिन जो हमारे सरकारी मुलाजम हैं उन्हें भी कुछ न कुछ दिया जाना चाहिए ।

चौधरी इन्द्र सिंह नैन : स्पीकर साहब, मैं एक सुझाव देना चाहता हूं जो इस विधान सभा सचिवालय से सम्वन्ध रखता है और आप इस हाउस के कस्टोडियन हैं इसलिये वह आपसे भी ताल्लुक रखता है । स्पीकर साहब, सवालों के जवाब इंगलिश और हिन्दी में मैम्बरान को दिये जाते हैं । यह बड़ी अच्छी बात हे लेकिन इसमें एक कमी है कि हिन्दी और अंग्रेजी के जवाबों को इकट्ठा नत्थी कर दिया जाता है । मेरा विचार यह है कि यदि थे अलग अलग सप्लाई किये जायें तो ठीक नहीं होगा क्योंकि ऐसा करने से सचिवालय का खर्जा ज्यादा बढ़ेगा और काम भी बढ़ेगा । मेरा सुझाव यह है कि हिन्दी और अंग्रेजी के जवाब अलग अलग नत्थी कर दिये जायें ताकि एक टेबल पर बैठे हुए दोनों सदस्य अलग अलग से उन्हें पढ़ लें । ऐसा करने से दोनों ही मैम्बरों को सुविधा हो जायेगी और दोनों ही इसका उपयोग कर सकेंगे ।

सेठ राम दास धमीजा : स्पीकर साहब, अम्बाला कैन्ट और अम्बाला सिटी में दो दो कालेज हैं, वे कालेजिज बिला किसी वजह के आठ दिन बन्द रहे । इनके बन्द होने पर कुछ लोगों ने सियासी आदमियों को बदनाम किया । मेरी आपसे प्रार्थना है कि 17 तारीख से 25 तारीख तक ये कालेजिज क्यों बन्द रहे जिसके कारण आठ हजार बच्चों का नुक्सान हुआ । इस बारे में सरकार को इन्क्वायरी करनी चाहिए कि किस वजह से बन्द हुए? स्पीकर साहब, शाहबाद शूगर मिल के एरिया में अम्बाला के आसपास का एरिया भी शामिल किया गया था कि वहां से भी गन्ना खरीदा

जायेगा लेकिन वहां से गन्ना नहीं खरीदा जा रहा है । जो ऐज पहले फिक्स की गई थी उस रेन्ज के अन्दर से गन्ना नहीं लिया जा रहा है । इसलिए मेरा निवेदन है कि जो रेन्ज फिक्स की हुई है वहां तक गन्ना लिया जौना चाहिए ।

श्री भले राम : स्पीकर साहब, इसमें कोई दो राय नहीं कि हरिजनों को 40 साल से काफी सुविधायें सरकार की ओर से दी जा रही हैं और इसी कारण से हमारे आफिसर साहेबान की आर्थिक स्थिति में काफी सुधार भी हुआ है और सामाजिक हालत भी काफी सुधरे है लेकिन मेरा निवेदन यह है कि जो स्कीमें हरिजनों के लिये हैं उन्हें इम्पलीमैंट करने में बहत से अफसर कोताही करते है । मिसाल के तौर पर जो बुक बेकस वने हुए हैं उनसे हरिजन बच्चो को मार्च और अप्रैल के महीने में किताबें मिलनी चाहिए लेकिन वे उस समय नहीं मिलती हैं । उन किताबों का मार्च और अप्रैल के महीने में फायदा हो सकता है जब स्कूल और कालेज खुलते है लेकिन कई जगत पर ये किताबें – अक्तूबर और नवम्बर के महीने में मिलती हैं, उस समय तक बच्चे अपनी किताबे खरीद लेते हैं । इसी तरह से जो लड़के कालेज और इंजीनियरिंग कालेज में दाखला लेते है, उन्हें किताबे देने के लिये सोशल वैल्फेयर डिपार्टमेंट की एक शिड्यूल्ड कास्टस कमेटी बनी हुई है जिसमें हरिजन लोग भी मेम्बर हैं वे उन्हे पैसा देते हैं लेकिन उस शिड्यूल्ड कास्टस कमेटी की बैठक कई बार फरवरी और मार्च के महीने में की जाती है आब कि बजट का पैसा लैप्स

हो जाता है । इसलिये मेरी प्रार्थना है कि इस कमेटी की बैठक को पहले बुलाया जाये और इस ओर विशेष ध्यान दिया जाये । इसमें कोई दौ राय नही कि सरकार हरिजनों की खूब सहायता कर रही है । जहां किसानों का सरकार ने मालिया माफ किया है वहां हरिजनो का भी माफ हुआ है क्योकि हरिजनों के पास भी जमीन है । मेरे पास जमीन है, मुझे भी बड़ा फायदा हुआ है तेकिन जो हरिजनों के लिये स्कीमे है उन्हे इम्पलीमैंट करने के लिये सरकार थोड़ी सी डायरैक्शन दे दे ताकि वे जल्दी से जल्दी इम्पलीमैंट हो ।

ध्यानाकर्षण सूचना

नारनौल तहसीलें में पेय जल की भारी कमी सम्बन्धी

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर्ज, मुझे श्री निहाल सिंह एम० एल० ए० की ओर से एक्यूट शार्टेज आफ ड्रिकिंग वाटर इन नारनौल के मुत्ताल्लिक काल अटैन्शन नोटिस मिला है । मैं इसे एडमिट करता डू । राव साहब अपना नोटिस पढ़ दें ।

Shri Nihal Singh : I want to draw the attention of the august House towards a matter of urgent public importance regarding acute shortage of drinking water in Narnaul Tehsil. Drinking water wells have gone dry and people have to bring water from far off places and take their cattle far away for giving them water. Rural water supply schemes are not in a position to. supply water regularly due to bad maintenance of schemes and lack of boosting stations at many

places. Government should takc immediate steps to arrange for, good drinking water and heavy boring machines be sent there to explore ground water in that area.

श्री अध्यक्ष : मुझे चीफ मिनिस्टर साहब की तरफ से लैटर मिला है कि वे इस काल अटैन्शन नोटिस का जवाब पहली दिसम्बर को देगे ।

गैर–सरकारी संकल्प–

जात–पात आदि की भावना फैला कर राज्य के वातावरण को दूषित करने की निन्दा करने संबंधी

श्री अध्यक्ष : अब श्री लछमन सिंह एम० एल० ए० अपने रेजोलूशन को मूव करेंगे ।

श्री लछमन सिंह : मैं प्रस्ताव करता हू–

यह सदन उन तत्वों की कठोर शब्दो में निन्दा करता है जो जून–साधारण को आपस में बांट कर, जात–पात की भावना फैला कर राज्य के वातावरण को दूषित करते है ।

यह आपसी भाईचारे को बनाए रखने तथा समाज के कमजोर वर्गो विशेषकर राज्य में अल्पसंख्यकों के हितों की सुरक्षा के लिये राज्य सरकार द्वारा उठाए गए पगों की प्रबल सराहना तथा समर्थन करता है ।

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ कि––

This House strongly condemns the elements which vitiate the atmosphere of the State by dividing the general public by spreading the feeling of casteism.

It strongly appreciates and supports the steps taken by the State Government for maintaining communal amity (brotherhood) and safeguarding the interests of the weaker sections of the society, particularly the minorities in the State.

श्री लछमन सिंह (कालका) : स्पीकर सर, मैं मदसे पहले मैम्बर साहेबान से इस बात की इजाजत चाहूंगा कि मैं जो भी इस हाउस में अर्ज करुंगा, मेरा कोई इरादा किसी के खिलाफ जाति तौर पर या इश्तमाई तौर पर कुछ कहने का नहीं है अगर फिर भी कोई साहब यह महसूम करे और मेरी कोई बात उसको अच्छी न लगे तो मैं उससे प्हले ही माफी मांगता हू । मैने पिछले सैशन में एक बात इस हाउस के सामने रखी थी और अपनी कुछ एप्रीहैन्शन्ज, जो मुझे शक था वह बताया था कि पंजाब के अन्दर जो वातावरण है, जब भी वहां पर कोई वाक्या होता है उसकी अखबारों में खबर आती है और हम पढ़ते है । इसके अलावा वीकर सैकशन्ज या माइनोरिटीज के जो लोग मुझे मिलते हैं वे अपने खुदशात जाहिर करते हैं और खवर पढ़कर हमारे मनो में एक दहशत का दौर दौरा शुरू हो जाता है । मैंने हाउस में अपने खदशात मौजूदा मुख्य मन्त्री जी के सामने रखे थे कि पंजाब के अन्दर जब कभी कोई दुर्घटना होती है या कोई वाक्या होता है तो उसमें हमारा कोई दखल नहीं है, हमारा उसमें कोई कसूर नही है, हमें बलि का बकरा क्या बनाना चाहते हैं? हम भी हरियाणवी हैं,

हम भी हरियाणा मे रहते है हमारे साथ इस किस्म का व्यवहार नही होना चाहिये। सरकार की तरफ से हमें पूरी प्रोटैक्शन मिलनी चाहिये ओर जिस तरह द्सरे आदमियों को रहने का अधिकार है, उसी तरह हमारे साथ भी बर्ताव होना चाहिये । मैं मशकूर हूं अपने मुख्य मन्त्री जी का, उन्होंने उसी समय इन्टरवीन किया और हमें इस बात का यकीन दिलाया कि फ्यूचर में माइनोरिटीज की प्रोटैक्शन की मैं जिम्मेवारी लेता हू । मैं इस बात के लिये उनका मशकूर हुं कि चीप? मिनिस्टर साहब की इस बात का, जहां– जहां पर भी गये, अमर हुआ । आज मुझे इस बात का कोई शक नहीं गै कि हरियाणा में आज जितनी भी माइनोरिटीज हैं, वे आपको अपना मसीहा समझती हैं और यह दुआ करनी है कि चौधरी बंसी लाल मुख्य मंत्री बने रहें । उनको आप में एक उम्मीद की किरण दिखाई दी हूँ । आपको पता है कि दुआ का दवा से ज्यादा असर होता है, इस स्टेट की बागडोर कम से कम 10– 15 साल तक इनके हाथ में रहे ताकि इनके खदशात दूर हो सके क्योंकि इनका किसी किस्म का सैल्फ इन्ट्रैस्ट नहीं है । पिछलें 3 महीने की बात है । दो मिनिस्टर हरियाणा के अम्बाला मे गये हुए थे । पंजाब के एक मंत्री भी वहां पर आये हुए थे । आप भी इम बात को एप्रीशियेट करेंग कि दोनों मिनिस्टर साहेबान के रूबरू पंजाब के उस मती ने इस बात की तारीफ की और कहा कि हरियाणा के अन्दर जो वातावरण अब पैदा हुआ है, उससे हम बहुत खुश है । मैंने उनको सुझाव दिया था कि आप भी पंजाब के अन्दर इसी किस्म का वातावरण पैदा करो । तो वह कहने लगे कि हम भी

अपनी पूरी–पूरी कोशिश करेंगे और वह कर भी रहे है । दूसरी बात जो मैं यहां पर बताना चाहता हूं वह यह है कि वहा पर मंत्री साहब ग्रुरुद्वारा में एक भोग पड़ा' था । उसमें सरदार जी० एस० टोहरा शामिल हुआ । वे एक माने हुए सियासतदान है उन्होंने हजारों सिखों के सामने कहा था । आप समझ सकते हैं जो आदमी 13– 14 साल तक एस ० जी ० पी० सी० का प्रधान रहा हो, वह अगर कोई बात कहता है तो बड़ी इम्पौर्टेन्ट बात है । यह उनके अन्दर की आवाज और सच्ची बात है । उन्होंने यह कहा था कि मुझे यह कहते हुए वहुत ही खुशी हो रही है कि आज हरियाणा के सिखों ने वुख का सांस लिया है । आज वे अपने आपको महफूज समझते है । उनके लिये अब कोई खदशा नही होना चाहिये । मैं इसके लिये स्पीकर साहब अपनी कौम की तरफ से आरे अपनी तरफ से चौधरी साहब को मुबारकवाद देता हूं और यह उम्मीद करता हूं कि आइन्दा भी अपनी ला एण्ड आर्डर की मशीनरी को इसी तरह से अलर्ट रखेंगे । मैं एक बात और कहना चाहता हू कि अब ये दबे हुए है लेकिन कुछ तत्व ऐसे होते है जो मौके की ताक में रहते है और डिस्टरबैंस क्रिएट करना चाहते है । मैं मुख्य मंत्री जी से दरख्वास्त करूंगा कि जिस तरह से उन्होंने अब मशीनरी अलर्ट बनाई हुई है, उसको उसी तरह से बनाये रखेंगे क्योंकि ज्यों ही मशीनरी ढीली हो जाती है, त्यों ही ऐसे लोग कोई न कोई गडबड कर जाते हैं । मुझे उम्मीद है की वे उसी तरह से अलर्ट रखेगे और मशीनरी को इसी तरह से खेचे रखेंगे । मैं प्री–इंडीपैंडैंस की बात करता है । आप को भी तजुर्बा

हूं । मुझे भी तजुर्बा है । यह आम तौर पर हरियाणा की बात है । सरदार प्यारा सिंह जी औंर आप भी मेरे से मुतफिक होंगे कि सिखों के माथ कैसे डिस्क्रिमीनेशन किया जाता रहा है । हर पगड़ी वारने को देखकर, यह एक आम बात हो गयी थी और लोग यह कहते थे कि यह उग्रवादी होगा । 1947 से पहले जंगे आजादी में सिखो ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया । अपनी जानें तक कुर्बान की हैं । देश की आजादी के लिये आप शहीदे आजम भगत सिंह और करतार सिंह सराभा को कैसे भूल सकते हैं । अंडेमान और निकोबार के अन्दर आप जाकर रिकार्ड देखें तो पता चलेगा कि 80 परसैट के करीब सिख नौजवानों ने कुर्बानियां दी हैं और बेड़ियां पहन–पहन कर शहादत पायी है । सिख किसी से भी कम नहीं हैं । आज भी अगर इस देश के ऊपर कोई मुसीबत आती है तो हम किसी से पीछे नहीं रहेंगे । वह गोली पीठ पर नहीं सीने पर खायेगे । जब 1966 में हरियाणा बना था, सिखों ने भी इसकी प्रोडक्शन में, इसकी सोशल एक्टिवीटीज में और कल्चरल एक्टिवीटीज में पूरा योगदान दिया था और काफी नुमायां रोल अदा किया था । जब 1966 में हरियाणा नया– नया बना था तो यहां पर लोग कहा करते थे कि हरियाणा के अन्दर खाने के लिये भी अनाज पैदा नहीं होता । आज मैं फख्र के साथ कह सकता हूं कि हमारी प्रोडक्शन बहुत ज्यादा है । हम प्रोक्योरमैंट के मामले में सारे देश में दूसरे नम्बर पर हैं' । इस काम में हरियाणा के तमाम लोगों के साथ यहां की माइनोरिटीज और कमजोर तबकों के लोग भी शामिल हैं । उन्होंने भी दूसरे आदमियों के साथ कन्धे से

कन्धा मिला कर काम किया है । मैं अपने चीफ मिनिस्टर साहब को इस बात का यकीन दिलाना चाहूंगा कि हरियाणा के सिख और माइनोरिटीज अपने आपको हरियाणवी समझते हैं । वह यह समझते हैं कि उनके मन के अन्दर न किसी किस्म का कोई भेदभाव है, न पहले था और न आइन्दा होगा । इन चीजों को भड्का कर नाजायज फायदा उठाने वालों का ध्यान रखें । दूसरी बात यह है कि अब इलैक्शन नजदीक आ रहे हैं । हमें पता है कि लोग जब वोट लेने जाते हैं तो ज्यादा वोट लेने के चक्कर में अपना उल्लू सीधा करने के लिये तरह–तरह के हथकन्डे इस्तेमाल करते हैं । कभी बिरादरी की बात करते हैं तो कभी जाति–पाति की बात करते हैं । इससे बचने का एक ही रास्ता हैं जो हमें महात्मा गांधी जी ने दिखाया है और वह है सैकुलरिजम का रास्ता । अभी सुवह ही आइडैटीफिकेशन की बात आयी । इसमें आइडैटीफिकेशन क्या करेगी क्योंकि उसमें लिखा तो होता नहीं है कि यह वही आदमी है । यहां पर तो लोगों की शक्लें बदल जाती हैं । आप रोजाना अखबारों में पढ़ते हैं कि लोग पासपोर्ट तक में फोटो बदल लेते है । यह मसला तो उनको सोशल और कल्चरल एजुकेशन देने से हल हो सकता है। जब तक समाज में और स्टेट में इस किस्म का वातावरण नहीं पैदा किया जायेगा कि हम टब हरियाणवी हैं, तब तक बात नहीं बन सकेगी । हमारा सबका यह फर्ज बनता है कि हरियाणा की हिफाजत के लिये अपने इखतलाफात दूर करें । मुझे एक अखबार पढ्ने का मौका मिला । मुझे वड़े ही दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि चण्डीगढ़ की

इंटों के लिये लडाई हो रही है । मुझे मालूम है, एक खबर की सुर्खी उसमें लगी हुई थो कि अगर चण्डीगढ़ पंजाब को चला गया तो हम खून की नदियां बहा देंगे । आप देखें इसमें मुसीबत हरियाणा की माड्नोरिटीज की होगी । मुझे यह समझ नही आया, क्या वे यह समझते हैं, यहां पर सिर्फ एक ही जाति को लावारिस समझा जाता है । मैंने उन नेता से यह कहा कि आपकी यह जो स्टेटमैंट आयी हे, इससे मुझे बड़ा दु:ख है । आपको यह स्टेटमैंट देने से पहले कुछ सोचना चाहिये था, कुछ विचार करना चाहिये था कि सिख कोई गाजर या मूली नहीं हैं जिनको काट कर आप खा लें । आप जैसे जिम्मेवार आदमी को इस किस्म की स्टेटमैंट नहीं देनी चाहिये थी । वह कहने लगे कि मैने तो ऐसी कोई स्टेटमैंट नही दी । मैने उनसे यह कहा कि आप एक ही अखबार पढते हो–हिन्द समाचार । यह नही हो सकता कि आपने यह समाचार पढ़ा ही न हो । अगर आपने स्टेटमैंट नहीं दी थी तो आपको अगले दिन मजबूत लफजों में इसकी कन्ट्राडिक्शन देनी चाहिये थी । आप ही सोचिये, जब नेता लोग ऐसे कहने लग जायें तो माइनोरिटी कम्युनिटी का क्या हाल हो सकता है । हमें तो एक ही उम्मीद है कि अगर चौधरी बंसी लाल जी उनकी मदद इसी तरह से करते रहें तो उनकी हिफाजत हो सकतों है । लेकिन मैं उन्हें भी वक्त रहते, वार्निंग तो नहीं कहता, इत्तलाह देना चाहता हूं कि जो लोग इस किस्म की बात सोचते हैं, वे किसी भी दूरी तक जाने की बात सोच सकते हैं । एटमासफीयर को खराव कर सकते हैं । ऐसी बात न हो कि एक दिन वातावरण खराब हो जाये

। अगर ऐसा हो जाता है तो लोग बेबस हो जाते हैं जैसे पार्टीशन के समय पर हुआ था । स्पीकर साहब, आपको तो पार्टीशन का तजुर्बा है । फिर अमनो अमान कैसे कायम रह सकता हे । जैसे ही आबादी के तबादले का फैसला हुआ, गड़बड़ शुरु हो गयी । नेता लोग वात को कह तो सकते हैं लेकिन बात को संभाल नहीं सकते । कुछ लोग यही चाहते हैं कि हिन्दू इधर रहें और सिख यहां से जायें । लेकिन इस तरह की स्कीम कामयाब नही हुई और आपस में लोगों का प्रेम बना रहा । हरियाणा में पहले जैसा ही वातावरण बना हुआ है और मैं चाहता हूं कि यह वातावरण कायम रखना चाहिए । कितना अच्छा होता कि अगर हमारे अपोजीशन के मैम्बर यहां आते और अपनी बात रखते । मुझे बड़े दुःख के साथ कहना पड़ता है कि पता नहीं हरियाणा ने क्या खो दिया है कि पोलीटीक्ल लोग इस तरह के वयान दे देते हैं । यह केवल इलैक्शन स्टन्ट है । आज मेरे दोस्त यहां पर नहीं हैं और उनकी ड्यूटी मुझे अदा करनी पड़ रही है । अगर वे यहां होते तो कोई अच्छे सूझाव दे सकते थे । साल डेढ़ साल से वे लोग यहां पर नहीं आ रहे है । मुझे समझ नहीं आता कि वे क्या सोच कर यहां नहीं आ रहे हैं । जनता उनके बारे में क्या सोचती होगी । स्पीकर साहब, प्राईवेटली वे महसूस करते हैं कि हमको जाना चाहिए लेकिन उनको टिकट की मजबूरी है । क्या पता है कौन अगली बार जीत कर आएगा और कौन नहीं आएगा । स्पीकर साहब, पिछली दफा हम नब्बे में से 34 जीत कर आए थे और 66 आदमी हार गए थे । यह हरियाणा की परम्परा रही है कि दुबारा

कम लोग चुनकर आते हैं । क्या पता है कि कितने लोगों को अब की बार टिकट मिलेगा । अगर आज मेरे अपोजीशन के भाई होते तो वे हरियाणा के हित की बात कर सकते थे कोई अच्छे सुझाव दे सकते थे । स्पीकर साहब, यह हरियाणा और पंजाब का झगड़ा आज कोई नया नहीं है । जव हरियाणा बना था उससे पहते भी झगड़े थे ओंर ये झगडे कोई आसानी से सुलझने वाले नही लूँ । स्पीकर साहब, आपको पता होगा कि कोई भी इंटर–स्टेट झगडे आसानी से खत्म नही होते । हम किसी भी इशू को लेकर गलियों में चले जाए इससे बुरी बात और क्या हो सकती है । स्पीकर साहब, हमारे यहां का वातावरण खराब नही होना चाहिए । हम सब लोग मिलकर हरियाणा में 1 करोड़ 27 लाख हैं, हम सव को मिलकर रहना चाहिए । अगर हम हरियाणा मे वातावरण मित्रता का रखेंगे तो पंजाब का भी वातावरण सुधरेगा, वहां भी फर्क पड़ेगा । बारह–चौदह लाख हरियाणा मे सिख है । हरियाणा के अन्दर अम्बाला, करनाल और सिरसा के अन्दर बहुत अधिक तादाद में सिख है । शहर के सिख अपना व्यापार छोड्कर कैसे जाएगे और देहात का सिख अपनी जमीन जायदाद छोड्कर कैसे जाएगा । हम जब भी पंजाब के लोगों से बात करते हैं तो कहते हैं कि हमारे साथ बहुत अच्छा सलूक किया जाता है और वहां पर हिन्दू सिख मिलकर रहते है । हिन्दू और सिख एक ही तै । सब कुछ एक है, रीति रिवाज एक है । एक घर में एक लडका सिख है और एक हिन्दू है । इसमें कोई रुकावट नही होनी चाहिए । स्पीकर साहब, दो चार महीने बाद इलैक्शन आने वाले है इसके अन्दर कोई शमी

वात नही होनी चाहिए जिमसे कि हिन्दू सिख एकता में कोई फर्क आए । इलैक्शन पांच साल बाद आते है और अगर एक बार वातावरण खराब हो गया तो वह मुश्किल से सुधरेगा । हमे कोई ऐसी वात नही करनी चाहिए जिससे कम्युनलिज्म को बढ़ावा मिले । अगर हमने इस चीज को बढ़ावा दिया तो स्पीकर साहब, आने वाली नस्ले हमें कभी माफ नहीं करेंगी । वे सोचेंगे कि हरियाणा के नेताओं ने चन्द सीटों के लिए हरियाणा का वातावरण खराब किया । आपको पता है कि यहां पर बड़े–बडे अवतार हुए । भगवान श्री कष्ण जैसे योरप अवतार हुए लेकिन एक जरा सी बात के लिए इतनी बड़ी जंग हुई जिसमें सारा भारत खत्म हो गया । वरना हम किस से पीछे थे । हमारे पास राकेट थे और दुनिया में आज जो चीजे बन रही हैं वे सब हमारे पास थी लेकिन आपस की लड़ाई मे सत्र कुछ खत्म हो गया । हमारी संस्कृति नष्ट हो गई । हमारा सब कुछ खत्म हो गया । मैं बरवक्त सरकार को कहना चाहता हूं कि इलैक्शन के समय पर कोई ऐसा वातावरण न बनने दे जिससे कि हमेशा के लिए हिन्दू और सिख में कोई नफरत की बात हो । सिर्फ चार महीने वाकी रह गए हैं सरकार को अभी से इस बारे में सचेत रहना चाहिए और उसे किसी चीज की परवाह नही करनी चाहिए । स्पीकर साहब, एस० वाई० एल० बनेगी और हरियाणा कौ पानी मिलेगा । जब एक कमीशन बैठाया हुआ है तो उसकी बातें तो माननी ही चाहिए । मैं पहले चण्डीगढ़ के ऊपर अपने अधिका, की बात किया करता था लेकिन अब मै चीफ मिनिस्टर साहब के स्टेटमैंट को ऐन्डोर्स करता हु कि हरियाणा को

अपनी राजधानी बनानी चाहिए । चण्डीगढ बीच मे नही है । मैं प्राईम मिनिस्टर का शुक्रिया अदा करता हूं कि उन्होने हरियाणा के लिए वर्ल्ड स्टैण्डर्ड की राजधानी बनाने का वायदा किया है । चण्डीगढ की पुरानी ईटों के लिए हम आपस में अपना सर फोड़े यह कहा तक ठीक है । एक भाई दूसरे भाई का कलो– गारत करे यह कहां तक ठीक है । अगर आज मेरे भाई यहां बैठे होते तो वे अपनी बात कह सकते थे, अपने सैटीमैंट्स का इजहार कर सकते थे कि वे क्या चाहते हैं । वे हरियाणा की जनता को बताते कि हमे क्या लौस हुआ है । सिर्फ यह कह देना कि अगर हम शोर नही मचाते तो चण्डीगढ़ चला जाता । स्पीकर साहब, जब तक कोई फैसला नहीं हो जाता तब तक क्या कहा जा सकता है । पंजाब एकोर्ड तो खुद पंजाब वाले नहीं मानते । वे चाहते हैं कि नए सिरे से कोई बात की जाए । चौधरी साहब ने अलग से कैपीटल बनाने का जो स्टैण्ड लिया है वह बहुत अच्छा है । हमें कैपीटल बनाकर दी जाए । हम पैसा नही लेना चाहते । स्पीकर साहब, देश की एकता और अखंडता को बरकरार रखने के लिए आपस में एकता की बहुत जरूरत है । सभी लोग जानते हैं कि देश के ऊपर दुश्मन की निगाहें लगी हुई है । अगर हम एक होंगे, आपस में कोई झगड़ा नही होगा और जो लोग किनारे पर बैठे हैं उनके मन में शान्ति होगी तौ हमारा दुश्मन डरता रहेगा और हमारी तरफ आख उठाकर भी नही देखेगा । स्पीकर साहब, सी० आई० डी ० को पता होगा. कि हरियाणा के अन्दर गड़बड़ कराने की एक साजिश बनाई गई थी । साजिश यह थी कि

हरियाणा में दत्त बीस बेगुनाह सिखों को मार दो और देश की अखंडता और एकता को नुक्सान पहुंचाओ । क्योंकि ऐसा करने से जो बेगुनाह लोग हैं उनको नुक्सान पहुंचता और इसका रिऐक्शन पंजाब में होता । स्पीकर साहब, ऐसे वातावरण कौ खत्म करने का सब से बड़ा क्रेडिट हमारे मुख्य मन्त्री को जाता है । इन्होंने परवाह नहीं की । जगह– जगह इन्होंने कहा कि अल्पसंख्यकों को कोई नुक्सान नही होने दूंगा। मैं आज बताना चाहता हूं कि ऐसा करने से लाखों वोट बढ़े है घटे नहीं है । दूसरे सूबों के लोगों से बात करने का मौका मिला । उन्होंने हमारे चीफ मिनिस्टर की बहुत तारीफ की । वे कहते हैं कि आपके चीफ मिनिस्टर ने कमाल कर दिया । इससे वड़ी बात और क्या हो सकती है । मैं कहूंगा कि दूसरे सूबों के चीफ मिनिस्टर्ज को भी हमारे चीफ मिनिस्टर की पैरवी करनी चाहिए । स्पीकर साहब, अगर इलैक्शन को सामने रखकर कोई बात करेंगे तो कोई वात नहीं होने वाली है । लीडर्ज इलैक्शन में पता नहीं क्या–क्या कहकर लोगों को भड़काते हैं । स्पीकर साहब, मैं तो अपने हल्के की बात जानता हूं । मेरे हल्के में नब्बे परसैन्ट हिन्दू वोट है । मैं तीन बार वहा से चुनकर आया हूं । सब को पता है कि लछमन सिंह साफ बात कहने वाला है । स्पीकर साहब, अगर कही पर झगड़े होंगे तो वहां प्रोग्रेस नहीं हो सकती ।

11.00 बजे ।

आपस में विश्वास होगा तो लोग एक दूसरे के काम आएंगे । सब मिल जुल कर देश को आगे ले जाने मे मदद करेंगे । स्पीकर सर, अब मै दो चार बातें कहना चाहता हूं जिनके करने से अल्पसंख्यक समुदाय के लोगो के अन्दर और अधिक विश्वास पैदा होगा और उनके दिल में यह ख्याल होगा कि वास्तव मे सरकार हमारा ध्यान रखती है । स्पीकर साहब, मैं चीफ मिनिस्टर साहब के नोटिस में लाना चाहता हूं और हो सकता है कि उनके नोटिस में यह बात होगी भी, स्पीकर साहब, आपके जिले से भी वह बात सम्बन्धित है । पहली बात यह है कि आठ दस महीने पहले कुछ सिख नौजवानों के खिलाफ –झूठे मुकदमें बनाए गए थे । मेरी दरखास्त है कि उनको रिव्यू करवाया जाए । रिव्यू में जो बेगुनाह साबित हो जाएं उनके खिलाफ जो चार्जिज हैं उनको वापिस ले लिया जाए । स्पीकर साहब, जो गुनाहगार पाए जाएं मैं यह नहीं कहता कि उनको छोड़ दिया जाए लेकिन जो बेचारे बेकसूर हैं उनके खिलाफ चार्जिज वापिस ले लेने चाहिएं । दूसरी बात यह है कि बहुत सारे सिखों के लाइसैसं जबत किए हुए हैं । उनको रिव्यू किया जाए और उनको वापिस किए जाएं । स्पीकर साहब, रिव्यू करने में कोई हर्ज नहीं है । ऐसा कोई भी सिख नहीं होगा जिसके पास बन्दूक हो और उसनै हरियाणा में कोई गड़बड़ की हो या किसी ऐक्सट्रिमिस्ट की मदद की हो । तीसरी बात लैग्वेज की है । स्पीकर साहब, मुझे बहुत अच्छी तरह मालूम है कि जो पंजाबी की बात करते हैं और हिन्दी की बात करते हैं उन सब के बच्चे सनावर, दून तथा दूसरे इंगलिश मीडियम स्कूलों

में पढ़ते हैं लेकिन यही लोग कहीं पंजाबी को खतरा बताते हैं और कहीं हिन्दी को खतरा बताते हैं । स्पीकर साहब, कहीं लोग नारा लगाते है कि हम पंजाबी नहीं पढ़ेंगे, पंजाबी नहीं बोलेंगे और कहीं ये नारा लगाते हैं कि हम हिन्दी नहीं बोलेंगे । लेकिन ये पोलिटीकल नारे हैं । मैं तो सिर्फ यह कहना चाहता हूं कि काफी अर्से–– से हरियाणा के अन्दर सिखों की डिमान्ड पंजाबी पढ़ाने की रही है । रिकार्ड पर तो है कि पंजाबी की जहां डिमान्ड होगी वहां पढ़ाई जाएगी लेकिन असल में पंजाबी के टीचर्ज नहीं हैं । मेरी दरखास्त है कि जहां पर स्कूलों में पंजाबी के टीचर्ज नहीं हैं वहां पंजाबी के टीचर्ज लगाए जाएं । जो लोग पंजाबी पढ़ना चाहते हैं और उनको पढ़ाने का कोई इन्तजाम नहीं है, वहां सरकार को पंजाबी पढ़ाने का इन्तजाम करना चाहिये । स्पीकर सर, उर्दू भी एक डीसैन्ट लैग्वेज है । इसको पढ़ाने का भी सरकार को इन्तजाम करना चाहिये । जिस तरह से दूसरी लैग्वेजिज हैं, उसी प्रकार से हमें इससे हेट नहीं करनी चाहिये । हमें सभी लैग्वेजिज के साथ प्यार करना चाहिये । आज आपने अखबारों में भी इस बारे में पढ़ा होगा । अगर लैग्वेजिज के झगड़े न पड़ते तो आज यह दो तीन सूबे कैसे बनते। लैंग्वेजिज के झगड़ों के बारे में लोगों के दिला में जो खदशा है, शंकाएं हैं, उनको दूर करना होगा, उनको मिनीमाईज करना होगा । लोगों के दिलों के अन्दर जो गल्ल फहमियां हैं, उनको दूर करना होगा । इसलिये मैं इन बातों के साथ साथ चीफ मिनिस्टर साहब से यह रिकवैस्ट करूंगा कि जब तक पुलिस फोर्स में माइनोरिटीज के

आदमी नहीं होंगे, चाहे वह सिख हो, चाहे मुसलमाने हो, चाहे ईसाई हो, चाहे किसी भी जाति का हो, तब तक उन लोगों के दिलों में सरकार के प्रति कोई दृढ़ विश्वास नहीं होगा । वे अपने आप को सेफ नही समझेगे । मुझे चीफ मिनिस्टर साहब से पूरी आशा है किं वे मेरी इस बात को मन्जूर फरमाएंगे । पिछले आठ दस सालों से पुलिस में माइनोरिटीज की कोई भरती नहीं हुई है । रिजर्वेशन हुई होगी लेकिन इसमें जो बैलैन्स बचता है और जो लोग डिजर्व करते है जिनका हक बनता है उनको उनका हक दिया जाए । यह न देखा जाए कि यह सिख है, यी मुसलमान है या ईसाई है या किसी और टूमरे तबके से ताल्लुक रखता हैं, या किसी तूम रें धर्म से सम्बन्धित है, इसलिये इसको पुलिस फोर्स में प्रायर्टी न दी जाए, ऐसा नहीं होना –कहिये । चीफ मिनिस्टर साहब इस तरह के आर्डर इशू करें अपने जिला हैडक्वार्टर्ज पर और अपने आई० जी ० साहब को कि वे भर्ती करते वक्त किसी धर्म जाति विशेष का ध्यान न करते हुए, मैरिट के हिसाब से, जिस का हक बनता हो, उसको उसका हुक दिया जाए । उसी के हिसाब से भर्ती की जारा । अगर माइनोरिटीज के साथ सरकार कुछ और भी रियायत कर दे तो सरकार की ओर भी मेहरबानी होगी । इसी तरह से सिविल सर्विसिज के अन्दर भी यही हाल है । एक, आध कनक के लियें किसी का नम्बर आ जाए तो कुछ कह नहीं सकते लेकिन जो लोग जोरदार होते है, एप्रोचेबल होते हैं, वे आगे निकल जाते हैं । हमारी तादाद तो बहुत कम है लेकिन फिर भी गांधी जी के आदर्शों के अनुसार, जैसा वे कहा करते थे कि

किसी के साथ जाति, धर्म का किसी प्रकार का भेद भाव नही होना चाहिये, सभी को समान हक मिलना चाहिये । अब जबकि स्टेट और केन्द्र दोनों जगहों पर कांग्रेस का राज है, इसलिये महात्मा गांधी जो के आदर्शों पर चलना हमारा परम कर्तव्य है और किसी के साथ कोई भेद भाव नहीं करना चाहिये । सरकार का भी यह फर्ज बनता है कि हरियाणा के अन्दर माइनोरीटीज का हर लिहाज से ख्याल रजा जाए ताकि उनको किसी भी क्षेत्र में किसी प्रकार की परेशानी न उठानी पड़े । इसी तरह से हमारा हिन्दुस्तान तरक्की कर सकता है, आगे बढ़ सकता है । मैं समझता हूं कि जो पांच–सात प्वायंट मैंने यहां पर बताए हैं, उन पर चीफ मिनिस्टर साहब गौर करेंगे और अपने सम्बन्धित विभागों की जांच करवाएंगे औंर जो दोषी पाए जाएंगे उनके खिलाफ एक्शन भी लेगे । इसके साथ साथ मैरी एक और रिकवैस्ट है कि माइनारिटीज के बारे में जो कुछ सरकार करे, उसको पब्लिसिटी के द्वारा गाहे–बगाहे अखबारों के जरिये गांवों तक भी पहुंचाना चाहिये ताकि लोगों के अन्दर कन्फीडैन्स का वातावरण पैदा हो । गांव के लोग अखबारों की बातों को सही मानते हैं और कहते हैं कि अखबारों में आ गया । अब तो चौधरी बंसी लाल जी ने सारा ठीक कर दिया, भले ही कोई गड़बड़ हो । स्पीकर सर, पहले हमारी स्टेट' में माहौल बहुत खराब था, लौग काफी भड्के हुए थे लोग उस पर मिट्टी का तेल छिड़क रहे थे लेकिन, चौधरी बंसी लाल जी ने आकर उस पर पानी डाल दिया और सारा वातावरण सकुशल हो गया । शान्ति हो गयी । अब लोग ऐसा महसूस करते हैं । किसी तरह का कोई

भय नहीं रहा कि हमें कोई खतरा है । स्पीकर' साहब, पहते क्या था, मुझे बताते हुए शर्म आती है । मेरा इसी बात पर कालका के एस० एच० ओ० से झगड़ा भी हो गया था । एक सिख फैमिली थी, उनके साथ एक सरदार थे, वे शिमला जा रहे थे, उन्होंने पीली पगड़ी पहन रखी थी तो पुलिस वालों ने उन्हें नीचे उतार लिया । जब मुझे पता चला तो मैं वहां गया और पूछा। हिन्दु मुझे घेर कर खडे हो गये और कहने लगे कि क्या बात है । यह तो जुल्म हो रहा है । उस थानेदार की शिकायत की गयी और उसको वहां से तबदील कर दिया गया । पहले जहां कही देख लिया कि किसी सिख ने पीली पगड़ी पहन रात्री हुँ या किसी ने नीली पगड़ी पहन रखी है तो पुलिस उन को परेशान करती थी लेकिन अब चौधरी बंसी लाल जी के आने के बाद ऐसी कोई बात नहीं हुँ । सिर्फ नीली पीली पगड़ी देखकर ही हम किसी के जजबातो को नहीं पहचान' सकते । अगर कोई सफेद पगड़ी पहनता है और वह अगर कोई गड़बड़ कर दे तो आप क्या करेगे? पीली नीली पगड़ियां देखकर ही हम किसी का करैक्टर करा असम कर सकते हैं, हम क्या कह सकते हैं कि उस के मन के अन्दर क्या जजबात है मैं चीफ मिनिस्टर साहब से रिकवैस्ट करूंगा कि जो जो बातें मैंने यहां पर कहा हैं, उनको वे एंडोर्स करें क्योंकि माइनोरिटीज की रक्षा करना हर इन्सान का और हमारी सरकार का फर्ज बनता है । डस वक्त हरियाणा के सिख भाई अपने आप को महफूज समझते हैं और वे सभी हमारी इस सरकार के साथ हैं । मैं इस बात का चौधरी बंसी लाल को विश्वास दिलाता हू कि

हरियाणा का एक एक सिख ट्रू हरियाणवी बनकर रहना चाहता है और वे अपने आप कौ यहां पर महफूज समझते हैं । हरियाणा का एक एक सिख चौधरी बन्सी लाल जी के साथ है। चार–पांच महीनों के बाद इलैक्शन होने वाले है और इस बात को आने वाला जमाना ही सही साबित केरके दिखायेगा । जिन भाईयों को अगर किसी बात का शक है तो उन को आने वाले वक्त में इसका स्पष्ट प्रमाण मिल जाएगा । सीटें रिजर्व हैं और आने वाला वक्त सव कुछ साबित कर देगा । स्पीकर सर, मैं चौधरी साहब का इस बात के लिये बहुत धन्यवादी हूं कि उन्हेंने अपने आने के बाद माइनो– रिटीज की तरफ बहुत ध्यान दिया है और लोग अपने आपको पूरी तरह से महफूज समझने लगे है । इस के साथ साथ मैं यहां यह भी कहना चाहुगा कि हमे आगे के लिये उन विघटनकारी शक्तियां से, उन तत्वों से दूर रहना चाहिये, सतर्क रहना चाहिये जिन्होंने हरियाणा के अन्दर गडवड मचाने की कोशिश की है । स्पीकर सर, हमारा हरियाणा अब वर्ल्ड कैपिटल मैप पर आगे आयेगा और हमारे हरियाणा का नाम शान्ति के लिहाज से सव से ऊपर होगा । छोटे छोटे झगड़े तो हर स्टेट में होते ही रहते हैं लेकिन चौधरी साहब के आने के बाद. जो हालात पर काबू पाया गया है, इसका सारा सिला, सेहरा चौधरी साहब के सिर पर ही जायेगा । मुझे चौधरी साहब से आगे आने वाले वक्त में पूरी आशा है कि वे माइनोरिटीज के साथ, चाहे वह किसी भी धर्म, जाति व तबके से ताल्लुक रखता हो, किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होने देंगे । किसी सिख के लड़के के बाल हैं, किसी

के नही हैं और इन बातों को देखते हुए किसी किस्म का मतभेद होना भी नहीं चाहिये । जो लोग इन बातों के जरिये हरियाणा में अशांति फैलाना चाहते हैं, सरकार को ऐसे तत्वों से सख्ती से निपटना चाहिये । इस. तरह का क्राइटेरिया होना भी नहीं चाहिये । इन्सानियत को ही आगे रखना चाहिये, इससे बढ़कर कोई चीज नही होती । अन्त में, मैं फिर एक बार इस हाउस से और चीफ मिनिस्टर साभ्य से प्रार्थना करूंगा कि जो जो प्वायंटस मैंने यहां पर रखे हैं, उन पर गौर किया जाए और मेरा जो स्टैण्ड है, उसको एन्श्योर किया जाए । आज हरियाणा का नाम सारे भारत में सब से ऊपर है और हमें इस शोहरत को बनाए रखना है' । इन शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया ।

चौधरी रोशन लाल आर्य (छछरौली) : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आज सदन के सम्मुख बहुत महत्वपूर्ण प्रस्ताव विचाराधीन है । यह जो सवाल इन्सान को इन्सान से दूर करने का, चाहे धर्म के नाम से, चाहे जाति विशेष के नाम से है, एक बहुत बडा क्लंक है, रोग है । (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) आप जानते हैं कि तमाम दुनिया मैं उस समय महायुद्ध हुए, लडाईया हुई, मारकाट हुई जब खासतौर से लोगों के नेताओं ने अपनी आत्मा की आवाज को कुचला और परमेश्वर की उस बनायी हूई सृष्टि को अपने स्वार्थों के लिये इस्तेमाल किया । जो नैतिकता का बन्धन सारे समाज के निर्माण 'के लिये होता है

उसको तोड़कर जब जब समाज में मानव ने प्रकृति से दूर होने की कोशिश की तव तब मनुष्य को चपत खानी पड़ी और बड़ी बड़ी विडम्बनाए समान के सामने पैदा हुई । धर्म के नाम पर, जाति के नाम पर जो आडम्बर चलाये जाने है, प्रवृत्तियां पैदा की जाती हैं. और जहर घोला जाता है, उसके पीछे जहर घोलते वालों का निजी स्वार्थ होता है । डिप्टी स्पीकर साहब, आप इस वात कों जानते है कि मार काट कोई नई बात नहीं है । जब से मानव समाज का उदगम हुआ है तब से अच्छाई और बुराई में संघर्ष चलता रहा है, क्योंकि विचारों में मतभेद रहतें हैं । हम इस बात को जानते हैं कि कुछ स्वार्थी लोग हमेशा कोई न कोई रास्ता निकालते रहते हैं । चाहे वह राज में आने का लालच हो या किसी चीज पर कब्जा करने का षड्यन्त्र हो । उसको पूरा करने के लिए वे सारे काम करते रहते है । हमारे इस सारे देश में बल्कि मैं यह कहूंगा कि सारी दुनिया में जो सब से बड़ी बदकिस्मती है वह धर्म और पवित्र भावना के दुरुपयोग करने की है । आज बहुत से राजनैतिक लोग धर्म का चोला ओढ़ कर अपने निजी स्वार्थ को सिद्ध करनेरू की कोशिश कर रहे हैं । मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि यदि धर्म को सही धर्म माना जाए तो धर्म सारे ससांर की रक्षा कर सकता है । धर्म का मतलब यह है कि वह किसी जाति से, किसी वेश भृश से संबंध नहीं रखता । हमारे शास्त्रों में लिखा है––

धृति क्षमा दमो अस्तेय शौच

इन्द्रिय निग्रह धीं विद्या सत्यं

अक्रोधों दशक धर्म लक्षणं ।

ये जो 10 लक्षण हैं इनमें न कोई हिन्दू धर्म है, न सिख धर्म है और न ईसाई धर्म है । मैं किसी भी मजहब सें सबा नहीं रखता । मैं यह कहना चाहता हूं कि धर्म वह है जिसको धारण करने से मनुष्य का आत्मिक विकास हो । उसको आप नैतिकता कह सकते हैं। नैतिकता का यदि राजनीति के ऊपर कन्ट्रोल होगा तो समाज ठीक तरीके से काम करेगा । बहुत से लोग चाहे वे हिन्दू धर्म के नेता बनें चाहे सिख या ईसाई धर्म के नेता बनें ' जव तक उनकी धार्मिक आत्मा का धर्म से संबंध नहीं होगा तो वे धर्म का दुरुपयोग करके अपनी दुकानदारी चलाएंगे । अगर धार्मिक स्थानों में हत्यारों को छुपाया जाता है तो मैं उसे धार्मिक स्थान नही मानता । अगर कोई आदमी धार्मिक स्थान पर बैठ कर किसी का बुरा सोचता है तो वह धार्मिक व्यक्ति नहीं हो सकता । कोई भी व्यक्ति जो अपने आपको धार्मिक समझता है, वह इन्सान का नहीं यदि पशु पक्षी का भी बुरा सोचता है तो वह अपने धर्म से गिर जाता है । मैंने धर्म के विषय पर इतना जोर इसलिये दिया कि धर्म का शब्द ही ऐसा है । बहुत से लोग विशेषकर कम्युनिस्ट देशों के लोग ऐसा समझते है कि धर्म तो एक ऐसा जहर है, एक ऐसी अफीम है जिसका नशा धर्म के रूप में करके लोग पाखंड रचाते हैं । मैं समझता हूं कि कम्युनिस्टों को भी धर्म का असली मतलब नही पता । उनमें धर्म की कमी नहीं है

बल्कि इसका कारण उनकी अज्ञानता है । अभी मेरे से पूर्व माननीय सदस्य सरदार लछमन सिंह जी बोरर रहे थे । उन्होंने बडे अच्छे सुझाव दिए । उन्होंने जो बातें रखीं उनको मैं सप्लीमैंट करना चाहूंगा और पूरा करना चाहूंगा । उन्होंने कहा कि कुछ सिख भाइयों पर मुकदमें चल रहे हैं उन्हें वापिस लिया जाए । मैं यह उमीद करता था कि उनको ऐसा कहना चाहिए था कि चाहे कोई सिख हो या हिन्दू हो सबके मुकदमें वापिस लेने चाहिएं और जिनके हथियार रखे हुए हैं वे वापिस दिलाए जाए । मैं समझता हूं कि हथियार रख कर भी कोई आदमी बहादुर नहीं वन सकता । बहादुरी तो इन्सान के गुणों के अन्दर होती है । खाली हाथ आदमी भी हथियार वाले से मुकाबिला कर सकता है अगर उसमें गुण हों । हमें अपने जीवन के अन्दर परिवर्तन करके ऐसे हालात वनाने चाहिएं जिससे आरसी जहर को दूर किया जा सके । वह कैसे दूर होगा, मैं इस बारे में बताना चाहता हूं । जब तक इस समाज के नेता और राजनैतिक नेता अपना जीवन परिवर्तन नहीं करेंगे तव तक इस देश का भला नही हो सकता । जब जिम्मेदार लोग जो बड़े बड़े पदों पर बैठे हैं और तोड फोड़ में शामिल है, वे शराब में धुत हुए रहते हैं और लोगों का नेतृत्व ठीक नहीं कर सकते हैं तो देश का भला कैसे हो सकता है । एक अन्धा आदमी णै जिसको खुद कुछ दिखाई नही देता अगर हम उसके पीछे लग जाएं तो हमें वह गड्ढे में ही जाकर गिराएगा? मैं किसी का नाम लेकर किसी की निन्दा नहीं कर रहा हूं वल्कि मैं तो यह निवेदन कर रहा हू कि हम सब को सोचना चाहिए कि हमारे ऊपर एक

एक लाख लोगों का विश्वास है, हम अपने आप को समझते हैं कि हम समाज के अग्रणी है इसलिये हमें कोशिश करनी चाहिए कि हम अपने जीवन को प्रभु के साथ जोड़े क्योकि कोई भी आदमी बिना परमेश्वर की कृपा से आगे नहीं बढ़ सकता । जितने भी लोग अफसर बनते हैं या नेता बनते है सब को इस को समझ लेना चाहिए कि यह दुनिया एक मुसाफिर– खाना है । इसके अन्दर के लोग अपना अपना रोल करने के लिए आए हैं । कुछ लौग ऐसो समझते हैं कि यह जो चुनाव लड़ने का चक्कर है यह राजनैतिक आदमियों के कन्धों पर है इसलिये केवल उन्हीं को अपना आचरण ठीक रखने की जरूरत हुँ क्योंकि उन्हें पांच साल के बाद जनता के आगे फिर जाना होता है और जवाब देना होता है । उनको लोग पूछेंगे कि पांच साल में कितनी प्रोपर्टी बनाई । मैं कहता है कि इसी तरह अफसरों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए । हम लोग तो पांच साल के लिए हें और कच्चे हैं लेकिन अफसर पक्के हैं उनको भी सुख तब तक नहीं मिलेगा जब तक वे जनता के प्रति ठीक नहीं होंगे । यह मैं इसलिये कह रहा हूं कि पूरे संसार मेँ हमारा देश ही एक जिम्मेदार देश है और यही तमाम दुनिया को अध्यात्मक मार्ग दे सकता है । आज तमाम दुनिया के लोग भारत की ओर देखते हैं कि यहां से प्रेम का, भाई चारे का कोई सन्देश निकलेगा । लेकिन इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या होगा कि वह देश जिससे तमाम दुनिया मार्ग दर्शन चाहती है, वही आपस में कट कर मर रहा हो । (घंटी) मैं अभी समाप्त करता हूं । मैं सभी धर्मों के और पार्टियों के नेताओं से यह निवेदन करूंगा कि

हमारे धर्मों की और पार्टियों की सार्थकता तभी होगी कि हम जिस धर्म को मानते हैं हम उसकी मूल भावना का प्रचार करें और उसको जीवन में धारण करें । आज जितने भी राजनैतिक लोग हैं वे इस बात के कायल हैं कि महात्मा गांधी जी ने बहुत बड़ा काम किया, इस देश के लिए आजादी लाए । गांधी जी में एक विशेषता थी कि उनमें आत्मिक शक्ति थी । उन्होंने अपने जीवन को प्रमात्मा के साथ जोड़ कर इतनी पावर बनाई कि आज उनके चले जाने के बाद भी तमाम दुनिया के लोग उनसे प्रेरणा लेते हैं । आज किसी को अफ्रीका का गांधी कहते हैं और किमी को पखतूनस्तान का गांधी कहते हें । इसीलिए गांधी नाम इतनी उच्चता, इतनी पवित्रता और इतनी अहिंसा का प्रतीक वन गया है । सब लोग उनसे जुड़ना चाहते हैं । मैं निवेदन करना चाहता हूं कि सभी धर्मों और सभी दलों को इस बात पर बड़ी गम्भीरता से विचार करना चाहिए कि हम सही मायनों में भाईचारे और आत्मीयता का वातावरण बनाएं । जो जाति– वाद और धर्म के टकराव हैं जो मारकाट है, जो खूनखराबा है वह किसी कीमत पर भी न होने पाए । पड़ोसी प्रदेश पंजाव में जो इस प्रकार की आधी आई, हरियाणा प्रदेश में उन आधियों का बड़ा भॉरी मुकावला किया गया । मुझे इस बात पर गर्व है कि हमारा प्रदेश दूध दही खाने वाला है । ऐसे मौके आने के बावजूद भी यहां पर बड़ी शांति रही और रक्तपात नहीं हुआ । इस बात के लिए मैं मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने आते ही प्रदेश में इस प्रकार का वातावरण बनाया विससे यहां पर ऐसी कोई घटना नहीं हुई

जिससे हमारा सिर नीचा हो सके । हम सब शपने अपने क्षेत्रों में जा करके इस बात रहा प्रयास करें कि यदि कोई व्यक्ति इस प्रकार का कोई गलत काम करता है उसका हौसला न बढ़ाए । यदि कोई व्पक्ति साम्प्रदायिकता या जातिवाद से घिरा हुआ हो और वह किसी भी विधायक या मंत्री का सहारा ले कर कोई गइर काम करना चाहता है तो जहां हम दूसरों को रोकें वहां हम पहले अपने आस पास के गलत व्यक्तियों को रोकें ताकि इस बुराई का नाश हो और प्रदेश में प्रेम का वातावरण बने और देश प्रदेश का विकास अच्छी प्रकार. से हो सके । भारत को सोने की चिडिया कहा जाता था उसी तरह से एक बार फिर वही ऊंचा स्थान मिले, हम ऐसा काम करे । इन्ही शब्दों के साथ मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करते हुए अपना स्थान लेता हुं ।

श्री अमीर चन्द मक्कड़ (हांसी) : डिप्टी स्पीकर साहव, आपका धन्यवाद करता हू जो आपने मुझे बोलने के निए समय दिया । मै सरदार लछमन सिंह जी के आज के प्रस्ताव पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं । मेरे से पहले बोलने वाले साथियों ने इस बारे में काफी अच्छी अच्छी बाते कही है । मैं चौधरी बै सी ला त्र जी का धन्यवाद करता हू कि आजकल पंजाब में जो माहौल चल रहा है उसको देखते हुए उन्होंने अपने प्रदेश हरियाणा के अन्दर माहौल बहुत अच्छे तरीके से ठीक रखा है । हरियाणा के जो लोग इन किस्म की कोशिश कर रहे थे बससे पड़ोसी प्रदेश पंजाव के साथ आपस का भाईचारा खत्म हो और आपस मे नफरत पैदा हो,

उनकी ऐसी सारी आशाएं चौधरी बंसी लाल जी के चीफ मिनिस्टर बनते ही मिट्टी मे मित्र गई । इनकी कोशिशो से आज हरियाणा के अन्दर शांति और भाईचारे का वातावरण चल रहा है लेकिन पंजाब के कुछ लोग यह चाहते है कि हरियाणा में भी इस किस्म का वातावरण पैदा हे जिससे देश की आजादी कायम न रहे । आजादी के लिए कितने ही शहीदो ने कुर्बानियां दी थी । हम सभी जानते हैं कि देश तब गुलाम हुआ जब कभी इस देग? में फिरकादराना आग आपस में भडकी । जै से अभी आर्य साहब कह रहे थे कि कम्युनिस्टों की थ्यूरी, धर्म अफीम जैसा नशा है, यह एक जहर है जिसके सेवन से इन्सान इन्सानियत को छोड़ कर इसके वश में हो जाता है । जब हम कभी पुरानी हिस्टरी को देखने हैं तो हमें मालूम होता है कि विदेशी कहा से मुट्ठी भर फौज के साथ यहां पर आए थे । इन देश मे रजवाड़े थे उनके अनेका नेक जाति के राजा थे, उनकी आपस में बनती नही थी इमलिए एक राजा दूसरी कौम के राजा पर हमला कर देता था । उनकी आपस की फूट के कारण इतना बड़ा हिन्दुस्तान जिसकी सीमाएं बहुत दूर दूर तक फैली हुई थी उनका गुलाम हो गया. । यदि आज भी कोई व्यक्ति या नेता किसी धर्म या पार्टी से सम्बन्ध रखता है और वह इस किस्म की गलत कोशिश करता है तो मैं समझता हू कि वह देश के लिए सबसे बड़ा गद्दार है । आज हम पंजाब में देखते है कि रास्ता भटके हुए कुछ नौजवान जिनको हम उग्रवादी कह ते है, वे आपस के भाईचारे. को तोड़ने के लिए विदेशी हाथे ख में खेल रहे हैं । जो विदेशी ताकतें यह नही चाहती कि हिन्दुस्तान फूले

'फरने, हिन्दुस्तान की आजादी कायम रहे और हिन्दुस्तान अपने पावा पर खड़ा हो । वही विदेशी ताकतें यहां पर ऐसी हरकतें करवा रही है । जो गुरुद्वारे है जहां हर आदमीं इज्जत से अपना मस्तिष्क झुकाता है, वहां जा कर प्रार्थना करता है, उन गुरुद्वारों में कई मानमों, वे गुनाहों का कत्ल किया गया है । यह इस बात का सबूत है कि वे लोग हिन्दुस्तान की रिवायात को नहीं मान रहे है । वे केवल अपनी इच्छा को परा करने के लिए देश की आजादी को तोड़ने की बात कर रहे हैँ । जै से हम जय चन्द के जमाने की हिस्टरी को देखते हैं उसी तरह सें आन कुछ लोग उस किस्म की हिस्टरी दोहराने की और वह रोल अदा करने की बात कर रहे हैं । यह मारे गलत काम विदेशी हाथों में खेल कर कर रहे हैं । हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री राजीव गांधी के आहवान पर जो दिन रात इसी बात में लगे हैं कि देश की आजादी को इस ढंग से बचाया जा सकता है कि हम देश मे एकता लाएं और हम सभी भाईचारे का वातावरण बनाएं । आज वे लोग जिन्होंने हमारे स्वर्गीय प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी जी का बड़ी बेरहमी से रूलर किया था, उनके दिमाग में देश की एकता के लिए देश के भाईचारे को कायम रखने की कोई बात नहीं थी । हम भी समझते हैं कि हिन्दू सिख दो नही है । सिखों को हिन्दुओं से अलग नही किया जा सकता । एक ही मां के दो बेटे हैं । एक केस रख लेता है तो वह सरदार बन जाता है, दूसरा केस नही रखता वह हिन्दू बन जाता है । यदि कोई हिन्दू सिख के भाईचारे को तोड़ने के लिए कोई ऐसी गलत बात करता है तो वह देश के साथ सवसे

बड़ी गद्दारी करता है । आज इस देश मे अगर भाईचारा बना रहेगा तो एकता के प्रयास चलते रहेंगे, जैसे हमारे प्रधान मंत्री हमेशा एकता दिवस मनाने के लिए प्रोग्राम भेजते रहते हैं । पिछले दिनों भी एकता दिवस मनाया गया था । मैं समझता हूं कि देश मे हर जगह पर उस एकता दिवस का वहुत स्वागत किया गया था और हर आदमी की यह चेष्टा थी कि हम देश की एकता बनाए रखे । आज हरियाणा के अन्दर भी कुछ पार्टियो के सियासी तोरा जो इस किस्म का वातावरण पैदा करने की कोशिश कर रहे है जिनका कोई आधार नही है, कोई अम्ल नही है और न ही वे किसी बुनियाद पर चलते है, केवल लोगों के जजबातों से खेल कर किसी बात को लेकर आगमी भाईचारे को तोड़ने और स्टेट को नुक्सान पहुंचाने की वात करते हैं । लेकिन इस तरह की गलत बातें करने से कोई भी पार्टी, कोई भी नेता सफर नहीं हो सकता । कुछ दिन पहले चण्डीगढ़ पंजाब को देने की बात थी, उस समय हरियाणा मे अपोजीशन के नेताओं ने, चण्डीगढ़ और एस० वाई० एच० नहर कें मसले से लोगो के जजबातो को भड्का कर आपसी भाईचारे के वातावरण को तोड़ने को कोशिश की और हरियाणा की सम्पति को नुक्सान पहुंचाने की कोशिश की । लेकिन हम सबको इस बात का फख्र है कि जब से चौधरी बंसी लाल जी ने हरियाणा की बागडोर सम्भाली है, हम चारों तरफ देखते है कि किसी भी पार्टी मे, चाहे वह पंजाब में है, चाहे हरियाणा में है, किसी की जुबान पर चण्डीगढ़ के बारे मे कोई वात नही है । जो लोग हमेशा चण्डीगढ़ के लिए खून खराबे की

बात करते थे, कई दफा चण्डीगढ़ के मसले को लेकर कई जवानों ने जानें भी गंवाई और काफी नुक्सान भी किया गया लेकिन चण्डीगढ़ वही का वही है । वही पर हरियाणा है. वही पर पगने हैं, वह सारा मसला ही खत्म हो गया । जिन पार्टियों की पापुलरिटी थी वह भी खत्म ही गई । यह सारी देन चौधरी बंसी लाल जी की है । ज्यो ही कमीशन नें यह फैसला दिया कि चण्डीगढ़ के बदले में हरियाणा को 70 हजार एकड़ जमीन मिलनी चाहिए तो पंजाब के भाई भी, जिसके लिए संत फतेह सिंह मरने की बात कहते थे कि यदि चण्डीगढ़ पंजाब को नहीं मिला तो मैं जल कर मर जाऊंगा, वही पंजाब के लोग मान कहते हैं कि हमें चण्डीगढ नहीं चाहिए । हरियाणा के मुख्य मंत्री भी कहते हैं कि हमें नई राजधानी बना दें हमें चण्डीगढ नही चाहिए । जो लोग इस तरह के मसलों को ले कर खून बहाने की बात करते हैं उनको यह सोचना चाहिए कि यह खून अपना ही है पराया नही है जिसका खून बहायेंगे । यदि कोई भाई– भाई का खून बहाता है तो वह देश के साथ बहुत बड़ी गद्दारी करता है । जो लोग इस किस्म की बात करते हैं वे लोग गुमराह हो चुके हैं । पिछले दिनों अखबारों में भी आया था, उसे पढ़ कर बहुत शर्म महसूस हुई क्योंकि कुछ लोगों ने यहां पर रह कर भी यह कहा कि जब हिन्दुस्तान और पाकिस्तान की लड़ाई होगा उस समय हम पाकिस्तान का साथ देंगे । उन लोगों के लिए यह बड़े शर्म की बात है । कुछ लोग विदेशो मे बैठे हुए ये सारा काम करवा रहे हैं । कुछ विदेशी–ताकतें भी नही चाहती कि भारत एक रहे । कुछ

विदेशी ताकतें हमारे यहां के कुछेक नौजवानों को भड्का रही है । ये नौजवान उन गुरुओं के नाम पर वातावरण खराब कर रहे है जिन्होंने इस देश के लिए कुर्बानी दी और देश के लिए शहीद हुए । सीसगंज गुरुद्वारा आज इसी नाम से प्रसिद्ध है कि गुरु तेगबहादुर ने जम्मू–कश्मीर से लड़ते लड़ते यहां पर आ कर अपना सिर कटवाया था । उन्होंने इस देश की रक्षा के लिए, और धर्म की रक्षा के लिए ही अपना बलिदान दिया था । आज वही नौजवान जो गलत काम कर रहे हैं, उन गुरुओं के नाम पर गलत काम करके, गुरुओं का अपमान कर रहे हैं । गुरु गोबिन्द सिंह जी ने भी अपना बलिदान इस देश की रक्षा के लिए दिया था । उन्होंने अपने दोनों बच्चों को देश की रक्षा की खातिर जालिमों द्वारा दीवार में चिने जाने पर सांस तक नही निकाली । इस देश की मिट्टी से हमेशा शहीद पैदा हुए हैं और आगे भी होते रहेंगे । गुरु गोबिन्द सिंह जी ने बाबा बन्दा बहादुर बैरागी को भी देश की रक्षा करने के लिए, लड़ने–मरने के लिए तैयार किया और बाबा बन्दा बहादुर बैरागी ने भी देश की रक्षा कें लिए काम किया । ऐसे लोग देश में फूट डालने की कोशिश कर रहे है और देश की आजादी के साथ खिलवाड़ कर रहे है । सरदार भगत सिंह जी भी इस देश के लिए शहीद हुए । वे किसी एक कौम के नही थे बल्कि सारे भारत के एक महान सपूत थे । वे भारत मां के लाल थे । आज जौ लोग पंजाब के अन्दर वातावरण खराब करने की कोशिश कर रहे है उनकी हम सभी कौ हौसला अफजाई नहीं करनी चाहिए बल्कि एसे लोगों का डटकर विरोध करना चाहिए ।

इस देश के न जाने कितने नौजवानों ने आजादी के लिए हंसते हंसते फासी के फन्दे को चूमा है । पंडित जवाहर लाल नेहरू, महात्मा गांधी व श्रीमती इन्दिरा गांधी जी ने इस देश की एकता के लिए सारी जिन्दगी काम किया । उन्होंने सारे –भारत वर्ष में शान्ति का वातावरण कायम किया । हमारी भूतपूर्व प्रधान मली श्रीमती इन्दिरा गाधी भी इस देश की एकता के लिए ही शहीद हुई । उन्होंने इस बात को अपने मन मैं कभी रही– रखा कि फलां कौम का व्यक्ति उसके साथ काम कर रहा है । वह सभी कौमों को अपना भाई समझती थीं । हम सब को उन द्वारा दिखाए हुए रास्ते पुर चलना चाहिए । आज हमारे जो कुछ नौजवान भाई गलत रास्ते पर चले गए हैं उनको ठीक रास्ते पर लाने का काम हमे करना होगा और जो वातावरण वे खराब कर रहे है उसका शान्ति से डटकर मुकाबला करना होगा । यदि हम शान्ति से रहेंगे तो वे अपने इरादों में कभी कामयाब नही हो पायेंगे । जो कुछ नौजवान भटके हुए हैं वे बेगुनाहों का कत्ल कभी बसों से उतार कर करते हैं तो कभी रास्ते में चलतँ चलते कर रहे हैं । जो भी पार्टी या व्यक्ति शान्ति से, सब्र से काम लेगा वही हमेशा कामयाब होता है । महात्मा गांधी जी ने यही सबक हम सब को सिखाया है । सारीं दुनिया उस धोती–लंगोटी वाले की पूजा. इसीलिए करती है कि उनमें सब्र था, और जो भी वे काम करते थे वह शान्ति से और असहयोग आन्दोलन के जरिए करेत थे । वे कभी भी बदते की भावना से कोई काम नहीं करते थे । जौ रास्ता हमें महात्मा गांधी जी ने सिखाया है उसी पर हमें चलना होगा, तभी हम इन भटके

हुए नौजवानों के इरादों को ना– कामयाब कर पायेंगे । यहां पर उधम सिंह जैसे नौजवान पैदा हुए हैं, जिन्होंने इस देश की ये इज्जती का बदला लेने कें लिए इंगलैण्ड में जा कर उस जनरल पर गोली चलाई जिन्होंने अमृतसर के अन्दर काफी बेगुनाह लोगों को मरवाया था । लाजपतराय पर जो लाठिया चलाई थी, हमारे महान सपूतों ने उसका वदला लिया । हमारे उन शहीदों ने यह काम किसी जजबात में आ कर नही किया बल्कि इस देश को आजाद कराने के लिए किया । देश की एकता और आजादी के लिए ही उन्होंने अपनी कुर्बानी दी । आज कुछ लोग पं जाब के अन्दर वातावरण को खराब करने की कौशिश कर रहे है । कुछ लौग जातिपाति का भेदभाव लोगों में फैला कर एक कौम को दूसरी कौम से अलग करने के लिए लगे हुए है । हरियाणा में भी कुछ लोगों ने ऐसा वातावरण खराब करने की कोशिश की थी । जब से चौधरी बसो लाल जी ने इस प्रदेश की बागडोर संभाली है, उनके इरादों को नाकामयाब कर दिया है और हरियाणा में भी जो आग के गोले भड़क रहे थे, उनको शान्त किया है । मुझे आशा है कि हम सभी आपस का भाई–चारा कायम रखने के लिए काम करते रहेंगे और देश की आजादी के लिए पूरा सहयोग देते रहेंगे । इन्ही शब्दों के साथ में आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं ।

डा ० ओम प्रकाश शर्मा (जगाधरी) : डिप्टी स्पीकर महोदय, इस समय सदन मे सरदार लछमन सिंह जी एम ० एल ०

ए ० को तरफ से जो प्रस्ताव पेश किया गया है और जो फिरका–परस्ती और जातिवाद का जहर हमारे अन्दर फैल रहा है, उस पर चचा चल रही बै । हमारे देहा और प्रदेश की खुशहाली का जो वातावरण था, उसको कुछ लोग खराब करने पर तुले हुए है। हमारे वे भाई जो हमारे खून का एक हिस्सा हैं, वे फिरका–परस्ती का वातावरण चारों तरफ फैलाने पर तुले हुए हैं । जो लोग शान्त वातावरण को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं, उनकी हम सब को कठोर शब्दों में निन्दा करनी चाहिए । डिप्टी स्पीकर साहब, जहां तक फिरका– परस्ती का ताल्लुक है उसमे तमाम देश को लेना होगा । जातिवाद लाने की जहा तक बात है, उसके बारे में मैं अपने प्रान्त की बात कहूगा । मैं समझता हूं कि हरियाणा के अन्दर यह जातिवाद का जहर जितनी जड़े पकड़ गया है उस को खत्म किया जाना आज के दिन बहुत जरूरी है । जो लोग जातिवाद के शिकार हो गए हैं, वे दूसरे लोगों के साथ कैसा बर्ताव कर रहे है और वे कैसा ताल्लुक बनाये हुए हैं, उसके पीछे उनका क्या इन्ट्रैस्ट है इन सारी बातों को जानने के लिए हमें 'जाति' शब्द को समझना होगा । 'जाति' संस्कृत का शब्द है । संस्कृत में 'जाति' शब्द का मायना हए 'ब्रान्च', जिसे 'शाखा' भी कहते हैं और 'टहनी' भी कहते हैं । समाज एक वृक्ष हैं और जितनी भी जातियां हैं ये इसकी ब्रांचिज है । वड़े फिरके केवल 4 हैं । वे है हिन्दु, मुस्लिम, सिख और ईसाई । डिप्टी स्पीकर साहब, भारतवर्ष में जम्मू काश्मीर सै लेकर कन्या कुमारी तक 5 हजार कास्टस और सबकास्टस है । हर 19 मीरन के बाद बोली

बदरा जाती दै । आप चण्डीगड़ से 20 मील के फासलें पर जाए आप बोली को बदला हुआ पाएंगे । यही बात पंजाब में है और यही हरियाणा में हे । मैं जगाधरी का रहने वाला हू । वहां से 19 मील के फासले पर सहारनपुर है । वहा गर हम बोली को बदला हुआ पाते है । इसके अलावा आप कही और आगे चले जाए तो वहां भी बोली को वदला हुआ पाएगे । जम्मू काश्मीर से लेकर कन्या कुमारी तक यह बहुत वड़ा देश है । इसमें अनेको जातिया और उप–जातियां है । अगर हम यहां जाति के नाम पर झगड़े कर बैठें तो आप अन्दाजा लगा सकते है कि उसका क्या कुछ इध हो सकता है । डिप्टी स्पीकर साहब, जब ऋषि मुनियों द्वारा जातियों की रचना की गई थी तो उनकी भावना यह थी कि हमारा समाज एक वृक्ष है और इसकी जितनी ज्यादा से ज्यादा ब्रांचिज होंगी, उतने उनको पत्ते लगेंगे, फूल लगेंगे और फल लगेगे तथा उस वृक्ष के नीचे बैठने वालों को ज्यादा से ज्यादा छाया मिलेगी, आराम मिलेगा और सुगन्धित वाता– वरण मिलेगा । इस भावना के तहत एक टहना लगा । आगे उसकी ब्रांचिज होती चली गई । कहने का मतलब यह है कि हमारी जातियों का जो सिस्टम है इसको बहुत अच्छी भावना को लेकर के हमारे ऋषि मुनियो ने बनाया था । इसके जो दूसरे पहलू थे उनके बारे में उस वक्त नहीं सोचा गया । आज जातिवाद से क्या हो रहा है त् जातियों से जुदाई पैदा हो रही है, अलगाव पैदा हो रहा है, तंग नजरिया और नफरत पैदा हौ रही है । डिप्टी स्पीकर महोदय, अगर जातियों सै, जो अच्छाई के लिए बनाई गई थीं इस तरह के जरासीम फैलते हैं

तो यह कोई अच्छी बात नहीं । साथ लगे हुए प्रान्त पंजाब की बात मैं करता हूं । पांच सौ वर्ष से कुछ अर्सा पहले गुरु नानक देव जी का जन्म हुआ । उनके बारे में कहा गया, ''मिटी घुन्घ जग चानन होया'' । उस दौर मैं जो कि बाबर का दौर था, एक जुल्मा सितम का दौर था, उस जुल्मों सितम को खत्म करने के लिए, लोगों में जागृति लाने के लिए, जुल्म के खिलाफ डटने के लिए गुरु नानक देव जी आए । तीन सो वर्ष से कुछ ज्यादा अर्सा पहले गुरु गोबिन्द सिंह जी का जन्म हुआ । उनका जन्म पंजाव में नहीं हुआ बल्कि बिहार की राजधानी पटना साहब के अन्दर हुआ । बालक गोबिन्द राय के नाम से जाना गया । उस वक्त भी मुल्क के अन्दर जुल्म का बाजार गर्म था । उस जुल्म के खिलाफ लड्ने के लिए गुरु गोबिन्द सिंह जी महाराज ने खालसें सजाया । मकसद उनका क्या था? उनका मकमद यह था कि जुल्म को खत्म किया जाए । जुल्म को खत्म करने के लिए जुल्म के खिलाफ लडने के लिए ही खालसा सजाया गया था । जिन्होंने जुल्म कौ खत्म करना था, जुल्म के खिलाफ लड़ना था आज वही लोग जुल्म का वातावरण पैदा कर रहे हैं, आज वही लोग भटक गए हैं, आज वही तोरा जो अपने आपको गुरु गोबिन्द सिंह महाराज का सबसे बडा पैरोका कहते हैं डस तरह की बात कर रहे है । मैं सारे सिख भाइयों की बात नही करता । मैं उन भटके हुए नौजवानों की बात करता हूं जो अपने आपको गुरु गोबिन्द सिंह का पैरोकार बताते हैं । मै उन भटके हुए नौजवानों की बात करता है जो गुरु गोविन्द सिंह जी के सच्चे धर्म को भुला कर खुद जालिम वन गए

हैं, खुद हत्यारे बन गरा है, रोज कही न कही हत्या कर देते हैं, किसी की जान ने लेते है, किसी का सुहाग उजाड़ देते हैं और किसी मासूम बच्चे या औरत को हलाक कर देते हैं । गुरु गोविन्द सिंह महाराज ने ऐसा काम करने की बात कहीं अपनी वाणी के अन्दर नही कही है । उन्होंने तो धर्म का प्रचार किया । उन्होंने कहा है कि मेरा जन्म धर्म को वचाने के लिए हुआ है । उन्होंने यह भी कहा है कि पिछले जन्म में वे हेम कुन्ड में अपने धार्मिक कर्तव्य में, आरा–वना में लगे हुए थे और एक खास मिशन को लेकर भगवान ने मुझे धरनी शर भेजा है । वह मिशन क्यो था ? वह मिशन था धर्म को बचाया जा और जालिमो का नाश किया जाए । इन भावनाओं के साथ ही, इन विचारों के साथ ही धर्म को बचाने के लिए गुरु गोविन्द सिंह जी ने काम किया और अपने बच्चों तक को दीवारों में चिनवाया । लेकिन आज उनके पैरोकार कहलाने वाले लोग जो एराम कर रहे है उससे उनकी आत्मा को कितना कष्ट पहुंच रहा होगा, स्वर्ग के अन्दर वे क्या महसूस कर रहे होंगे यह कहना मूश्किल है । यह फिरकापरस्ती क्या है यह जातिवाद क्या है? इसके बारे में मैं अपने सिख भाइयों से एक ही वात कहता हूं कि अगर हिन्दू नही होते तो सिख कहा से आते? हमारे और उनके अन्दर दौडने वाला खून एक है । आज भी अनेक जगह देखने को मिलता है कि अगर का मोना है तो बेटा सिख है, एक भाई सिख है तो एक भाई मोना है । क्या इस तरह के खून के रिश्ते को वे खत्म कर देंगे ? क्या रोटी और बेटी के रिश्ते को वे खत्म कर देंगे? क्या एक भाई को दूमरे भाई सै वे

अलग कर देंगे या बाप को बेटे से वे अलग कर देंगे ? पंजाव भारतवर्ष में अन्न का भन्डार है । अगर हमारे भारतवासियों को पूर्ण रूप से अन्न न मिले तो आप अन्दाजा लगा सकते हैं कि हमारे देश की क्या दशा हो सकती है । मुझे सन 196 6– 67 की बात याद है । सन 1967 में मैं एम ० एल ०ए० था । उस वक्त हमारे हरियाणा को एक लाख टन अनाज सैन्ट्रल पूल से मंगवाना पड़ता था । अगर यह एक लाख टन अनाज सैन्ट्रल पूल से नहीं आता तो लाखों आदमी भुख से मर जाते । आज हमारे प्रान्त में कांग्रेस की सरकारों की वजह से कितनी प्रगति हुई है यह प्रशसा के योग्य है । सन 1966 में जब हरियाणा बना तो यह कहा जाता था कि यह अपने पांव पर भी खड़ा यी हो सकेगा । ये तो अपने नौकरों को तन्खाह भी नहीं दे सकेंगे लेकिन उन्हें पता है कि आज पंजाब के वही पंजाबी भाई हरियाणा में है । पंजाब हरियाणा का बड़ा भाई है । उसी पंजाब के कुछ भाई इधर हरियाणा में आ गये और कुछ भाई पंजाब में रह गये । जो भाई वहां से यहां आये हैं वही आज हरियाणा में बैठे हुए हैं । हरियाणा भी पहले युनाइटिड पंजाब का हिस्सा था ।

12.00 बजे ।

डिप्टी स्पीकर साहब, हमें आज इस देश से औंर प्रान्त से इस लानत को खत्म ही करना है । यह लानत देश की अखण्डता के लिए बड़ा भारी खतरा है । मुझे याद है कि यह खतरा मेरे शहर में भी हुआ था । जिन दिनों हमरी भारतवर्ष की

श्वान मंत्री श्रीमती इन्दिरा गान्धी की हत्या कर दी गई तो लोगों में जोश पैदा होना कुदरती बात थी, री–ऐक्शन होना कुदरती बात थी । उनके लिए किसी ने किसी को मजबूर नहीं किया लेकिन हमारी कांग्रेस पार्टी को बदनाम किया जाता है कि कांग्रेस वालों ने दिल्ली के अन्दर सिखों को मारा । ऐसी बोत नहीं है और कांग्रेस पार्टी के लोग तो ऐसी बात सोच भी नहीं सकते । मैं एक छोटी सी मिसाल अपने जगाधरी शहर की देना चाहता हूं । जगाधरी में यमुनानगर की अपेक्षा बहुत कम झगड़े हुए जब कि दोनों शहरों का थोड़ा ही फासला है । एक सिख की दुकान शहर में रात के समय फिरकापरस्त लोगों ने जला दी और उन्हीं फिरकापरस्त लोगों ने यह बात मशहूर कर दी कि यह दूकान कांग्रेस वर्करों ने जलाई है । हम लोगों को सुबह पता लगा कि शहर में यह शोर मच रहा है कि कांग्रेस (आई ०) के वरकारो ने आग लगाए है । हमने उसी वक्त कांग्रेस वर्करों को इकट्ठा किया । हमने हर बात की जानकारी ली । जब हमें सही आदमी का पता चल गया कि शरारती तत्व कौन था तो हमने उस धब्वे को मिटाने के लिए सारे कांग्रेस (आई ०) के लोगों को कहा कि इस सिख भाई को कुछ राशि दे कर मदद की जाये । हमने लोगों को जब यह बात कही तो थोड़ी ही देर में पांच हजार रुपये इकट्ठे हो गये । हमने उस सिख भाई को पांच हजार रुपये सहायता के रूप में दे दिये और सिख भाइयों को बुलाया कि ये सव कांग्रेस (आई ०) के वर्कर्ज बैठे है इनमें से एक भी वर्कर फिरकापरस्त नहीं हो सकता और न ही ऐसी गलत बात करने के बारे में ये सोच सकते

हैं । यह सब गलत प्रोपेगन्डा है । हमने उससे कहा कि यह पांच हजार रुपयें हम इकट्ठे करके आपको दे रहे हैं ताकि आप नये सिरे से अपने पांव पर खड़े हो सकें । हमने इतना ही नहीं किया बल्कि उसे बैक से कर्जा भी दिलाया और सरकार से थोड़ी इमदाद भी दिलायी । आज के दिन वह भाई पहले से चार गुना सरमाये का मालिक है । इसी तरह से मेरी कांस्टीच्यूऐंसी में एक और सिख भाई को भी नुक्सान पहुंचाया । यमुनानगर को बस जा रही थी । जैसे ही वह सिख भाई लोकल बस से उतरा तो उसके सिर पर किसी ने डन्डा मारा । वह सिख भाई शरिरिक रूप से कमजोर था इसलिए एक डन्डे से ही उसकी हत्या हो गई । जब हमें यह पता चला तो हम उसके गांव में गये । जगाधरी शहर में कुछ सरदार फिरकापरस्त थे वे अमृतसर पहुंच गये कि हम इस भाई को अमृतसर से मदद दिलायेगे । हमने उनसे कहा कि पता नहीं अमृतसर से कब मदद आयेगी और सरकार भी कब मदद देगी इसलिए हमने उसी समय दस हजार रुपये जमा किये और उसकी विधवा औरत को दे दिये । ये दस हजार रुपये हमने अपनी पार्टी की ओर से दिये । सरकार की तरफ से छरू महीने के बाद इमदाद आयी लेकिन कांग्रेस पार्टी ने उसी वक्त उसकी मदद की । हमने अपने शहर में फिरकापरस्ती नहीं फैलने दी । हमने कहा कि हम सब भाई हैं । हमारा आपस में भाईचारा कायम रहेगा । हमारा रोटी बेटी का रिश्ता है । मांस को नाखूनों से अलग नही किया जा सकता । यह बात ठीक है कि यह सैंसटिव इशू है । इसलिए मैं इस सदन के साथियों से रिक्वैस्ट करूंगा कि जब भी कोई

भाई हाउस मे बोले तो वह जजबात की रौ में न आये । अपनी जिम्मेदारी, अपनी पार्टी की विचाराधारा को सामने रखते हुए अपने विचार यहां हाउस में रखें और इस ढंग से रखें जिससे हमारी पार्टी पर कोई उंगली न उठा सके । हमें फिरकापरस्त न कह सके । हमें जजबात की रौ में बह कर कोई ऐसा शब्द नहीं कहना है जिससे लोगों के दिमाग में गलतफहमी पैदा हो । सरदार लछमन सिंह जी को पता है कि जगाधरी में हमने क्या कुछ किया था । हमने किसी पर कोई एहसान नही किया । अपने फर्ज को पूरा किया है और बतौर कांग्रेस कार्यकर्त्ता के रूप में किया है । यह हमारा धर्म था, फर्ज था कि हम अपने सिख भाइयों की मदद करें क्योंकि उस वक्त ऐसे हालात थे कि हमें अपनी जान खतरे में डाल कर उनकी सहायता करनी पड़ी । हमने पुलिस वालों पर भी एतबार नहीं किया । हम पुलिस को साथ ले कर कहीं भी नहीं गये । हर सैसटिव प्वायंट पर आठ आठ वर्कर्ज डियूटी पर लगा दिये और पुलिस के हाथ में किसी भी बात को नहीं छोड़ा । हो सकता था कि पुलिस वाले भी जजबात की रौ में बह कर कोई गलत काम कर दें । हमारे कांग्रेस के वर्कर्ज डियूटी पर खड़े रहे । जगाधरी में किसी की ताकत नहीं थी कि कोई विस्फोट कर दे ।

डिप्टी स्पीकर साहब टाईम तो काफी हो गया लेकिन इकबाल ने एक शेर कहा है–

मजहब नही सिखाता आपस में बैर रखना ।

हिन्दी हैं हम वतन हिन्दोस्तां हमारा ।

एक बात मैं सिख भाईयों, मुसलमान, ईसाई, बौद्ध, पारसियों और जैनियों से कहना चाहूंगा कि वे चाहे किसी भी धर्म में यकीन रखते हों लेकिन जो भी इस भारतवर्ष कीं धरती पर रह रहे है, उनको यह मानना होगा कि वे पहले भारतीय हें और बाद में कुछ और है । अगर वे इस बात को नही मानते हैं तो ऐसे आदमियों को भारतवर्ष की धरती पर रहने का कोई अधिकार नही है । उन्हें भारतवर्ष को छोड़ कर चले जाना चाहिए । यह भी हमारा फर्ज है और देश में रहने वाले हर मैम्बर की डियूटी है कि वह अपने देश के लिए ज्यादा से ज्यादा कुर्बानी दें । अगर वक्त आया तो हम कुर्बानी भी देंगे लेकिन इस बात को जरूर कहना चाहूंगा कि इस फिरकापरस्ती का जड से विनाश करना है । ये जातियां जो बनायी हैं, ये समाज के कल्याण के लिए और अच्छा सुगन्धित वातावरण देने के लिए बनाई है । यह जाति सिस्टम बुरा नहीं है लेकिन बुरे लोग वे हैं जो वैस्टिड ड्न्टैरस्ट में यकीन रखते हैं । हमें उन लोगों मे बचना है । सरमायेदार अपने वैस्टिड ड्न्ट्रैस्ट के लिए कुछ भी कर सकते हैं चाहे वह डस देश का सरमायेदार है, चाहे किसी अन्य देश का है, वह अपने इन्टैरस्ट के लिए इस देश को खत्म कर सकता है । ऐसे लोगों से हमें बचना चाहिए । हमें सदन में ओथ लेनी है कि जब हम बाहर निकलें तो हमारा दिल और दिमाग इस वात पर हो कि हमने देश की रक्षा करनी है और देश की अखण्डता को कायम रखना है । हरियाणा

के लिए एक खुशी की बात यी है कि हमें एक अच्छा लीडर मिला है । चौधरी बंसी लाल ने पहले भी हरियाणा पर अपनी छाप छोड़ी थी और वे जातिवाद और फिरकापरस्ती के दुश्मन है । वे चाहते है कि जातिवाद और फिरका– परस्ती जड़ से उखड़े । यह हमारी खुशकिस्मती है कि हमें ऐसा लीडर मिला है । इन लफजों के साथ जो प्रस्ताव सरदार लछमन सिह जी की तरफ से डस हाउस में रखा गया है मैं उसका समर्थन करता हू और फिरकापरस्त ताकतो और जातिवादियो की कठोर निन्दा करता हूं । अपने हरियाणा में रहने वाले भाइयों और पंजाब मे रहने वाले भाइयों से यह अपील भी करता हूं कि वे धर्म को डियूटी मान कर चलें । अभी आर्य साहव ने धर्म के 10 लक्ष्य वताये है जोकि हमारे वेदो मैं बताये हुए हैं । हमारी डियूटीज या फर्ज दो जगह बंटे हुए है । एक अपने लिये और दूसरे समाज के लिये । हम अपने लिये जो डियूटी करते हैं वह आत्म कल्याण के लिये है और जो समाज के लिये हमारी डियूटी है, वह समाज कल्याण है । अगर हम अपने फर्ज को मानते हुए अपनी ही बात करते हैं और समाज कल्याण की बात भूल जाते है तो धर्म अधूरा है । अगर हम समाज कल्याण की बात करते हुए अपने आत्म कल्याण की बात नही करते तो भी हमारा धर्म अधूरा है । अपने लिये और सब के लिये हमारा धर्म दो जगहों में बंटा हुआ है । इन लफजों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं ।

श्रीमती करतार देवी (कलानौर) : आनरेबल डिप्टी स्पीकर साहब, हमारे सम्मानित सदस्य–सरदार लछमन सिंह जी ने जो गैर सरकारी संकल्प आज इस हाउस के मामने रखा है, मैं उसकी पुरजोर ताईद करने के लिये खड़ी हुई हूं । डिप्टी स्पीकर साहब, यह प्रस्ताव इतना महत्वपूर्ण है कि इसका सीधा वास्ता विश्व शान्ति से है । देश की एकता और अखंडता तथा अपने प्रान्त की प्रगति के साथ ही यह प्रस्ताव खडा हुआ है । क्योंकि साईन्स की सुविधाओं और परमाणु शस्त्रों की होड़ ने दुनिया हो इतना छोटा और भयभीत बना दिया है कि कही पर भी इन्तजाम में अगर छोटी सी गलती हो गयी तो वह सारे संसार के लिये सर्वनाश का कारण बन सकती है । और यदि महात्मा गांधी की तरह से आत्म बल का सहारा लेकर जनजीवन का प्रतिनिधित्व करके अगर कोई अपना बलिदान देने की हिम्मत रखता है तो वह मानवता के कल्याण का कारण भी हो सकती है । इस प्रस्ताव के दो भाग है । एक भाग में तो उन तत्वों की घोर निन्दा की जा रही है जो अपने स्वार्थ सिद्धि के लिये जन–साधारण में न केवल मजहब के नाम पर बल्कि जाति–पाति के नाम पर आपस में बांट कर, नफरत पैदा करते हैं । दूसरे भाग में राज्य सरकार की इस आपसी भाईचारे को बनाये रखने के लिये, कमजोर वर्गों के हितों की सुरक्षा के लिये जो कदम उठाये हैं, उन के लिये मुख्य मंत्री जी की या डस सरकार की सराहना की गयी है । मैं इस पर अपने विचार रखते हुए एक दौ बातें यहां पर कहना चाहूंगी । डिप्टी स्पीकर साहब, एक बात के लिये मैं आपसे विशेष प्रार्थना

करूंगी कि मैं सदन में बहुत कम बोलती हूं इसलिए अगर मुझे बोलते हुए दो मिनट ज्यादा भी लग जायें, तो वह मुझे दे दिये जायें । इस वात की पूरी तरह से तफसील मे जा कर मै इसके महत्व को समझाने की कोशिश करूंगी । सबसे पहले हमें इस बात की तरफ ध्यान देना होगा कि आखिर हम गुलांम क्यों हुए थे ? हमारे गुलाम होने का कारण यह भी नही हो सकता कि हमारेरू यहां वीर नही थे । यह भी कारण नही रहा कि हमारे पास साधन नही थे । उसका केवल एक ही कारण था कि उस वक्त छोटी–छोटी जागीरें और रियासतें बना रखी थीं जिनको सव अलग–अलग नजरिये से देखते थे । एक पर अगर हमला हुआ तो दूसरे उसकी परवाह नही करते थे । यही कारण है कि सोने की चिड़िया कहलाने वाला हमारा देश भारत दूसरो का गुलाम हो गया । चाहे कोई किसान था, चाहे कोई मजदूर था, सब को ही कितनी दुर्दशा की हालत में रहना पड़ा था । हमारे बुजुर्ग अच्छी तरह मे जानते है कि गुलामी के समय में हमे किन–किन मुसीबतो का सामना करना पड़ता था । छेसे ही समय में मुझे एक कवि की बात याद आ रही है कि जव कभी भी कोई सत्य उद्घटित होता है तो किसी को ईसा बनकर सूली पर चढ़ना पड़ता है ओंर किसी को गांधी बनकर गोली खानी पड़ती है या किसी को इन्दिरा गांधी की तरह खून का कतरा कतरा बहाना पड़ता है । ऐसे संकटमय समय में किसी न किसी रूप में ईसा (भगवान) भी आते रहे हैं आ र आते भी रहेगे । का हम आजाद हो गये जैसा कि उन्होंने स्वयं गीता में कहा है ' यदा यदाहि धर्मस्य ग्लानिभवति भारत' ऐसे

समय में जहां निन्दा प्रशंसा उस समय के सोशल आर्डर और नेताओ की होती है, वहां उस समय की जनता के रोल का भी ऐतिहासिक महत्व माना जाता था । तो हमारे यहां पर आज लोकतन्त्र है । लोगों की इच्छा के मुताबिक ही सरकार बनती है, चाहे वह प्रदेश की हो या देश की हो । हमारे यहा जन–प्रतिनिधियो का बड़ा रोल है । हमेशा निन्दा और प्रंशसा उन्ही की हो सकती है क्योंकि जनता यह बड़ी गहराई से देखती है कि कौन इस समय क्या कर रहा है जब देश की आजादी का सवाल चल रहा था तो ऐसे माँके पर भी इसी तरह की भावना भड़काई गयी थीं । हिन्दुस्तान आजाद होने वाला था और देश मे चुनाव होकर सरकार बननी थी लेकिन उस समय हिन्दु–मुसलमान के नाम पर आपस मे एक ऐसी भावना मन में थी जिससे देश का बहुत नुकसान हुआ। लोगों में यह भावना पैदा हो गयी कि भारत आजाद हो गया लेकिन शायद उन्हें सस्ता पूरी मिले या न मिले । उन्होंने अपने जाति के सवाल को सारे मुसलमानों का एक सवाल बना दिया । यह भावना पैदा कर दी गयी कि हम मुसलमानों को अलग कौम मानकर रहेंगे । हमारे देश में जो मुसलमान भाई बसते थे, उन पर इसका असर हुआ और उनके मनों में यह भावना जागी । इसको रोकने के लिये महात्मा गांधी जी को नवाखली में पैदल जाकर यह विश्वास दिलाने की कोशिश करनी पड़ी कि भारत का जो स्वराज आने वाला है, उसमें अल्पसंख्यकों की रक्षा करने के लिये पूरी कोशिश की जायेगी । उन्होंने यह भी कहा कि यह उन पर अत्याचार करने के लिये नही है । फिर भी नफरत का जो

वातावरण बन गया था, उसके कारण अंग्रेजों ने फायदा उठाकर देश के दो टुकड़े कर दिये । महात्मा गांधी को बाद में इसके लिये बलिदान देना पड़ा । हम इतनी जल्दी उनके बलिदान को भूल जायेगे और इससे कोई सबक नहीं लेगे, यह तो कोई सोच भी नहीं सकता था । इसी बात को देखते हुए हमारे देश के लोगों ने कांग्रेस की नीतियों में आस्था रखते हुए, कांग्रेस के प्रोग्राम को देखते हुए कि कांग्रेस पार्टी ही ऐसी पार्टी है जिसने आजादी के टाईम से पहले भी और बाद में सत्ता संभालने के बाद भी देश में हमेशा धर्म–निरपेक्षता की वकालत की है, कांग्रेस पार्टी पावर में लायी गई इसने हमेशा आपसी सद्भाव का जीवन बनाने की कोशिश की और कितनी ही बार इन नीतियों का पालन करते हुए, इसके कई नेताओं को चुनाव में मुंह की खानी पड़ी है क्योंकि हम फिरकापरस्ती की बात नहीं करते । जब से भारत का नाम श्रीमती इंदिरा गांधी जी के नेतृत्व में सारी दुनिया में निर्गुट आन्दोलन के सरगना के रूप में रोशन हुआ है, तब से ही विवेकानन्द जी के सपनेँ को साकार करने में भारत अग्रणी हुआ है कि एक दिन दुनिया में विश्व शान्ति का अगर कोई देश संदेश देगा तो वह भारत ही होगा । आज हम विश्व में एक शक्ति गिने जाते हैं लेकिन कुछ विदेशी ताकतों को यह अच्छा नही लगता कि भारत इतना मजबूत वन जाये । वे इसे देखकर चुप–चाप नहीं बैठ सकतीं । कभी इस के क्षेत्र में छेड़–छाड़ शुरू करती है तो कभी कुछ और। उनको जो जलन है वह वास्तव में बंगला देश वाली जलन है कि हमने उसको क्यों आजाद करवाया । आपको याद

होगा पाकिस्तान का बंटवारा धर्म के आधार पर एक अलग देश के रूप में हुआ था । उस टू–नेशन थ्योरी को हमने झुठलाकर दिखा दिया । आपको याद होगा, पाकिस्तान की फौज अपने ही भाइयों पर जुल्म करती थी, बद्री बेरहमी से अपने ही भाइयों को कत्ल किया करती थी । आपको यह भी पता होगा कि किस तरह से भारत सरकार को उसे आजाद कराने के लिये इन्टरवीन करना पड़ा था । उस बात को वे लोग भूले नही थे । वे यह चाहते थे कि कहीं न कहीं से भारत का कोना तोड़ दिया जाये उसके लिये चाहे किसी भी तरह का. जहर फैलाना पड़े । इसी जहर के कारण आप आसाम की घटनाओ को याद कर सकते हैं । पंजाब जो हमारा सगा भाई है, हमारे पास में बसा हुआ है । उसमें जो कुछ होता है, उसके अगले दिन ही उसका असर हमारे प्रान्त में होता है, उसकी चर्चा करना भी मैं अपना फर्ज समझती हूं । हम समाचार पत्नों में भी पढ़ते हैं, लोगों की आपस में रिश्तेदारियां हैं, लोग इधर–उधर जाते हैं, पंजाब की सारी की सारी घटनाओं का हमारे यहां री–एक्शन होता है । रइगर हम सावधानी न बरतें तो कुछ भी हो सकता है । डिप्टी स्पीकर साहब, पंजाब के लोगों ने देश की आजादी के लिये बहुत भारी कुर्बानियां दी थीं आज इस तरह के काम किस तरह करने लगे हैं यह बान हमे समझ नही आती । इस आपसी अलगाव की भावना से पहले हम स्वयं नहीं जानते थे कि सिख धर्म कोई न्यारा धर्म है बल्कि हम तो यही समझते थे कि गुरु तेगबहादुर ने जब हिन्दू धर्म की रक्षा के लिये बलिदान दिया और उसके पश्चात गुरु गोविन्द सिंह ने हिन्दू लोगो

की रक्षा करने और हिन्दू धर्म की रक्षा करने के लिये यह सोचा कि कोई गुरिल्ला फोर्स बन सके जो उन लोगों से लड़ सके तो ठीक रहेगा । इसी उद्देश्य को सामने रखकर, इसी भावना से गुरु गोबिन्द सिंह जी ने पंथ खालसा की स्थापना की थी । आज जो गुरु गोबिन्द सिंह का नाम लेकर बेगुनाहों' को कत्ल करते हैं और आज जौ गुरुद्वारा में जाकर शरण लेते हैं मैं तो उनके करे मे यही कहूंगी कि वे लोग भूल गए हैं कि अमल में गुरुओं का मूल उद्देश्य क्या था और अगर भूले नहीं हैं तो वे जानबूझकर सब से ज्यादा अपमान गुरु ग्रंथ साहव का, गुरुद्वारा का और गुरुओं का कर रहे हैं । जो धर्म स्थानों में बैठकर अधर्म करते हैं वे कोई अच्छा काम नही करते हैं । धर्म स्थान जहां बैठकर देश के लिए यह प्रण लिया जाता था कि हम देश की अखंडता और एकता के लिए वलिदान देंगे वहां आज साजिश रची जाती है कि कल किसको और कैसे मारना है कहां से क्या लूटना है। जिन गुरुओं ने देश की एकता और अखंडता के लिए अपने शरीर की बोटी–बोटी नुचवा ली थी, आज उनके अनुयायी बता कर उपरोक्त साजिशें रचते हैं । वे लोग घोर निन्डा के पात्र है भिन्डरावाला, जिसने दुबारा जिन्ना का रूप धारण कर लिया था और विघटन के ऐसे हालात पैदा कर दिए थे जिससे हर भाई यह समझने लगा था कि कही खालिस्तान का स्वप्न साकार न हो जाए, ऐसा शक हर देश प्रेमी के मन में पैदा हो गया था । उसको और उनके साथियों को शहीद बताते हैं, वे भी जाने अनजाने देशद्रोह के अपराध में शामिल है । ऐसे तत्वों का पंजाब सरकार और वहां के

लोग डटकर मुकाबला करें, हमारा हर कदम और हमारा सर्मथन उनके साथ है । मैं श्री रोवेरियो, श्री सिद्धार्थ शंकर रें जो वहां के गवर्नर हैं और सरदार सुरजीत सिंह बरनाला की इस बात में प्रशंसा करुंगी कि उन्होंने इस बात की कोशिश की कि पंजाब में जो हिन्दू बसते है उनको कुछ विश्वास रहे कि वहां की सरकार उनकी रक्षा करेगी और वहां पर आपस में नफरत नही फैलने देगी । डिप्टी स्पीकर साहब, वहां के इस प्रकार के वातावरण से हमे भी काफी नुक्सान उठाना पड़ा है । डिप्टी स्पीकर साहब, कितने अफसोस के बात है कि गुरुद्वारो में जहां गुरुवाणी का पाठ होता है और जहां आदमी मन की शान्ति के लिए जाता हे और अब आदमी की कोई बात पूरी न हो तो उसकी मन्नत मानने के लिये जाता है, ऐसी जगहो पर प्रसाद लेते हुए बड़े–बड़े पुलिस अफसरों को मारा गया और इसलिये लोग वहां जाने से डरने लगे । ऐसे हालात में गुरुद्वारों को ऐसे गल्त लोगों से खाली कराने के लिये श्रीमती इंदिरा गांधी ने वह जहर का घूंट पिया जैसे शंकर भगवान ने देवताओं के सामने जब विष आ गया और प्रश्न उठा कि उसे कौन ग्रहण करे तो भगवान शंकर को वह विष ग्रहण करना पड़ा । श्रीमती इन्दिरा गांधी चाहती थी कि मेरे देश के टुकड़े न हो जाए, मेरे देश के भाई आपस में न लड़े' । जिस तरह से हिन्दू मुस्लिम एकता के लिए महात्मा गांधी ने बलिदान दिया उसी तरह से हिन्दू सिख एकता के लिए श्रीमती इंदिरा गांधी ने बलिदान दिया लेकिन अफसोस कौ बात है कि उनके बलिदान के बाद भी हमारी सोई हुई आत्मा नही जागी और आज भी पंजाब के कुछ

भाई जिनको आज उग्रवादी कहते हैं जो खुल्लम खुल्ला अलगाव की बात करते है और चोरी छिपे खालिस्तानी झंडे और खालिस्तान की आवाज बुलन्द करते है । उनकी अभी तक सोई हुई आत्मा नहीं जागी इसका हमें बहुत अफसोस हे । डिप्टी स्पीकर साहब, पंजाब इस इस देश का अग्रणी प्रान्तों में से एक रहा है और वहां इस समय धार है अन्धेरा । मुझे पूरी आशा है कि वहा की सरकार के प्रयत्नों से और वहां के बहादुर लोगों के प्रयत्नो से एक दिन वहां अवश्य ही प्रकाश होगा । डिप्टी स्पीकर साहब, ऐसे कठिन हालात में हरियाणा में जो कानून और व्यवस्था बनी रही और भाई–भाई का प्यार बना रहा और जैसा कि सरदार लछमण सिंह ने बोलते हुए कहा कि अल्पसंख्यको के अन्दर आज ऐसी भावना है कि हम हरियाणा में सुरक्षित हैं, हमारे साथ कोई नाजायज जुल्म नहीं होगा, इस सब का श्रेय चौधरी बंसी लाल को जाता है । मैं चौधरी बंसीलाल और उनकी सरकार की इस बात के लिए प्रशंसा करती हूं कि उन्होंने बहुत ही अच्छे स्टैप्स उठाए हैं और यही नहों कि उन्होंने सिर्फ कागजों पर आर्डर्ज दे दिए बल्कि उन्होंने बड़ो–बड़ी जनसभाओं में जहां चौधरी साहब बोले, बड़े खुले मन से और बिना इस वात की परवाह किए हुए कि किसी को यह बातू कैसी लगी, खुल्लम खुल्ला महात्मा गांधी, श्रीमती इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के सिद्धांतों में विश्वास व्यक्त किया । उन्होंने घोषणा की कि इस प्रान्त में अल्पसंख्यकों को किसी प्रकार डरने की जरूरत नहीं है । वह हमारे लिये उतने ही समानित नागरिक हैं जितने की और नागरिक हैं । मैं इसके लिये अपनी सरकार को

वधाई देती हूं । डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से अपने माननीय सदस्यों और गैलरी में बैठे हुए बुजुर्गो का ध्यान इस और आकर्षित करना चाहती हूं कि सिर्फ मजहब की लड़ाई तक ही इस चर्चा को महदूद करें इस प्रस्ताव की यह मंशा नहीं शै । बल्कि इसमें साफ तौर पर लिखा है कि वे लोग भी उतने हो गुनाहगार हैं । जो धर्म के नाम पर अर्धम का प्रचार करते हैं, धर्म के नाम पर भाई–भाई को लड़ाते हैं । डिप्टी सीकर साहब, मैं तो यह कहना चाहती हूं कि ये लोग तो गुनहागार हैं ही लेकिन वे लोग भी गुनाहगार हें जो लोगों को जाति–पाति के नाम पर लड़ाते हैं और यह लड़ाई किस चरम सीमा तक पहुँच गई थी यह हमें अच्छी तरह से याद है । डिप्टी स्पीकर साहब, हमारे विपक्ष के कुछ भाई, विपक्ष के हमारे बुजुर्ग नाम तो हरियाणा का लेते थे और कहते थे कि हम हरियाणा के हितों की रक्षा करेंगे लेकिन उन्होंने समाज के अन्दर ही अन्दर एक ऐसा घुन लगा दिया था कि एक बिरादरी को सब से अलग करके उसके दिल के अन्दर एक ऐसी नफरत और एक ऐसी भावना पैदा कर दी थी कि गांव में रहने वाला कमजोर वर्ग का भाई और पिछड़े हुए वर्ग का भाई यह समझता था कि रास्ता रोको आन्दोलन में न केवल पेड़ काटे जाएंगे बल्कि मैं भी अगर साइकिल लेकर जाऊंगा तो कही मैं भी जान से न मारा जाऊं । डिप्टी स्पीकर साहब, इस बारे मे चौधरी बंसीलाल बधाई के पात्र हैं कि उन्होंने जगह–जगह खुली सभाओं में जाकर यह कहा कि कोई भी एक जाति और कोई भी ऐसा व्यक्ति जो एक जाति का नारा देता है वह भले ही ब्राह्म्ण का नारा दे, भले ही

वह हरिजन का नारा दे वह कभी भी अच्छा व्यक्ति नहीं हो सकता । अगर कोई जाति समाज से, राष्ट्र की मुख्य धारा से अलग निकलेगी तो उसका अपना नुक्सान होगा और समाज के लोग उमसे नफरत करने लगेंगे । अगर वह मजबूत है तो दूसरों के अन्दर असुरक्षा की भावना आएगी और इससे देश विघटन की तरफ जाएगा । डिप्टी स्पीकर साहब, जगह–जगह आम सभाओं में हमारे मुख्य मन्द्री ने यह बात कहकर हुमारे उन कमजोर भाइयों का सोया हुआ आत्म सम्मान जगाया । हमारे विरोधी दल के भाई किस तरह मे लोगो को गुमराह करना चाहते थे और जाति पाति की भावना को भडका कर देश को कितना नुक्सान पहुचाना चाहते थे यह किसी से छिपी हुई वात नही है । डिप्टी स्पीकर साहब कितने आश्चर्य और दु:ख की बात है कि विरोधी दल के भाई डग तरह की बात एक पर्टिकूलर सैक्शन में बैठकर करते हैं । चौधरी देवी लाल, बुजुर्ग है, मेरा उनके बारे में कुछ कहना छोटा मुहं बड़ी बात वाली कहावत होगी लेकिन जो कुछ मैं कहना चाहती हूं वह इससे सम्बन्धित है इसलिए मैं जरूर कहूंगी । वे बहुत कम दिन विधान सभा में आए और एक दिन जब आए तो यह बोले कि पंजाब के अन्दर प्रकाश सिंह बादल की हकुमत जब तक नही होगी तब तक शान्ति नहीं होगी । डिप्टी स्पीकर साहब, इसका अर्थ मापन है कि मारा जो कुछ हो रहा है, पंजाब के अन्दर जो अशान्ति फैली हुई है, धर्म के नाम पर लोगों को बांटा जा रहा है उसके अन्दर सत्ता की भूख है और वह सत्ता हथियाने के लिए इस प्रकार की वात कर रहे हैं । डिप्टी स्पीकर साहब, इससे ज्यादा

दुख की तुक और बात है । उन्हेंने कुछ एम ० एल० एज० की एक कमेटी बनाई जो एस० वाई० एल० का काम देखने के लिये गई जिसकी सदन में भी काफी चची हुई । डिप्टी स्पीकर साहव, हरियाणा सरकार का इस नहर के बारे मे यह विचार है कि यह नहर हरियाणा के लोगों के लिए का जीवन रेखा है और जब तक एस० वाई० एल० का पानी हमें नहीं मिलेगा, जब तक हरियाणा की प्यासी जमीन को पानी नहीं मिलेगा तब तक यहां का किसान और. मजदूर खुशहाल नहों होगा । हमारे अपोजीशन के भडि अपनी कुर्सियों के लिये लोगो को बरगलाते हैं । डिप्टी स्पीकर साहब, मैं कह रही थी कि एक कमेटी बनाई गई । वह कमेटी एस० वाई ० एल० का काम देखने के लिए गई और उस कमेटी ने वहां से आकर अखबारों में बयान दिया सव लोगों ने पढ़ा होगा, कि एस० वाई० एल० का काम बहुत अच्छा चल रहा है और वे उससे सन्तुष्ट हैं । मैं सुरजेवाला जी को मबारिकबाद देती हू कि उन्होंने अगले ही दिन उस बयान को कन्ट्राडिक्ट कर दिया और कहा कि हम सन्तुष्ट नही हैं । इसका अर्थ साफ है कि वह लोग इन तत्वों के साथ मिलकर नहर के काम मे बाधा डालते हैं क्योंकि इससे पंजाब सरकार को मौका मिलेगा भारत सरकार को यह कहने का कि देख लो अपोजीशन वाले तो यह कहते है कि काम ठीक चरन रहा शै इसलिये भारत सरकार क्रो यह नहर अपने हाथ में लेने की क्या जरुरत है? जबकि यह सरासर झूठ है । डिप्टी स्पीकर साहब, मन्त्री जी ने बताया है कि वहां पर कितनी जमीन ऐक्वायर करनी है और कितने पुलों का काम बाकी है । हम तो यह चाहते हैं कि

यह नहर छः महीने के अन्दर पूरी होनी चाहिये और यह तभी हो सकता है कि जब हमारे अपोजीशन के भाई इन बैन्चिज पर बैठते और हमारे साथ. मिलकर भारत सरकार से यह अनुरोध करते कि भारत सरकार हम नहर को अपने हाथ में ले ले । डिप्टी स्पीकर साहब, उनको प्रगति से मतलब नहीं है क्योंकि जो आदमी प्रगति चाहता है वहू कभी भी आपस में भाई चारा तोड़ने को बात नहीं करेगा । आप सब जानते है कि अगर समाज में शान्ति होगी तो वहां विकास होगा । डिप्टी स्पीकर साहब, अगर किसी घर में लड़ाई हो तो घर में चाहे अन्न के भंडार भरे हों, धन की तिजोरी भरी हो उस घर में तवा भी नहीं चढ़ता हो और सव भूखे ही पड़े रहेंगे । इसी तरह से कोई व्यक्ति हो, कितनी ही बडी शखशियत हो, अगर वह किसी भी नाम से इन्सानों में फूट डालता है और आपस में लोगों को एक दूसरे से लड़ाने की बात करता है चाहे वह धर्म के नाम पर लड़ाये या जाति पाति के नाम पर लड़ाये वह कोई तरक्की पसन्द नहीं हो सकता । डिप्टी स्पीकर साहब, हर व्यक्ति का यह फर्ज है कि देश की एकता के लिये, अखंडता के लिए और अपने प्रान्त की प्रगति के लिए दिन रात मेहनत करे । जो लोग आपस में लोगों को लड़ाते हैं ऐसे लोगों को कदम–कदम पर कन्डैम करना चाहिये और साथ हो उन बहादुर लोगों का साथ दें जो ऐसे लोगों से निपटने के लिये दिन रात परिश्रम करते हैं और हमारे भविष्य की चिन्ता करते हैं । विघटनकारी तत्वों और मजहब के नाम पर भाई– भाई को बांटने वाले जात पोत के नाम पर लोगो को बागने वाले लोगो की मैं घोर निन्दा

करती हूं । ऐसे 'हालात में भी हरियाणा सरकार ने हर कठिन हालात में अमन बनाये रखा है और विशेषरूप से चौधरी बंसी लाल जी ने आकर बड़ी मजबूती के साथ वातावरण को बदला है लोगों की सोच को बदला है और कमजोर लोगों को इस बात का एहसास करवाया है कि मिल कर रहने से ही हमारी प्रगति होगी इसके लिये मैं उनकी प्रशंसा करती हू और इस प्रस्ताव का समर्थन करती हूं ।

डिप्टी स्पीकर साहब, जो लोग राजनीति को रोटी का धन्धा समझते हैं और सोचते हैं कि हम जात पात का नारा लगाकर, महजहब का नारा लगाकर कामयाब हो जाएंगे, हरियाणा की जागरूक जनता को और देश की जागरूक जनता को ऐसे तत्वों को हर कदम पर डिफीट देनी चाहिये । प्रगतिशील व्यक्तियो को, राजीव गांधी जैसी शखशीयत को जिसकी मां की लाश घर पर पड़ी थी, अगर उस समय वह आख मूंद लेता, एक दिन भी न बोलता तो न जाने इस देश में क्या हो सकता था । इस की परवाह न करते हुए वे गलियों में फिरते रहे और कहते रहे कि आप क्या कर रहे हैं? यही तो दूसरे लोग चाहते हैं कि हम सिखों से नफरत करें, उनको मारने लग जाएं और उधर वे हिन्दुओं से नफरत करने लग जाए इस तरह अपने आप ही उनका सपना पूरा हो जाएगा और अपने आप ही खालिस्तान बन जाएगा । इस प्रकार उन्होंने बड़ी सूझ–बूझ के साथ, बड़ी जागरूकता के साथ काम किया । उन्होंने कहा कि हम सब भाई हैं, और अगर हमारा किसी

से विवाद भी है तो उसे आपस में बैठकर शान्ति से सुलझा लेना चाहिये वैसे यह भी देखा गया है कि विवाद की जड़ कोई और है लेकिन नाम उसको धर्म का दिया जाता है । जैसे दो जुआरी जुआ खेल रहे हैं उनमें से एक हार जाता है । हारने वाला अगर मुसलमान है और जीतने वाला हिन्दू है और दोनों ही शराब पिये हुए हैं तो दोनों ही एक दूसरे को मारते हे, पीटते हैं, छुरा घोंपते हैं । अगले ही दिन इस प्रकार की खबर आ जाती हे कि एक हिन्दू ने मुसलमान को मार दिया या एक मुसलमान ने एक हिन्दू को मार दिया या एक हिन्दू ने एक सिख को मार दिया । लेकिन यह वात नहीं है । इसके पीछे कुछ और भी झगड़े होंगे । असल बात तो यह है कि इस तरह की बातें तभी उभारी जाती हैं जब समाज में इस तरह के सोशल आर्डर हों । जहा व्यक्ति के गुणों की बजाये साधनों की ज्यादा इज्जत हो तो हर इन्सान में यह भूख होती हे कि वह कैसे भी हो, साधन पूरे कर ले । हमारे जो नौजवान भड्के हुए क्रश उनके पीछे बेरोजगारी भी एक कारण है । वह समझते हैं– कि विदेशों से पैसा मिलता है, जान जाती है तो चली जाए, जितने दिन रहेंगे उतने दिन तो ठीक से जी लेंगे । इसलिये इस सोशल आर्डर को चेन्ज करने की आवश्यकता है कि समाज के अन्दर कोई बेरोजगार न रहे, किसी को कोई तंगी न हो ताकि हमार घर को कोई बरगला न सके ।

डिप्टी स्पीकर साहब, हमारे प्रगतिशील मुख्य मन्नी जी का नाम आज हरियाणा की प्रगति के साथ जुड़ा हुआ है । 1966

में हरियाणा बना था । पंडित भगवतदयाल उस वक्त हमारे मुख्य मन्त्री थे और आपको पता ही है कि वह सरकार किस तरह से टूटी? उन लोगों ने तोड़ी जो जात पात का प्रचार करते थे । हम लोगों ने सफर किया । उस के बाद दूसरी सरकार आयी, उसमें भी हम बदनाम हुए । जय हम कहीं बाहर जाते थे तो लोग कहते थे कि उसी हरियाणा आये हो जो आया राम गया राम के नाम से मशहूर है । यह तो हमारा सौभाग्य है कि 1968 मे चौधरी बंसीलाल जी मुख्य मन्त्री बने और इन्होने हमारी वह सारी कालिस धो दी । राक ऐसा कीर्तिमान कायम किया कि उस वक्त की हमारी प्रधान मन्त्री श्रीमती इन्दिरा गाधी चाहे वे आन्ध्र प्रदेश में जाती, चाहे कही और जाती वह कहती कि प्रगति कैसे और कितने समय में हो सकती है, अगर यह देखना डे तो आग हरियाणा में जाका कैं देखें । जब हरियाणा बना था तो हमारे पड़ोसी भाई यह कहा करते थे कि हरियाणा पता नही अपने मुलाजमों को तनख्वाह भी दे सकेगा या नहीं । लेकिन उसी समय में हुमारे मुख्यमन्त्री महोदय ने गांव गांव में सड़कों का जाल बिछवाया । गाव गांव में बिजली देकर, किसानो को ट्यूबवैल्ज के कनैक्शन्ज देकर न केवल किसानो को आत्म निर्भर बनाया वल्कि दूसरी सुविधाएं देकर हरियाणा को इस लायक बनाया कि भारत में आज हरियाणा अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता है । आज दोबारा प्रान्त की वागडोर उन्ही के हाथ में आयी है । हम हर कदम पर उनका माथ देंगे और हमारा यह फर्ज भी बनता है कि इस प्रदेश में कही भी जात पात की बात न आने दें । कही भी धर्म की बात न आने दें। किसी के

मन में असुरक्षा की भावना न आने पाये । हमारे प्रान्त में शान्ति हो और प्रान्त शान्ति की उन मंजिलो को तय करे जो अपने आप में एक मिसाल हो । यह तभी हो सकता है कि जब हम सव मिलकर पार्टी लाइन से ऊपर उठकर तुक दूसरे से कन्धे से कन्धा मिलाकर चलेंगे । इन्ही शब्दों के साथ मैं हरियाणा सरकार की प्रशंसा करती हूं कि जिम तरीके से उन्होंने यहा अल्पसंख्यकों के मन से असुरक्षा को भावना निकाली है और यहां के कमजोर वर्गों में यह विश्वास बैठाया है कि चाहे वे लोग कितनी ही अभद्र भाषा का प्रयोग करते हों दरख्त काट कर आंतक जमाना चाहते हो लेकिन हरियाणा के अन्दर इस तरह की कार्यवाही नहीं होने दी जाएगी । साथ ही उन गुमराह भाइयों को भी समझाया है कि एक जाति, चाहे वह कितनी ही बहादुर और साधन सम्पन्न क्यो न हो, अगर वह सारे समाज से अलग होती है तो वह कभी भी संसार में तरक्की नही कर सकती । मैं हरियाणा सरकार की प्रशंसा करती हूं और उन विघटनकारी तत्वों की घोर निन्दा करती हु जो धर्म के नाम पर जाति–पाति के नाम पर गुरुओ के नाम पर और अपनी मत्ता हथियाने के लालच सें समाज को गुमराह कर रहे हैं । ऐसे लोगों के प्रति सरकार को सदा ही सतर्क रहना चाहिये । इन शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करती हू कि आप ने मुझे बोलने का समय दिया ।

चौधरी ईश्वर सिंह (पुंडरी) : डिप्टी स्पीकर साहब, सरदार लछमन सिह जी ने जो प्रस्ताव हाउस के सामने रखा है, मैं

उसका समर्थन करने के लिये खडा हुआ हू । उन्होंने अपनी खीच के पहले भाग में उन सभी तत्वों की निन्दा की है जो सूबे या हमारे देश में बिघटनकारी कार्य करना चाहते है और इस समाज में धर्म और बिरादरी के नाम से अशान्ति फैलाना चाहते हैं । दूसरी साईड़ में उन्होंने सरकार की सराहना भी की है कि सरकार ने उन विघटनकारी शक्तियो को दबाने के लिये कठोर कदम उठाये हैं और उन तत्वों को आगे नही बढ़ने दिया है । डिप्टी स्पीकर साहब, यह भारत देश एक है । ज्योग्राफीक्ली इसके उत्तर में पहाड़ हैं, जिसको आज तक कोई लांघ कर नही आ सका । सिर्फ एक दर्रा खैबर है जिसके रास्ते हमलावर आये है, या बोलान या टूची पान से आये है । समुद्र के रास्ते से भी आये हैं ज्योग्राफीक्ली यह देश एक है और इतने बडे देश से बेशक पाकिस्तान या बंगला देश अलग हो गये है लेकिन फिर भी आज जितना बड़ा देश हिन्दुस्तान है उतना बडा देश कभी हिस्ट्री में नहीं हुआ । इस देश की एकता और अखंडता को कायम रखना हमारा कर्त्तव्य बनता है ।

डिप्टी स्पीकर साहब, अंग्रेजी की डिवडिड एण्ड रूल की पालिसी थी । 1906 मे यू ० पी ० के कुछ बड़े बड़े जमींदारों को बुलाकर यह कहा कि तुम कुछ मागो, हम आपको देंगे और मुसलिमलीग कायम करो । इस तरह से उन्होंने साम्प्रदा– यिकता का जहर फैलाया । कांग्रेस पार्टी जो देश की एक बड़ी पार्टी थी के मुकाबले में उनको खड़ा करने की कोशिश की । जिन्ना साहव

टू नेशन थ्यूरी पर चल रहे थे कि इस देश में दो अलग अलग नेशन्ज है । हिन्दू–मुसलिम अलग अलग नेशन्ज हैं हालांकि हम देखते है कि सारी दुनिया मे किमी मजहब के नाम से कोई देश नहीं है । यूरोप में बहुत से देश हैं जहां सव देशों का धर्म ईसाई धर्म है वे एक दूसरे से लदे भी हैं और डेनकी खुखार लडाईयां भी हुई हैं । फास जर्मनी की लडाई हुई । इसी तरह जर्मनी रूस की लड़ाई हुई, इस तरह से आपस में लडाईया होती रही । अव हम देख रहे हैं कि मिडल ईस्ट में जो मुसलमानों के देश है, उनमें भी लडाईया हो रही है । ईरान और ईराक आज श्री लड़ रहे है । हालांकि नान अलायंस कन्ट्रीज ने उनको अपीलें भी की हैं लेकिन फिर भी उन की लड़ाई जारी है । किसी देश को धर्म का नाम लेकर अलग थलग करने की ज्यूरी को हम नही मानते, कांग्रेस ने भी इसको नहीं माना । मजबूरन देश का बंटवारा हुआ । अंग्रेजों ने भी डिवाइड एण्ड खल की पालिसी के तहत कम्युनल फ्रेचाईज किया । उन्होंने कहा कि मुसलमान मुसलमान को राय देगा, हिन्दू हिन्दू को राय देगा और साथ में यह भी कहा कि हरिजन हरिजनों को ही राय देंगे । इस पर महात्मा गांधी जी ने 21 दिनों का व्रत रखा । उन्होंने कहा कि आप कैसे हरिजनों को हिन्दुओं से अलग कर सकते हो । इसी तरह से अब भी, खासतौर से पंजाब मे कुछ ऐसे तत्व है जौ विदेशी ताकती के सहारे उनके बहकावे में आये हुए हैं, उनके पैसो से उनके हथियारों के बल पर वे चाहते हैं कि यह देश टूट जाए । इस देश में शान्ति और अमन खत्म हो जाए । एकता और अखण्डता न रहे । ऐसे तत्वों ने यहां

इस तरह का आतक फैला रखा है । डिप्टी स्पीकर साहब, मैं यह कहना चाहता हूं कि यह कोई बहादुरी नई है कि किसी प्रकार की चेतावनी दिये बगैर किसी कमजोर पर, जिस के पास कोई हथियार न हो। उस पर हमला किया जाएगा। ऐसे लोगों को कभी बहादुर की लिस्ट में आज तक दुनिया में किसी ने भी शामिल नहीं किया । गुरु गोबिन्द सिंह जी ने कहा था ––

देहा शिवा वर मोहे तूह, शुभ कर्मण ते कभी न टरुं ।

हम एकांत जगत में आए, धर्म हेत गुरु देव पढ़ाए

संतो वारण धर्म चलावन, दुष्ट सचत को मूल उपारण ।

इसलिये वे लोग दुष्ट हैं जो इस ढंग के आतकवाद की भावना को फैला रहे हैं । इकबाल ने भी कहा है कि ––

मजहब नहीं सिखाता आपस मे बैर रखना,

हिन्दी हैं हम वतन है हिन्दुस्तां हमारा ।

दुनिया में जितने भी संत महात्मा आए उन्होंने सभी धर्मो का आदर किया । आज कल तो साईंस का जमाना है जिसने टाइम और जगहों के फासले को शार्ट कट कर दिया है । पहले सारी दुनिया में कोई नहीं जा सकता था । सेंट एग्जीवीयर ईसाई धर्म के प्रचार के लिए जापान गए उन्होंने वहां जाकर कहा कि मैं खुदा का पैगाम लेकर आया हूं । वहां के लोगों ने कहा कि यह प्रचार तो हमारे पास पहले ही पहुंच चुका है । महात्मा बुद्ध के

प्रचारक आए थे उन्होंने हमें यही बात सुनाई है जो आप सुना रहे हैं । कई जगह कोई भ्रान्ति पैदा हो जाती है वरना हर मजहब के ऐसे रिवाज होते हैं जैसी उस मुल्क की आवो हवा हो और वह रिवाज दूसरी जगह अनुकूल नहीं होते । हमें यह समझना चाहिए कि किस हालत में किस जगह और समय के मुताबिक वह रस्मों रिवाज पड़े हैं । इसलिये हमें एक दूसरे को समझने की जरूरत है । इसकी बाकायदा कम्पैरिटिव स्टडी होनी चाहिए । कोई भी धर्म नफरत नहीं फैलाता है । सब धर्मों में रोजे हैं और व्रत है । अपने पर संयम और कन्ट्रोल रखना चाहिए यह सभी धर्मों में कहा गया है । जैसे रोशन लाल जी ने अभी दस लक्षण बताए थे इसी तरह सभी धर्मो में ऐसे ही लक्षण होते हैं । इकबाल ने कहा है ––

सजर है फिर कार आई तासुब है समर इसका

यह वह फल है जो जन्नत से निकलवाता आदमी को

इकबाल एक जगह और कहते हैं –

तासुब छोड़ नादा नहर के आइना खाना मे

ये तसवीरे तेरी हैं जिसको समझा बुरा तैने ।

इसी तरह स्वामी विवेकानन्द जी ने कहा है कि समुद्र में लहरें आती हैं इसी तरह से हम और आप सभी उन लहरों की तरह हैं । जब लहरे बैठ जाती है तो पूरी शान्ति हो जाती है । हम सब एक हैं । कोई आदमी जो आपस में घृणा पैदा करता है

वह दरजी की कैची की तरह होता है जो काटती णै । दरजी कैची को अपने पैर के नीचे रखता है, सिर पर नहीं रखता । इसी तरह से सूई को भी टोपी में या साफे में रखता है क्योंकि वह भी चुभती है । हमारे नेताओं ने जो संविधान वनाया उसकी भू भिका डा० अम्बेदकर ने लिखी है उसमें तथा डायरैक्टिव प्रिसिपल्ज में भी सैकुलैरिज्म की भावना रखी है । इसका मतलब यह नही समझना चाहिए कि हम किसी धर्म में विश्वास नहीं रखते हैं । इसका मतलब यह है कि सभी धमों के प्रति हमारी ठीक ढंग की भावना हो और हम एक दूसरे के खिलाफ न हों । हमारे कांस्टीच्यूशन के प्रिएम्बल में यह लिखा है –

"WE, THE PEOPLE OF INDIA, having solemnly resolved to constitute India into a Sovereign Socialist Secular Democratic Republic and to secure to all its citizens; Justice, social, economic and political. Liberty of thoughts, expression, belief, faith and worship; Equality of status and of opportunity and to promote among them all, Fraternity assuring the dignity of the individual and the unity and integrity of the Nation."

तो यूनिटी आफ दि नेशन हमारे लिये खास है । इस देश में किसी समय 565 रियासतें थीं । सरदार पटेल और पंडित नेहरु ने सभी रियासतों के राजाओं के ताज उतरवा कर म्यूजियमों में रखवा दिए तथा वोट का अधिकार सभी में बांट दिया । जो मोहर आप वोट पर लगाते हैं वही हमारे राज की मोहर है । नेहरु जी कहा करते थे कि मैं बड़ा नही हूं बड़ी तो जनता है । हमारे

लोक दल के कुछ भाइयों ने पहले तो द्रखत कटवाए फिर यह कहा कि हम कांग्रेस के जलसे नहीं होने देंगे । दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी है जो ऐसा नहीं करती । इस ने शुरू में ही कह दिया कि हर आदमी को बोलने की पूरी आजादी है । इस ने कभी भी किसी की आजादी को भंग करने की कोशिश नही की लेकिन लोक दल के हमारे भाई जात बिरादरी का नारा लगाते हैं । चौधरी देवी लाल ने इसी असैम्बली में जात बिरादरी का नारा लगाया था । अच्छे आदमी का यह काम नहीं है कि वह द्रखत काटे । अच्छा आदमी तो द्रखत लगाता है । द्रखतों से हवा साफ होती है, जलाने के लिये लकड़ी मिलती है, इमारती लकड़ी मिलती है । इससे सरकार को रैवेन्यू भी मिलता है । ये लोग कहते हें कि द्रखत काट कर रास्ता रोक दो । वे अपने स्वार्थ के लिए इस ढंग की भावना मुल्क में फैलाना चाहते हैं । अगर कोई अच्छा काम करेगा तो उसको कौन रोकता है, बुरा काम करने वाले को तो रोकना ही पड़ेगा । चौधरी बंसी लाल ने 12 जिलों में एकदम जलसे करके उनके कान खोल दिए । दूसरी तरफ कुदरत ने भी बारिश कर दी जिससे यह साबित हो गया कि भगवान भी चौधरी साहब से राजी है । हमारे मुख्य मन्त्री जी ने हर जलसे में एलान किया है कि माइनोरिटी कम्युनिटी को पूरी सुरक्षा दी जाएगी । माइनोरिटीमें कोई भी हो सकता है । एक सूबे में कोई और माइनोरिटी में हो सकता है और दूसरे में कोई और हो सकता है । इस तरह से बराबर की बान है । यह देश 72 करोड़ की आबादी का देश है । इसमें कोई भी जाति ऐसी नहीं है जिसकी

हर इलाके में क्लीयर मैजोरिटी हो । जवान जो बोली जाती है उमकी बात अलग है । जवान तो एक बात को एक्सप्रैस करने का तरीका है । जैसे कपडा है आग कोई चीज भी उसमें बाध सकते हैं । कपड़ा सिलक का भी हो सकता है और खद्दर भी हो सकता है । इसी तरह भाषा भी अपने विचारों को जाहिर करने का एक तरीका है । हमें देश को भाषा और जात बिरादरी के आधार पर बांटने के बारे में नहीं सोचना चाहिए । मनु महाराज ने भी जन्म मे किमी को किसी बात बिरादरी का नहीं माना । लोग जैसा पेशा करने लगे उसके नाम मे उनकी विरादरी का नाम पड गया । जैसे जो सोने का काम करने लगा उसका नाम सुनहार पड़ गया और लोहे का काम करने वाले का लुहार पड़ गया । अलग अलग काम करने वालों के अलग अलग नाम पड़ गए । किसी कवि ने कहा है––

मालिक ने हर इन्सान को इन्सान बनाया,

हमने उसे हिन्दू या मुसलमान बनाया,

कुदरत ने तो दी थी हमें एक ही धरती,

हमने कही हिन्द, कही पाक, कहीं बंगला वनाया ।

एक और शायर ने कहा है––

काफिले प्यार के अन्जान हैं कितने,

यारो लूट लेता इन्हें कोई भी रहबर वन कर ।

तो कुछ लोग ऐसे हैं जो रहबर बनते हैं, लीडर बनते हैं जो जात बिरादरी की भावनाओं को भड़काते हैं । मारे हिन्दुस्तान में श्री राजीव गांधी ने, जिस तरह से उनकी माता शहीद हुई, इस के बावजूद भी उन्होंने देश में अमन और शांति काया। की । जिन लोगों पर जिम्मेदारी होती है उन्हें यह पता होता है कि उनके ऊपर कितना बोझ है, इसीलिए उन्होंने देश का वातावरण ठीक रखा । चौधरी बंसी लाल जी के मुख्य मंत्री पद पर आने के बाद जिस तरह से घोड़ा सवार को पहचान लेता है, उसी तरह से लोकदल के भाइयों ने इन्हें पहचान लिया । उन्होने एक आध जगह परं गड़बड़ करने की कोशिश की । पहले जींद और रोहतक में और फिर सोनीपत में दो पटाखे छोड़े । उसके बाद उनकी प्रान्त के अन्दर कोई गडबड करने की हिम्मत नहीं हुई । अब उनका टैम्परेचर उतरता जा रहा है । अव वे दूसरी पार्टियों के समझौते के लिए पटना और इधर उधर के चक्कर लगा रहे है । मै अपनी सरकार को बधाई देता हूं कि इसने प्रान्त में अमन और शांति कायम की है, जो जात बिरादरी का जहर है उसको इस सरकार ने खत्म किया है । जैसे तुक कवि ने कहा है

मालिक ने हर इन्सान को इन्सान बनाया,

हमने यहां हिन्दू या मुसलमान बनाया,

कुदरत ने तो हमें बख्शी थी एक ही धरती,

''हमने कहीं हिन्द, कहीं पाक, कहीं बंगला बनाया ।

तो यह हमारी अपनी किएशन है । यह बात शायर लुधयानवी ने कही है । हमारी सरकार बधाई की पात्र है, इसने प्रान्त में शांति कायम की है जो इसकी जिम्मेदारी भी है । इस सरकार ने अड़ानी जिम्मेदारी को निभाया है । कांग्रेस पार्टी की हमेशा यह नीति रही है कि इस देश की एकता और अखण्डता कायम रखी जाये । श्रीमती इंदिरा गांधी जीं ने जो अपनी शहीदी दी है, उससे इस देश को और मजबूती पहुंची है । हमारा यह फर्ज है कि इतने बड़े देश– में कही पर कोई गडबड न होनें पाए । रामायाण और महाभारत के टाईम पर भी छोटी छोटी 565 रियासतें थी और वे 1950 तक थी, 1947 मे भी खत्म नही हुई थी । 1947 के बाद ही रियासतें खत्म हुई है । इन रियासतें खत्म होने के बाद ही यह इतना बड़ा देश बना है । हमारे गुरुओं ने संगत और पंगत का सिस्टम बताया है कि एक जगह बैठ कर खाएं ताकि आपस में प्रीति पैदा हो । संगत का मतलब है अच्छी भावना पैदा करना और अच्छा प्रचार करना । ये सारी बातें महात्मा गांधी, स्वामी दयानन्द औंर जितने भी हमारे संत महात्मा हुए हैं, उन सब ने एकता का प्रचार किया है । उन्होंने कहा है कि जिन देश में अमन शांति कायरर है वही देश तरक्की करता है । इन्ही शब्दों के साथ मै इन रेडोल्यूशन का समर्थन करता हूं और सरकार को बधाई देता हूं कि सरकार इसी तरह से प्रान्त में अमन और शांति कायम रखे । यदि प्रान्त में अमन और शांति डोगी तो प्रान्त की तरक्की होगी ।

चौधरी तैयब हुसैन (नावडू) : डिप्टी स्पीकर साहब, जो रैजोल्यूशन सरदार लछमन मिड जी ने रखा है मैं उनकी ताईद करने के निए खड़ा हुआ हु । इस रैजोल्यूशन के दो पार्ट हैं । जो इमका पहला पार्ट है उसके बारे में हमारे संविधान के प्रिएम्बल में साफ तौर से और वाजहतोर से लिखा हुआ है. जिसके बारे में मेरे से पहले बोलने वाले माननीय सदस्य श्री ईश्वर सिंह जी ने बता दिया है । उन्होंने उसको जबानी याद कर रखा भुँ । संविधान के प्रिएम्बल में सबसे पहली बात सैकुलरिज्म की कही गई है । सैकुलरिज्म का सीधा मतलब मैं समझता टू कि आदमी को दूसरे मजहब की बरदाश्त हो, यानी अपने मजहब को भी माने और दूसरे मजहब को 'भी बरदाश्त करे । हमारा संविधान उन लोगो ने बनाया है जिन्होंने इस मुल्क की जंगे आजादी के निरा लड़ाइया लड़ी और अपनी जिन्दगी का बेहतरीन अर्सा जेलों मे गुजारा । (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) अपने अपने तजुबति के साथ डा ० अम्बेदकर साहव ने और जितने हुमारे दुसरे बुजुर्ग हुए है, सब ने मिल कर यह सविधान बनाया है । जो तजुबीत हो' चुके थे, चाहे वे बदकिस्मती से 1947 के हों. चाहे कोई और हों, उन सव बातों के पेशेनजर यह संविधान बनाया गया है । इस रैजोल्यूशन का पहला पार्ट यह रैफर करता है कि दरअसल वे लोग संविधान को नही मानते है, इसकी उल्लघंना करते हैं । जो आदमी संविधान को नहीं मानता वह आदमी किस तरह सै अपने आपको हिन्दुस्तानी कहता है या वह किस तरह से अपने आपको हिन्दुस्तानी कहने का हकदार है? यह एक सवालिया फिकरा है ।

इस तरह के लोग ही इसका जवाब दे सकते है। संविधान के मिएस्बल में और आर्टिकल 29–30 मैं एजुकेशन और कल्चर दोनों को सेफगार्ड किया हुआ है ताकि माइनोरिटीज के दिमाग में किसी तरह की कोई बात न रहे । एजुकेएशन और कल्चर इस्टीच्यूशंज की बात आर्टिकल में है । इसके साथ साथ यह भी जरूरी है कि आप ऐसी कोई वात न कीजिए जिससे दूसरा आदमी ओफेण्ड हो क्योंकि आदमी की अपनी लिब्रटी वहीं तक है जहां से दूसरे आदमी की लिब्रटी शुरु न हो । जहा पर दूसरे आदमी की शुरु हो जाये वहां अपने आपको महदूद कर लिया जाये । बहरहाल जो लोग इस तरह का गलत काम करते है वह मुल्क के लिए डिस–सर्विस का काम करते हैं । मैं समझता हू कि जौ लोग गलत भावनाएं फैला रहे हैं उनके पीछे विदेशी ताकतों का हाथ है । विदेशी ताकतें हमारे यहां फसाद फैलाना चाहती हैं इसके पीछे कोई और छपी हुई बात नहीं है । जो लोग विदेशी ताकतों के हाथों में खेल रहे हैं, वे इंडियन कांस्टीच्यूशन को नही मानते । वह ऐसा करके मुल्क की कितनी भलाई की बात करते हैं, यह तो वही बता सकते हैं । लेकिन उनके कारनामों से साफ जाहिर है कि वे विदेशी ताकतों के हाथों में खेल रहे हैं । अबदुल मौलाना कलाम आजाद ने 'इंडिया विन्ज फ्रीडम नामक किताव लिखी है । उस किताव में लिखा हुआ है कि केवल मजहब के आधार पर कोई मुल्क ज्यादा अर्से तक नही टिका रह सकता । चुनाचे 1971 में जब बंगला देश बना तौ यह बात बिल्कुल ठीक सिद्ध हुई । इसलिए किसी चीज को मजहब का आधार वनाया जाये, वह

कंडैमनेबल तो है ही, इसके साथ साथ मैं समझता हूं कि जो लोग ऐसा करते हैं वे देश के सबसे बड़े गद्दार हैं । जो आदमी संविधान को न माने, उसका आगे चल कर क्या नतीजा निकलेगा, यह तो वही बता सकता है लेकिन तामिलनाडू के स्पीकर ने वहा के एम० एल ० एज० द्वारा संविधान की बात न मानने के खिलाफ एक्शन लिया है । मैं समझता हं यह एक अच्छा कदम है क्योंकि कांस्टीच्यूशन उन लोगों ने बनाया है जिन्होंने जंगे आजादी में हिस्सा लिया था और देश की आजादी के लिए कुर्बानियां दी थीं, मुसलसल लड़ाई यां लड़ी है । उन लोगों ने सोच समझ कर यह संविधान हमें दिया है जिसको हम फालो करते है ।

13.00 बजे ।

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब आप वाइंड–अप करें मैं एक बजे हाउस को एडजर्न करना चाहता हूं । एक तो आज पार्टी मीटिंग है और दूसरे पार्टी मीटिंग से पहले एक और कोई एक घन्टे का प्रोग्राम है । इसलिए आप अपनी बात यहीं पर खत्म कर दें तो अच्छा है ।

चौधरी तैयब हुसैन : स्पीकर साहब, जैसी आपकी आज्ञा । लेकिन मैं सिर्फ एक मिनट और बोल कर अपनी बात समाप्त कर दूंगा । आज कुछ लोग मजहब की बात को लेकर बाते करते है तो कुछ आतंकवाद का सहारा लेकर बात कर रहे हैं । काफी लोग इन बातों का शिकार हो चुके' हैं । यदि कोई आदमी अपने

पैगेम्बर को मानने वाला है या अपने गुरु को मानने वाला हुँ तो वह ठेला कोई गलत काम नहीं करेगा जिससे दूसरा को नुकसान हो । अगर कोई ऐसा काम करता है तो वह गुरु भगत नही कहलाया जा सकता । हरियाणा की जहां तक बात है, उसकी अपने 'माप में गक ममा न है । जब हरियाणा वना था तो लोग कहते थे कि यहा के कर्मचारियो को हरियाणा के भी नहीं दे पायेगा । लेकिन जब चौधरी बंसी लाल जी चीफ मिनिस्टर बने तो इन्होंने वह काम कर दिखाया जो कोई नही कर सकता था । इनको आज के मौजूदा हरियाणा का निर्माता कहा जा सकता है । चौधरी ईश्वर सिंह जी ने कई शेयर पढ़े हैं । मैं भी हरियाणा की खुशी के लिए और इस देश की खुशी के लिए एक शेयर पढ़ कर सुनाता हूं– –

फूले फले मेरी उम्मीदी का

चमन जिगर का खून दें दे के

ये बूटे मैंने पाले हैं ।

चौधरी बंसी लाल ने ऐसा कोई काम हरियाणा में नही होने दिया जिससे यहां पर कोई गलत काम हो या कोई बदअमनी फैले । इन्होंने पब्लिक मीटिंग मे कई बार कहा है कि किसी को भी कोई गलत काम नही करने दिया जायेगा । जब ये पहली बार चीफ मिनिस्टर थे तो इन्होंने सही तौर पर सैकुलेरिज्म करके दिखाया । इन्होंने कहीं पर भी कोई झगड़ा नहीं होने दिया ।

चाहे कहा पर पंजाब का झगड़ा हो या और कोई बात हो, अपने हित की बात सही तौर पर उठाई है । इस काम के लिए हमारे आफिसर भी मुबारिकबाद के पाल हैं जिन्होंने सही कार्य किया ।

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब, अब आप बैठ जायें क्योंकि आप अपनी बात को लम्बी कर रहे हैं ।

चौधरी तैयब हुसैन : अच्छा जी, धन्यवाद ।

सिंचाई तथा बिजली मन्त्री (चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला) : स्पीकर साहब, यह विंषय तो बहुत लम्बा है । इस पर और भी काफी सदस्य बोलना चाहते थे । लेकिन आपका हुक्म मेरे लिए मुख्य है । मैं 5 मिनट में ही समाप्त कर देता हू । सरदार लछमन सिंह जी ने जो प्रस्ताव आज सदन के सामने रखा है, मैं उनका समर्थन करता हूं । यह बहुत अच्छा रहा कि ये ऐसा प्रस्ताव लेकर आये । प्रस्ताव पर इन के अलावा कुछ दूसरे मैम्बरों ने भी अपने अपने विचार व्यक्त किए । आज कुछ व्यक्ति लोगो को अपनी गलत बातों के जरिए आपस में लड़ा रहे है और भड्का रहे हैं । इस बोर में सभी की एक मन्शा है कि जो लोग ऐसा कर रहे हैं, जो फिरकापरस्ती और जातिवाद को उठा रहे हैं, उसको रोका जाये । जो ऐसा काम कर रहे हैं उन तत्वों को पहचानना होगा और डटकर उनका मुकाबला करना होगा । आज के दिन जो घिनौनी बातें फैलाई जा रही है उनको रोकना होगा । इनका चलन आज के दिन समाज में बहुत हद तक बढ़ गया है । आज

के दिन एक इन्सान दूसरे इन्सान का दुश्मन बनता जा रहा है । जो इस तरह की गलत बातें हो रही हैं उससे समाज की प्र गति के रास्ते में एक बहुत बड़ी रुकावट आ खड़ी हुई है । यदि आज के दिन अगर पिछड़ेपन का कोई प्रमुख कारण है तो वह जात–पात का सिस्टम है । दुख की बात तो यह है कि हरियाणा के अन्दर कुछ लोगों द्वारा जात–पात की बात को बहुत उछाला जा रहा है । हमारे स्ब के लिए यह खुशी की बात है कि आज के दिन हरियाणा दूसरे सूबों की अपेक्षा कहीं अधिक सुदृढ़ और खुशहाल है । लेकिन इसके बावजूद भी हरियाणा के कुछ भाइयों द्वारा यहां का भाई–चारा खत्म करने की कोशिश की जा रही है । हम सभी को जात– पात की भावना और फिरकापरस्ती को खत्म करना होगा । पहले हमारे जो हरिजन भाई हैं उनसे सभी लोग नफरत करते थे । उनसे टच होने पर वे बहुत बुरा मानते थे । आज भी समाज द्वारा, जो बैकवर्ड क्लासिज के भाई और दूसरे हरिजन भाई हैं, उनको बिरादरी के नाम से याद किया जाता है । इसी बात को हमें खत्म करना होगा । कांग्रेस पार्टी ने देश की आजादी के दिन से लेकर आज तक यही लड़ा ई लड़ी है कि जातपात की भावना खत्म हो । आज के दिन वे लोग डबूल हैण्डीकैप्ड हैं जो आर्थिक और सामाजिक तौर पर पिछड़े हुए हैं । इस बात को हम सब ने मिल कर खत्म करना है । इस बात के लिए सभी को शिक्षा के क्षेत्र में, नौकरियो के क्षेत्र में या और दूसरे क्षेत्रो मैं बराबर का दर्जा दया गया है । लेकिन दुख की बात यह है कि राजनैतिक क्षेत्र में आज भी बहुत सी ऐसी पार्टियां

हैं जो हरियाणा मे जातपात के नाम पर बहुत दुरुपयोग के काम करने में लगी हुई है । हम सबने मिल कर प्रान्त को, इस देश को और समाज को आगे ले जाना है । कुछ लोग राजनैतिक तौर पर लोगो के एक्सप्लायट करने पर लगे हुए है । वे ऐसे समय पर लोगो को एक्सप्लायट कर रहे है जब चुनावों का समय आ रहा है । बजाये इस के कि ये लोग नहर के निर्माण में काम करते या समाज के उत्थान के लिए कोई काम करते दूसरे गलत कामों में लगे हुए हैं । जब जनता पार्टी की सरकार बनी थी, जो आज हरियाणा में संघर्ष समिति के नाम से जानी जाती है. उसने अपनी पार्टी का नाम लोकदल रखा हुआ है, वह गलत काम कर रही है । जब जनता पार्टी के शासन काल के दौरान चौधरी देवी लाल जी को सवा दो साल तक राज करने का मौका मिला था, उस समय उन्होंने एस ० वाई ० एल ० नहर की खुदाई का काम पूरा क्यों नही करवाया? बजाए इसके, वे उस समय प्रदेश को या देश को प्रगति के पथ पर ले जाते चाहे वे सड़को का काम होता, चाहे नहरों की खुदाई का काम होता, चाहे शिक्षा का काम है ओता, ऐसे काम करते लेकिन वे दूसरे उल्टे कामों में उलझे रहे । वे देश को आगे ले जाने वाली बातों को न करके देश को पीछे ले जाने में लगे रहे । उन्होंने देश को आर्थिक तौर पर और राजनैतिक तौर पर पीछे धकेल दिया । जनता पार्टी के शासन काल के दौरान टकराव ही टकराव पै दा किया । चौधरी देवी लाल जी हमेशा जातपात का नाम लेकर फेवरेटीजम करके अपने राजनैतिक स्वार्थ के लिए काम करते रहते हैं । उनका काम सिर्फ

राजनीति में अपना स्थान बनाये रखने तक ही सीमित रहता है । चौधरी देवी लाल जी जिस जातिवाद को आगे लाकर, एक मुद्दे तक सीमित रह कर काम कर रहे हैं, उसी जाति का सबसे बड़ा नुकसान करने वाले वे खुद ही' हैं । वे लोगों को गलत भड़काते हें । इस बात को मुख्यमंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने कई बार दोहराया भी है और बार वार पब्लिक मीटिग मे कहा है कि चौधरी देवी लाल लोगो को गुमराह कर रहे हैं । अध्यक्ष महोदय, चुंकि समय बहुत कम है इसलिए अन्त में यही कहूंगा कि जितनी भी राजनैतिक पार्टियां हैं, वे सही काम करें ताकि चुनावों के समय ऐसा कोई गलत प्रचार या जहर न उछालें जिससे लोगों में जात–पात के नाम पर टकराव की स्थिति पैदा हो । हमें उम्मीद है कि जात–बिरादरी को उछाल कर के या एक्सपलायट करके हम सभी उसका लाभ नहीं उठायेंगे । दूसरी बात जो हम कर सकते हैं, जैसा हमारी पार्टी का प्रस्ताव भी है, वह यह है कि कास्टलैस और क्लासलैस सोसाइटी की स्थापना की जाए । यह बात समाजवाद द्वारा सबको बराबरी का मौका देकर ही हो सकती है । आज इन सारी बातों की सख्त जरूरत है ।

श्री अध्यक्ष : अब हाउस कल सवेरे साढ़े नौ बजे तक के लिए एडजर्न किया जाता है ।

13.10 बजे

(तत्पश्चात सदन शुक्रवार, दिनांक 28– 11– 1986 को प्रातः 9.30 बजे तक के लिए स्थगित हुआ ।)